CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 02-02-2026 Zone: Noida Edition: 2 Page: NBTNDJK1 User: cci Time: 02-02-2026 00:01 Color:

NBT नवभारत टाइम्स

“यह बजट अपार अवसरों का हाइवे है। यह युवा शक्ति का बजट है। इस बजट से युवाओं के लिए नए द्वार खुलेंगे। - नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

इनकम टैक्स में बदलाव नहीं, क्योंकि...

2026 के बजट में इनकम टैक्स के मोर्चे पर राहत नहीं मिली। वैसे, पिछले साल नई टैक्स रेजीम में 12.75 लाख रु. तक की आय टैक्स फ्री होने और सितंबर में GST सुधारों ने भी गुंजाइश कम कर दी थी। लेकिन...

टैक्स चुकाने में आसानी

टैक्स रिटर्न भरना आसान बनाया गया। रिवाइज्ड रिटर्न फाइल करने के लिए 3 महीने का समय और मिलेगा। किसी करदाता की आय में गड़बड़ी पाई जाती है या टैक्स छिपाया गया और टैक्स 10 लाख रुपये तक है तो जेल नहीं होगी। बड़े मामलों में सजा की अवधि भी घटी है।

12.2 लाख करोड़ इन्फ्रा पर खर्च होंगे

वैश्विक अनिश्चितता और तेज आर्थिक विकास को बनाए रखने और लाखों नए रोजगार पैदा करने के लिए सरकार ने बुनियादी ढांचे पर बजट पिछले साल की तुलना में 9% बढ़ाया है। पिछली बार यह 11.2 लाख करोड़ रुपये था।

न्यू इकॉनमी पर ज़ोर

सेमीकंडक्टर चिप और रेयर अर्थ मिनरल्स जैसे सेक्टरों में चीन, अमेरिका के वर्चस्व को चुनौती देने और आत्मनिर्भरता बढ़ाने की दिशा में कॉरिडोर बनाने का ऐलान हुआ।

जेनरेशन चेंज बजट

देश को नेक्स्ट लेवल पर ले जाने का वादा

वो वक्त बदल रहा है, जो बजट का मतलब इनकम टैक्स में बदलाव भर मानता है। सोशल मीडिया पर नई पीढ़ी को समझने की कोशिश करिए। उसे चाहिए, भारत की फ्यूचर प्लानिंग। हमारी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी समझती हैं कि पुराने फॉर्म्युले नहीं चलेंगे। इस बार उनके बही-खाते में जेनरेशन चेंज दिखा, जो भारत को नेक्स्ट लेवल पर ले जाने का वादा करता है। नई पीढ़ी पूरी दुनिया से कनेक्टेड है। उसके लिए शिक्षा, रोजगार और तकनीक की दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है। बेहतर जिंदगी की उसकी चाहतों को पूरा करना ही होगा। तभी वित्त मंत्री ने भाषण की शुरुआत में ही इस बात को साफ कर दिया, यह बजट युवा शक्ति से प्रेरित है। आज हमारी कवरेज भी Gen-Z के नाम

अंदर के स्पेशल पेजों पर देखें

- F&O पर STT से क्यों बिगड़ा बाजार का मूड?
- कहां और किन सेक्टरों से बनेगा पैसा?
- इन्फ्रास्ट्रक्चर पर सरकार का सबसे बड़ा दांव
- 7 हाई-स्पीड कॉरिडोर समेत रेलवे को मिला बहुत कुछ
- MSME चैंपियन, भारत विस्तार, बायोफार्मा से लेकर डिफेंस तक...क्या मिला?
- स्वामीनाथन एस. अंकलेसरिया अय्यर की त्वरित टिप्पणी पढ़िए
- इनकम टैक्स कानून में क्या है? क्या स्लैब भी बदला है?

इनकम टैक्स में छूट नहीं, पर नियम सरल हुए, विकसित भारत के लिए ‘युवा शक्ति’ पर ज़ोर

Akhilesh.Singh1@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: नॉर्थ ब्लॉक के बजाय नए बने कर्तव्य भवन में तैयार यह पहला आम बजट रहा। तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल, असम में आगामी विधानसभा चुनावों के बावजूद बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकलुभावन घोषणाओं से परहेज किया। पर्सनल इनकम टैक्स में भी कोई छूट नहीं दी, लेकिन आम लोगों से लेकर कंपनियों तक के लिए टैक्स नियमों को आसान बनाने की घोषणा की। पहले के मुकाबले इस बार का बजट कुछ सादा-सा दिखा, लेकिन दुनियाभर में चल रही उथल-पुथल के बीच वित्त मंत्री ने संतुलित राह पर बने रहने का फैसला किया। वहीं 2047 में विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखकर कई कदम भी उठाए।

सरकार की सोच की झलक वित्त मंत्री के इस जुमले में दिखी, जब उन्होंने कहा कि यह 'युवा शक्ति' को ध्यान में रखकर बनाया गया बजट है। यह बात बजट में स्किल डिवेलपमेंट, हायर एजुकेशन, मैन्युफैक्चरिंग और AI सहित नई तकनीक पर फोकस में दिखी। इसमें उच्च शिक्षा और कौशल विकास को उद्योगों की जरूरत से जोड़ने पर जोर है। इसके लिए बड़े इंडस्ट्रियल लॉजिस्टिक सेंटर्स के करीब 5 यूनिवर्सिटी टाउनशिप बनाने की बात है। 15,000 सेकंडरी स्कूलों में कंटेंट लैब्स बनेंगी। बायोफार्मा पर फोकस के साथ तीन नए नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन ऐंड रिसर्च बनेंगे। हर जिले में एक गर्ल्स हॉस्टल खोला जाएगा। MSME के हाथ मजबूत करने के लिए 10,000 करोड़ रुपये का SME ग्रोथ फंड बनाने और ग्रोथ के अगले चरण को रफ्तार देने के लिए MSME चैंपियन बनाने की बात है। इनका देश के कुल निर्यात में करीब 45% योगदान है और अभी टैरिफ से बने हालात में एक्सपोर्ट के मोर्चे पर चुनौतियां हैं। विदेशी क्लाउड और टेक दिग्गजों को लंबी अवधि की टैक्स छूट देने से AI, ग्लोबल कैपेसिटी सेंटर्स और डिजिटल इन्फ्रा के मामले में पकड़ मजबूत होगी। वित्त मंत्री ने कुल 53.47 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया।

PTI

वित्त मंत्री ने बजट में राजकोषीय घाटे को भी GDP के 4.3% पर लाने का लक्ष्य दिया है।

तेज तरक्की के लिए तीन कर्त्तव्य बताए

वित्त मंत्री ने कहा कि पहला कर्तव्य है उत्पादकता और प्रतिस्पर्धा बढ़ाते हुए आर्थिक विकास तेज करना। दूसरे कर्तव्य में लोगों की आकांक्षाएं पूरी करनी हैं और उन्हें सक्षम बनाना है, जिससे वे देश की खुशहाली में मजबूत साझेदार बन सकें। तीसरे कर्तव्य में सबका साथ, सबका विकास की सोच के अनुसार यह पक्का करना है कि हर परिवार, समुदाय, क्षेत्र और सेक्टर को सुविधाएं और अवसर मिलें।

पहले कर्तव्य के तहत वित्त मंत्री ने 7 रणनीतिक सेक्टरों में मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाने पर जोर दिया। इनमें बायोफार्मा शक्ति, सेमीकंडक्टर मिशन 2.0, इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग, डेडिकेटेड रेयर अर्थ कॉरिडोर और डेडिकेटेड केमिकल पार्क अहम हैं। बैंकिंग सुधार के लिए कमिटी बनेगी।

5 खास बातें

नई इकॉनमी पर लॉन्ग टर्म फोकस

मोदी की अगुआई वाली NDA सरकार के तीसरे कार्यकाल के इस बजट को कई तरीकों से देखा गया। मौजूदा चुनौतियों और आर्थिक परिदृश्य के बीच बजट से निकले पांच संकेत और संदेश बता रहे हैं नरेन्द्र नाथ:

1 टेस्ट मैच है, T20 नहीं

भले पूरे देश में अभी T20 क्रिकेट वर्ल्ड कप का माहौल बन रहा है, लेकिन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट में टेस्ट मैच-सरीखा रुख अपनाया गया। मतलब 'टु द पॉइंट' बजट को धीरे और लॉन्ग टर्म फॉरमेट में देखने-समेटने की कोशिश की गई। मोदी सरकार के पिछले दो कार्यकालों को देखें तो यह सरकार तीसरे साल के बाद चुनावी मोड में जाती है। बजट में खासकर युवा और Gen-Z के नजरिये से भविष्य का विजन और रोडमैप दिखाने की कोशिश की गई।

2 ग्लोबल उठापटक का असर

अभी ग्लोबल स्तर पर आर्थिक और सामरिक हालात बहुत अस्थिर और अनिश्चित हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफ और और अन्य मोर्चों पर युद्ध की आशंका से पैदा इन हालात का असर बजट पर भी दिखा। पूरे बजट में बहुत बड़ा जोखिम लेने या नीतिगत स्तर पर आमूलचूल बदलाव की नीयत न दिखाने के पीछे यह बड़ा कारण माना जा सकता है। दरअसल अभी पूरा वैश्विक घटनाक्रम किस दिशा में जाएगा, इस पर कोई एक राय नहीं है।

3 सौगातों की बौछार नहीं दिखी

लोकलुभावन घोषणाओं और सौगातों की बौछार न दिखने की अपेक्षा पहले से थी। वजह यह कि एक साल में केंद्र ने इनकम टैक्स और GST के स्तर पर बहुत बड़ी कटौती की थी। उस कटौती की खुमारी अभी देखी जा रही है। इस बीच केंद्र ने बजट में टैक्स के मोर्चे पर विश्राम करने की मंशा दिखाई है। चूंकि अभी सामने चुनावी चुनौती नहीं है, तो सरकार के लिए यह रुख अपनाना आसान भी रहा।

4 संतुलन की चुनौती भी दिखी

पहले आर्थिक सर्वे और फिर बजट में आर्थिक स्तर पर मौजूद चुनौतियों का भी संदेश दिया गया। खासकर बढ़ते खर्च और कर्ज के बीच संतुलन बनाने की चुनौती, और राज्यों के बढ़ते खर्च ने जो चिंता बढ़ाई है, उसका असर बजट पर भी दिखा। कहीं न कहीं, बजट में इसके प्रतिकूल असर को रेखांकित करने की कोशिश की गई। पिछले कुछ वर्षों में यह मुद्दा बड़े संकट के रूप में माना जा रहा है।

5 न काहू से दोस्ती, न काहू से बैर

बजट में न तो किसी राज्य को लुभाने की कोशिश की गई, न मिडिल क्लास, महिला, किसान या किसी अन्य तबके को। न किसी पेशे को तरजीह दी गई, न किसी पर बोझ बढ़ाने की मंशा दिखी। STT ने शेयर बाजार का मूड खराब किया, पर जैसे सरकार ने चिंता को दूर करने की कोशिश की, उससे संदेश गया कि सरकार इसके लिए तैयार नहीं थी।

F&O पर टैक्स बढ़ा | **शेयर बायबैक से मुनाफे पर कैपिटल गेन का ऐलान भी रास नहीं आया**

शेयर बाज़ार में हाहाकार, सेंसेक्स 1546 अंक गिरा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

शेयर बाजार में फ्यूचर और ऑप्शंस में ट्रेड करने वालों पर (सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन) टैक्स बढ़ाने और 'शेयर बायबैक' से होने वाले मुनाफे पर कैपिटल गेन्स के तौर पर टैक्स लगाने का ऐलान हुआ। इन दोनों ही खबरों से शेयर बाजार का मूड बिगड़ गया। सेंसेक्स और निफ्टी करीब 2% तक लुढ़क गए।

सेंसेक्स एक समय 2370 अंक (2.88%) तक गिरकर 80 हजार के अहम स्तर से भी नीचे आ गया था। निफ्टी भी एक समय 749 अंक के करीब यानी 2.96% गिरकर 24,571.75 के निचले स्तर पर आ गया था। बाद में सेंसेक्स कुछ सुधरा और 1,546.84 अंक (1.88%) गिरकर 80,722.94 पर बंद हुआ। लेकिन निवेशकों की पूंजी 9.40 लाख करोड़ रुपये घट गई। निफ्टी भी 495.20 अंक (1.96%) गिरकर 24,825.45 पर बंद हुआ। बजट में फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट्स पर STT 0.02% से बढ़ाकर 0.05% करने का प्रस्ताव है। वहीं, ऑप्शंस प्रीमियम पर इसे 0.1% से बढ़ाकर 0.15% करने की बात है।

PTI

सेंसेक्स एक समय 2370 अंक गिरकर 80 हजार से नीचे था। कुछ सुधरकर बंद हुआ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बाद में कहा कि डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग (F&O) में बहुत ज्यादा सट्टेबाजी को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। मकसद यही है कि स्पेकुलेटिव ट्रेडिंग से छोटे निवेशक दूरी बनाएं। सरकार डेरिवेटिव्स ट्रेड के खिलाफ नहीं है, लेकिन इसमें बड़ा नुकसान उठाने वाले छोटे निवेशक इससे दूर रहें, सरकार यह चाहती है। यह मामूली बढ़ोतरी उन्हें हतोत्साहित करने के लिए की गई है। हम F&O ट्रेड के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन छोटे निवेशकों को नुकसान हो रहा है। ऐसे में हम कब तक चुप रह सकते हैं? SEBI की स्टडी के मुताबिक, F&O सेगमेंट में 90% से अधिक रिटेल निवेशक नुकसान उठाते हैं।

मोदी सरकार ने 2014 से अब तक कुल 15 केंद्रीय बजट पेश किए हैं, जिनमें 8 बार सेंसेक्स निगेटिव यानी गिरकर बंद हुआ है।

ये चीजें सस्ती

कैंसर की दवाएं...
कैंसर से बचाव की 17 दवाएं, 7 दुर्लभ बीमारियों की दवाएं भी ड्यूटी फ्री, इलेक्ट्रिक गाड़ियां, सोलर पैनल, लेदर, सिंथेटिक जूते, कपड़े, विदेश यात्रा, माइक्रोवेव, पर्सनल इंपोर्टेड चीजें, विदेश में पढ़ाई।

ये सामान महंगे

सिगरेट, शराब...
पोटैशियम हाइड्रॉक्साइड समेत कई मिनरल्स, स्टील, शराब, तेंदू पत्ता, सिगरेट, तंबाकू प्रॉडक्ट, लग्जरी घड़ियां, डिजाइनर कपड़े, प्रीमियम फुटवियर, कॉफी मशीन, एटीएम या कैश डिस्पेंसर, आयातित सस्ते छाते, विदेश से पक्षियों को लाना।

माघी पूर्णिमा पर 2.10 करोड़ ने लगाई संगम में डुबकी

PTI

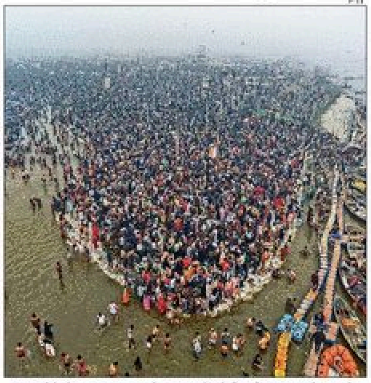

एक महीने से कल्पवास कर रहे श्रद्धालुओं की विदाई अब शुरू हो जाएगी।

■ NBT रिपोर्ट, प्रयागराज: प्रयागराज में आयोजित किए जा रहे माघ मेले में रविवार को माघी पूर्णिमा स्नान पर्व पर 2.10 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम और गंगा में डुबकी लगाई। सुबह से शुरू हुआ स्नान देर शाम तक चलता रहा। पूर्णिमा स्नान के साथ ही कल्पवासियों का कल्पवास का संकल्प भी पूरा हो गया। एक महीने से मेले में कल्पवास कर रहे श्रद्धालुओं की विदाई अब शुरू हो जाएगी। सोमवार से गंगा तट पर वही रह जाएंगे, जिन्होंने संक्रांति से कल्पवास शुरू किया था। ऐसे श्रद्धालु महाशिवरात्रि तक क्षेत्र में रहेंगे। मेला प्रशासन के मुताबिक माघी पूर्णिमा पर दो करोड़ 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने 24 घाटों पर पुण्य की डुबकी लगाई। कल्पवासियों के शिविरों में रविवार को सत्यनारायण कथा हुई। इससे पहले कई शिविरों में रामचरितमानस का अखंड पाठ शुरू हुआ, जिसका समापन भंडारे के साथ रविवार को किया गया। इसके बाद कल्पवासी पूजन-अर्चन कर घर वापसी शुरू कर चुके हैं।

> 15 फरवरी को महाशिवरात्रि स्नान के साथ माघ मेले का समापन हो जाएगा।

SBI
आईटी-साझेदार संबंध विभाग, भारतीय स्टेट बैंक, ग्लोबल आईटी सेंटर, सेक्टर 11, सीबीडी बेलापुर, नवी मुंबई - 400614
निविदा आमंत्रण सूचना
आरएफपी नं.: SBI/GITC/IT-Partner Relationship/2025-26/1042/III
दिनांक: 02.02.2026
भारतीय स्टेट बैंक द्वारा बैंक के कॉर्पोरेट विभिन्न अनुप्रयोगों और आईटी पहलों के लिए विभिन्न प्रौद्योगिकी संसाधन प्रदान करने के लिए आईटी कंपनियों के पैनल के लिए पात्र बोलीदाताओं से बोलियां आमंत्रित की जाती हैं. विस्तृत जानकारी के लिए कृपया https://sbi.bank.in पर 'प्रोक्योरमेंट न्यूज़' एवं ई-प्रोक्योरमेंट एजेंसी पोर्टल https://etender.sbi/SBI/ पर देखें.
आरएफपी के डाउनलोड का आरंभ : 02.02.2026 से
बोलियां जमा करने की अंतिम तिथि व समय : 23.02.2026 को दोपहर 02.00 बजे तक.
स्थान: नवी मुंबई — उप महाप्रबंधक
दिनांक: 02.02.2026 — आईटी-साझेदार संबंध विभाग

4 लाख करोड़ से चमकेगा UP

केंद्रीय करों में यूपी की हिस्सेदारी देश में सबसे ज्यादा करीब 18 प्रतिशत

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

केंद्रीय बजट से उत्तर प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर और राज्य में चल रही केंद्रीय योजनाओं को रफ्तार मिलेगी। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए केंद्रीय बजट से उत्तर प्रदेश को वित्त वर्ष 2026-27 में करीब 4.26 लाख करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि मिलेगी। यह पिछले बजट के मुकाबले करीब 25,000 करोड़ रुपये अधिक है। केंद्र सरकार का बजट उत्तर प्रदेश के विकास की रफ्तार में ईंधन का काम करेगा।

केंद्रीय बजट से यूपी को मिलने वाले करीब 4.26 लाख करोड़ रुपये में से सबसे अधिक हिस्सा केंद्रीय करों में राज्यांश के रूप में होगा। 2026-27 में प्रदेश को केंद्रीय करों में राज्यांश के रूप में करीब 2.69 लाख करोड़ रुपये मिलेंगे। जो पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले करीब 13,000 करोड़ रुपये अधिक है। वित्त विभाग के अधिकारियों के मुताबिक केंद्रीय करों में राज्यांश के साथ-साथ केंद्र प्रायोजित योजनाओं में भी बढ़ोतरी होगी। अगले वित्त वर्ष में ये करीब 1.10 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। वहीं कैपिटल असिस्टेंस में 20,000 करोड़ रुपये, सेंट्रल सेक्टर में 18,000 करोड़ रुपये की धनराशि मिलने का अनुमान है। ये धनराशि बढ़ भी सकती है।

केंद्रीय करों में यूपी की सबसे अधिक हिस्सेदारी: केंद्रीय करों में प्रदेश की हिस्सेदारी सबसे अधिक रखी गई है। केंद्रीय करों में उत्तर प्रदेश का शेयर करीब 18 प्रतिशत होगा। इसमें सबसे अधिक धनराशि इनकम टैक्स में मिलेगी। इस मद में राज्य सरकार को करीब 95698 करोड़ रुपये मिलेंगे। वहीं कॉरपोरेशन टैक्स में 78939 करोड़ रुपये, सेंट्रल जीएसटी में 73547 करोड़ रुपये, कस्टम्स से 14347 करोड़ रुपये और यूनियन एक्साइज ड्यूटी से 6112 करोड़ रुपये मिलेंगे। केंद्रीय करों में यूपी के बाद सबसे अधिक हिस्सेदारी बिहार की रखी गई है। बिहार को केंद्रीय करों में करीब 10 प्रतिशत हिस्सा मिलेगा। वहीं मध्य प्रदेश को 7.3 प्रतिशत, महाराष्ट्र को 6.5 प्रतिशत और राजस्थान की हिस्सेदारी करीब 6 प्रतिशत रखी गई है।

नागरिकों के जीवन को सरल बनाने में मददगार: सीएम योगी ने हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण, स्टेम (साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग व मैथ्स) संस्थानों की स्थापना और युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने के लिए बेहतरीन इन्फ्रास्ट्रक्चर से लैस सुविधाएं उपलब्ध कराने जैसे कार्यों के लिए बजट की सराहना की। सीएम ने कहा कि नौजवानों के लिए हर एक सेक्टर में अवसर उपलब्ध कराने के साथ जो व्यापक रिफॉर्म प्रस्तुत किए गए हैं, ये आम नागरिकों के जीवन को सहज व सरल बनाने में मदद करेंगे।

PTI

बजट भाषण से पहले डिजिटल टैब दिखाती हुईं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण।

> ■ 2026-27 में प्रदेश को केंद्रीय करों में राज्यांश के रूप में करीब 2.69 लाख करोड़ रुपये मिलेंगे। जो पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले करीब 13,000 करोड़ रुपये अधिक है।

दो हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का तोहफा

केंद्रीय बजट से एक तरफ जहां प्रदेश को पिछले वित्तवर्ष के मुकाबले अधिक धनराशि मिलेगी। वहीं यूपी को नए हाईस्पीड रेल कॉरिडोर का भी तोहफा मिलेगा। दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा। उत्तर प्रदेश में देश की सेमी हाईस्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन हो रहा है, लेकिन हाईस्पीड रेल कॉरिडोर एक भी नहीं है। उत्तर प्रदेश के वाराणसी से दो मुख्य राज्य हाईस्पीड रेल कॉरिडोर से जुड़ेंगे। इसका फायदा तमाम शहरों को भी मिलेगा।

आम नागरिकों पर है जोर: मुख्यमंत्री योगी

CM ने केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए कहा कि 145 करोड़ भारतवासियों की आशा व आकांक्षाओं के प्रतीक इस बजट में नए भारत और विकसित भारत की संकल्पना की दृष्टि स्पष्ट दिखाई देती है। 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक के कैपिटल एक्सपेंडिचर, सुदृढ़ इन्फ्रास्ट्रक्चर और 7 रेल कॉरिडोरों के लिए बजट में प्रावधान किया गया है। आयुष सेक्टर को विकसित करने और हेल्थ सेक्टर की मजबूती के लिए प्रयास किए गए हैं। बजट में आम नागरिकों व महिलाओं को केंद्रित करते हुए जोर दिया गया है।

कांच व्यापारियों ने जताई निराशा

AI Image

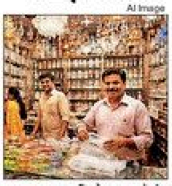

■ NBT न्यूज, फिरोजाबाद: केंद्रीय बजट से आम जनता के साथ स्थानीय उद्यमियों को नई राहत की उम्मीद थी लेकिन कोई विशेष घोषणा नहीं होने से निराश दिखे। टैक्सेशन के अधिवक्ताओं ने संतुलित बजट बताया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को फाइनेंशियल ईयर 2026-27 की बजट पेश की। जिसकी प्रतिक्रिया में स्थानीय ग्लास सिंडिकेट के डायरेक्टर हनुमान प्रसाद गर्ग ने कहा कि कांच उद्योग के लिए बजट में कुछ नहीं था। फैक्ट्री में खर्च होने वाली प्राकृतिक गैस के ऊपर भी किसी प्रकार की कोई टैक्स रेट में राहत नहीं मिली। पहले भी जीएसटी की रेट में जो संशोधन किया था उसमें भी कांच उद्योग को कोई राहत नहीं मिली थी। टैक्सेशन के वरिष्ठ अधिवक्ता कुलदीप कुमार मित्तल ने कहा कि आयकर टैक्स स्लैब में भी किसी प्रकार का कोई परिवर्तन नहीं किया गया।

> कांच उद्योग के लिए बजट में कुछ नहीं: व्यापारी

दस करोड़ की ठगी के आरोप में 4 गिरफ्तार

■ NBT न्यूज, आगरा: आगरा पुलिस ने रविवार को चार साइबर ठगों को गिरफ्तार किया। आरोप है कि ठगों ने अभी तक ऑनलाइन गेमिंग ऐप और सट्टेबाजी के जरिए 10 करोड़ की ठगी कर चुके हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से बड़ी संख्या में ATM कार्ड और नकदी बरामद की है। गिरोह दुबई में बैठे मास्टरमाइंड के इशारों पर देशभर में ठगी को अंजाम दे रहा था। गिरोह का लोकल सरगना अभी फरार है। डीसीपी पश्चिम अतुल शर्मा ने रविवार को बताया कि शनिवार रात को थाना सिकंदरा पुलिस को साइबर क्रिमिनल्स के बारे में जानकारी मिली थी। सूचना के आधार पर 4 आरोपियों हिमांशु, आशीष, सूरज और रामू को गिरफ्तार किया गया। डीसीपी ने बताया कि गिरोह दुबई में बैठे मास्टरमाइंड के इशारों पर काम कर रहा था और ऑनलाइन गेमिंग व सट्टेबाजी के जरिए देशभर में ठगी को अंजाम दे रहा था। जांच में सामने आया है कि इन खातों के माध्यम से 10 करोड़ रुपये से अधिक की साइबर ठगी की जा चुकी है। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वे अन्ना रेड्डी, सुपर 100 और महादेव जैसे ऑनलाइन गेमिंग ऐप के जरिए लोगों को लालच देकर फंसाते थे।

> ■ आरोप है कि ठग अभी तक ऑनलाइन गेमिंग ऐप और सट्टेबाजी के जरिए 10 करोड़ की ठगी कर चुके हैं।

शिकार और तस्करी में सात आरोपी गिरफ्तार

■ भाषा, बागपत

> ■ आरोपियों के कब्जे से जंगली बिल्ली, सियार और एक जल मुर्गी समेत कई वन्यजीवों के शव बरामद हुए हैं।

बागपत जिले में वन्यजीवों के अवैध शिकार और तस्करी करने वाले सात आरोपियों को वन विभाग ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से कई जानवरों के शव बरामद हुए हैं। यह जानकारी वन विभाग के अधिकारियों ने रविवार को दी। अधिकारियों ने आरोपियों के कब्जे से जंगली बिल्ली, सियार के तीन-तीन और एक जल मुर्गी समेत कई वन्यजीवों के शव बरामद किए।

उन्होंने बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान खन्ना नाथ, दुलीचंद, साजन नाथ, बाली नाथ, विकास, अर्जुन और रोहन कुमार के रूप में हुई है। सभी हरियाणा के सोनीपत जिले के निवासी बताए जा रहे हैं। आरोपियों के कब्जे से शिकार में प्रयुक्त जाल, रस्सियां और धारदार हथियार भी जब्त किए गए हैं।

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी बागपत जिले के विभिन्न वन क्षेत्रों में अवैध रूप से वन्यजीवों का शिकार करते थे और बाद में इनके शवों की तस्करी हरियाणा के सोनीपत जिले में की जाती थी। यह गिरोह लंबे समय से सक्रिय था और संगठित रूप से शिकार और तस्करी का कार्य कर रहा था। उनके मुताबिक, वनविभाग को इस संबंध में लगातार गोपनीय सूचनाएं मिल रही थीं, जिसके आधार पर विशेष टीम गठित कर निगरानी की जा रही थी। सटीक सूचना मिलने पर टीम ने घेराबंदी कर सातों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) विनोद कुमार ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिले में अवैध शिकार और वन्यजीव तस्करी को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कुमार ने कहा कि जंगलों में निगरानी और गश्त बढ़ाई जाएगी, ताकि वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

बरेली में संविदा कर्मचारी की हत्या के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

AI Image

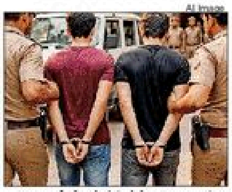

■ भाषा, बरेली: बरेली जिले के इज्जतनगर पुलिस ने भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान में संविदा पर तैनात एक कार्यालय सहायक की हत्या के आरोप में उसकी पत्नी और सास-ससुर को गिरफ्तार किया है। सीओ पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि 26 जनवरी को कैलाशपुरम की गिरजा शंकर कॉलोनी में एक मकान से जितेन्द्र कुमार यादव (33) का शव फंदे से लटका मिला था। मूलरूप से इटावा जिले का निवासी यादव यहां किराए के मकान में रहता था।

उन्होंने बताया कि शुरू में इस घटना को आत्महत्या माना गया था, लेकिन यादव के भाई अजय कुमार द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर यादव की पत्नी ज्योति समेत चार लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया और शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया। सीओ ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पाया गया कि जितेन्द्र कुमार यादव की मौत गला दबाने के कारण हुई। उन्होंने बताया कि शनिवार को पुलिस ने इस मामले में यादव की पत्नी ज्योति, उसके पिता कालीचरण और मां चमेली को गिरफ्तार कर लिया।

क्षेत्राधिकारी श्रीवास्तव ने कहा कि ज्योति ने कबूल किया कि रुपयों के लेनदेन को लेकर दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते थे। ज्योति ने इस बारे में अपने पिता कालीचरण को भी बताया था। 26 जनवरी को कालीचरण अपनी पत्नी चमेली और बेटे दीपक के साथ बेटी के घर पहुंचे। उस समय जितेन्द्र और ज्योति के बीच हाथापाई हो रही थी। पुलिस क्षेत्राधिकारी ने कहा कि पूछताछ में ज्योति ने कबूल किया कि उसके पिता, मां और भाई ने जितेन्द्र के हाथ-पैर पकड़ लिए और उसने जितेन्द्र का गला दबा दिया। उन्होंने कहा कि आरोपियों ने इस घटना को आत्महत्या दिखाने के लिए जितेन्द्र को फंदे पर लटका दिया।

> आरोपियों ने घटना को आत्महत्या दिखाने के लिए युवक के शव को फंदे पर लटका दिया था।

विद्युत पारेषण खण्ड मेरठ
उ०प्र० पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लि०
ई-निविदा सूचना, दिनांक-31.01.2026
निविदा संख्या एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण
ETD MT T-05/2025-26 - 220 के०वी० उपकेन्द्र परतापुर (जागृति विहार), मेरठ पर स्थापित 220/132 के०वी० आदित्य मेक परिवर्तक-I एवं II के तेल का रिसाव रोकने का कार्य। निविदा प्रपत्र शुल्क रु० 590.00 एवं धरोहर राशि रु० 2000.00 मात्र। ई-निविदा की अन्तिम तिथि 24.02.2026 समय 14:00 बजे। ETD MT T-06/2025-26 (अल्पकालिक) 220 के०वी० उपकेन्द्र परतापुर (जागृति विहार), मेरठ से प्रस्तावित 132 के०वी० उपकेन्द्र IMLC हेतु डी०/सी० लाईन के प्राथमिक सर्वे का कार्य। निविदा प्रपत्र शुल्क रु० 590.00 एवं धरोहर राशि रु० 1600.00 मात्र। ई-निविदा की अन्तिम तिथि 16.02.2026 समय 14:00 बजे। ETD MT T-07/2025-26 (अल्पकालिक) 132 के०वी० उपकेन्द्र गंगानगर (जी०आई०एस०) पर 132/33 के०वी० परिवर्तक 'बे' के कम्पिलेशन एवं इन्टीग्रेशन का कार्य। निविदा प्रपत्र शुल्क रु० 590.00 एवं धरोहर राशि रु० 2000.00 मात्र। ई-निविदा की अन्तिम तिथि 16.02.2026 समय 14:00 बजे।
विस्तृत जानकारी एवं प्रपत्र वेबसाईट www.etender.up.nic.in पर उपलब्ध है अग्रेतर समस्त सूचनायें वेबसाईट पर ही प्रदर्शित की जायेंगी। अधिशासी अभियन्ता, विद्युत पारेषण खण्ड, मेरठ, पत्रांक 174/वि.पा.ख.मे./निविदा सूचना दिनांक 30/01/2026

पश्चिम रेलवे - रतलाम
शुद्धिपत्र
वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर, कर्षण वितरण, रतलाम मंडल, पश्चिम रेलवे, निम्नलिखित कार्य हेतु IREPS पोर्टल के माध्यम से खुली निविदाएं आमंत्रित करते हैं। निविदा क्रमांक : EL/TRD/58/2x25/EPC-PSI/01. दिनांक : 29/01/2026, कार्य का नाम : पश्चिम रेलवे के रतलाम डिवीजन के गोधरा-रतलाम खंड के बीच 2x25केवी फीडिंग सिस्टम के लिए 132/55केवी स्कॉट कनेक्टेड ट्रेक्शन सबस्टेशन और स्विचिंग पोस्ट का डिजाइन, आपूर्ति, संस्थापन, जांच एवं कमीशनिंग। अनुमानित लागत : ₹146,06,00,000/-, बयाना राशि : ₹74,53,000/-, समापन अवधि : 24 महीने। निविदा दस्तावेज की राशि : शून्य, ऑनलाइन बिडिंग बंद होने की दिनांक एवं समय : 16/02/2026 को 15:00 बजे की जगह 02/03/2026 को 15:00 बजे तक। तकनीकी बोलियां खोलने की दिनांक एवं समय : 27/02/2026 को 15:30 बजे की जगह 13/03/2026 को 15:30 बजे तक। प्रस्ताव की वैधता : खुलने की तिथि से 180 दिन। वेबसाईट : www.ireps.gov.in. नोटिस बोर्ड : वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर, कर्षण वितरण, रतलाम मंडल, पश्चिम रेलवे के कार्यालय के प्रवेश द्वार के सामने।
SNP-435
हमें फॉलो करें : x.com/WesternRly

TIMES interact
Connecting People, Connecting Needs.
To book your ad | Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) | Scan QR Code

बिजनेस
बिजनेस प्रस्ताव
PREMIUM EUROPEAN COATING RESINS/ ADDITIVES
We can offer a diverse range of high-performance materials regularly at low prices, including:
• Waterborne Polyurethane Dispersions
• Acrylic Polyols
• Alkyds & Epoxies
• Functional Monomers & Crosslinkers
Please contact: Euro Exim Limited Manchester (UK)
Email: sales@euroeximlimited.co.uk
WA No: +447930990094

टैंडर और नोटिस
सार्वजनिक सूचना (नोटिस)
SBI भारतीय स्टेट बैंक
क्षेत्रीय प्रबन्धक, व्यवसाय कार्यालय 3, द्वितीय तल, एन बी सी सी प्लेस, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003
सार्वजनिक नोटिस
हमें अपने एसबीआई गांधी नगर शाखा कोड (03419) को 05-02-2026 से अधिक सुविधाजनक स्थान पर स्थानांतरित करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। नया पता है: 15, महिला कॉलोनी, गांधी नगर, दिल्ली-110031: हमारे टेलीफोन नंबर है 9958327088, 7840819371
अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता

निविदाएं (टेंडर्स)
ई नीलामी सूचना
आग से बाधित लगभग 1,126.86 MT स्ट्रक्चरल स्टील और लगभग 1,232.33 MT रीइन्फोर्समेंट स्टील / टॉर स्टील
इच्छुक खरीदारों को "प्रति किलोग्राम" के आधार पर "आग से बाधित लगभग 1,126.86 M T स्ट्रक्चरल स्टील और लगभग 1,232.33 MT रीइन्फोर्समेंट स्टील/ टॉर स्टील" के निपटान के लिए के आधार पर बेचने के लिए ई-नीलामी में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है। विषयगत अवशेष "जैसा है, जहाँ है", जो कुछ भी है" और "कोई शिकायत नहीं" के आधार पर बेचे जाएंगे और मैसर्स पेंटाएकल्ट शिल्पा प्राइवेट लिमिटेड का है। विषयगत सामग्रियों का निरीक्षण गांव मुंढेगांव, तालुका - इगतपुरी, नासिक, महाराष्ट्र - 422001 में केवल कार्य दिवसों पर 02-02-26 से 16-02-26 के बीच सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक किया जा सकता है। कृपया निरीक्षण के लिए श्री सुदीप मंडल से 8347526866 पर संपर्क करें।
ई-नीलामी 17-02-26 को होगा।
ई-नीलामी के नियम और शर्तें वाला फॉर्म प्राप्त करने के लिए कृपया श्री. विष्णु झा से 8369652088 पर संपर्क करें। या वेबसाइट से डाउनलोड करें। https://www.sealthedeal.co.in/
नीलामीकर्ता : सील द डील रजिस्टर कार्यालय : 5वीं मंजिल, ऑफिस नं. 2, विम्स मॉल, रोहिणी सेक्टर 10, दिल्ली - 110085
फॉर्म और ईएमडी विवरण प्राप्त करने की अंतिम तिथि 16-02-26 है।

TO BOOK YOUR SOULMATE ADS PLEASE CALL
AMIT : 9811790649
TO BOOK ONLINE LOG ON TO
Ads.timesofindia.com

THE DELHI GOLF CLUB
Dr. Zakir Hussain Road, New Delhi-03
Quotations are invited for Annual Rate Contract for Supply of White Silica/ Quartz Sand, White Bunker Sand, Coarse Sand and Fine Sand. Detailed RFP can be downloaded from DGC Website http://delhigolfclub.org/tendernotice/ Sealed forms mentioning word Tenders for Supply of White Silica/Quartz Sand, White Bunker Sand, Coarse Sand and Fine Sand in capital letters on the top of the envelope must reach us before 4:00 PM on 12th February 2026. Tender Box is placed in the Main Office of DGC.
Lt. Col. Rohit Singh (Retd)
Secretary
The Delhi Golf Club

भर्ती
भर्ती-रिक्त पदों की स्थिति
अकादमिक
शिक्षक
REQUIRED: Principal, PGT & TGT (All Subjects), PRT only Female, Office Administration, Other Teachers for CBSE Affiliated School. Visit and apply at https://www.anvaschool.com

प्रशासन
प्रबंधक
REQUIRED - ESTATE MANAGER For Qutab Plaza Condominium Association, DLF City-I, Gurgaon. Preferably Retd. Army personnel with min. 5 yrs exp. in similar role. Must be Graduate with Diploma in Fire & Safety & basic computer knowledge. Email resume: qpca.ggn@gmail.com

व्यक्तिगत
नाम परिवर्तन
I, Kumkum D/O Sanjay Kumar R/O 266-P2C, Ward No. 2, Mehrauli, New Delhi-110030 have changed my name to Kumkum Khanna for all purposes.
I, Praveen Kumar Nandwani S/o Uttam Chand Nandwani R/o 35,2nd Floor,Shakti Vihar, Pitampura, Delhi-110034 inform that Praveen Kumar Nandwani Praveen Kumar, P.K Nandwani are one and the same person.
I, Preeti Jain, R/O 25A, Street No. 5, krishan kunj, Laxmi Nagar, Delhi-92, have changed the name of my minor daughter from Amyra Jain to Anaya Jain for all future purpose.
I, Rajiv Sethi s/o late shri Narendra Sethi r/o b-114/a Kalkaji 2nd floor declare that Rajiv Sethi and Rajeev Sethi is name of the same person as per affidavit dated 30th january 2026.
I Neetu Rani, D/O Jagdish Prasad Kashyap, H/O Brijesh Kumar Verma R/O JG - 1/24 B, Vikas Puri, New Delhi 18, have changed my name to Neetu Verma for all future purposes vide Affidavit No IN-DL43858821319210Y, Dated 30.01.26

tender & notices
NOVOTEL ibis pullman
TENDER NOTICE
Hotel Pullman & Novotel New Delhi Aerocity, Novotel New Delhi City Centre, IBIS Hotel Aerocity & IBIS Hotel Gurgaon invites sealed tenders from reputed supplier, manufactures & wholesalers for the supply of the following items on an annual contract basis for the financial year 2026-2027.
PERISHABLES
1. Indian / Imported fruits & vegetables.
2. Dairy products as Milk & Milk Products, Cheese Local /Imported, Ice-cream etc.
3. Mutton, Chicken, Fish & Sea Food, Fresh & Frozen, Cold Cuts Local / Imported, Eggs etc.
4. Frozen products as French Fries, Potato Wedges, Frozen Peas, and Frozen Sweet Corn.
5. Imported / Indian Grocery, Rice, Dry Fruits, Juices, Tea, Tin Product etc.
6. Bakery products as Rich Cream, Chocolates, Fruits Filling, Mayonnaise Sauce etc.
7. Indian sweets and Namkeen, Cookies etc.
GENERAL / PRINTING & STATIONARY
8. Paper products such as Tissue Paper, Toilet Roll, Paper Napkins, Paper, Glass, Solid Fuel, Cling Film, Silver Foil, Disposal items, Container, Spoon, Fork, Charcoal, Garbage Bags & Flowers etc.
9. General cleaning and House Keeping Supplies Uniform, Shoes & Upholestery Services
10. Printing Stationary & Office Stationary, Cartridges etc, Event Setup, Audio Video & F& B Rental Services.
ENGINEERING SUPPLIES
11-. Engineering items such as Lamps, Wire, Switch & Sockets, Sanitary, Paints, V Belts, Ball Bearing etc.
Note:
• Tender form will be issued from 02.02.2026 till 13.02.2026 on cash payment of Rs. 1500/- for each category (Non-Refundable)
• Last date for submission of sealed tender is 18.02.2026
• Only Vendor with valid FSSAI/GST registration need to apply.
• The Management has the right to select or reject any tender form without giving any reason.
• Please contact purchase office of the Following Hotels for tender forms.
1) Hotel Pullman & Novotel, Aerocity New Delhi - 9643100426
2) Novotel New Delhi City Centre, Jhandewalan, N.D - 9266900160
3) IBIS Hotel Aerocity, New Delhi - 8750102991
4) IBIS Hotel Gurgaon - 9971229700

HEALTH & WELLNESS

THE TIMES OF INDIA
Readers are recommended to make appropriate enquiries and seek appropriate advice before sending money, incurring any expenses, acting on medical recommendations or entering into any commitment in relation to any advertisement published in this publication. All creatives marked as Advertorial, Spotlight and Promotional Features are to be treated as Advertisements. The Times of India Group doesn't vouch for any claims made by the Advertisers of the products and services. The Printer, Publisher, Editor, and the owners of The Times of India Group publications shall not be held liable for any consequences, in the event such claims are not honoured by the Advertisers.

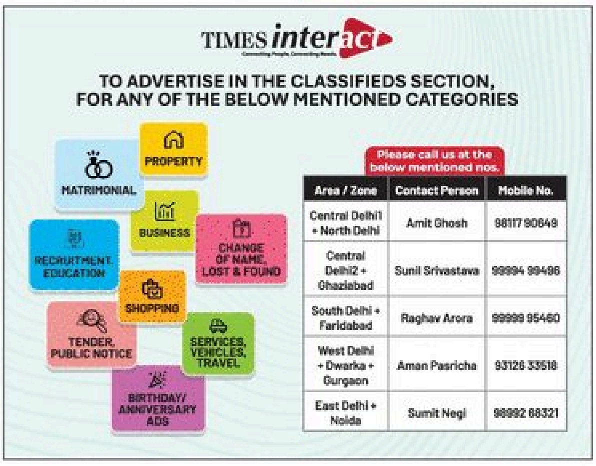

Area / Zone	Contact Person	Mobile No.
Central Delhi1 + North Delhi	Amit Ghosh	98117 90649
Central Delhi2 + Ghaziabad	Sunil Srivastava	99994 99496
South Delhi + Faridabad	Raghav Arora	99999 95460
West Delhi + Dwarka + Gurgaon	Aman Pasricha	93126 33518
East Delhi + Noida	Sumit Negi	99992 68321

BOOK YOUR TENDER/NOTICE ADS
FOR BOOKING PLEASE CONTACT
Aman Pasricha
9312633518
TO BOOK ONLINE LOG ON TO
Ads.timesofindia.com
EXCLUSIVE OFFERS AND ASSISTANCE
SCAN TO BOOK

आम बजट में मिडल क्लास के लिए अपनाया गया मध्यम मार्ग

Narendra.Mishra @timesofindia.com

■ नई दिल्ली : सरकार की ओर से पेश सालाना बजट को मिडल क्लास हमेशा से उम्मीदों से देखता रहा है कि उसे इसमें क्या हासिल हुआ। अगर कहें कि सबसे अधिक उत्सुकता इसी तबके को रहती है तो गलत नहीं होगा। तो, रविवार को पेश बजट में इस तबके को क्या मिला? बजट में निर्मला सीतारमण ने मिडल क्लास के लिए मध्यम मार्ग अपनाने की मंशा दिखायी। पिछले कुछ वर्षों में केंद्र सरकार ने मिडल क्लास पर खूब फोकस किया और उन्हें फौरी लाभ मिलने वाले फैसले लिये। तो इस बार सरकार ने उन्हें संदेश देने की कोशिश की इस बार उनके बच्चों और बेहतर भविष्य के लिए यह बजट है जहां फौरी लाभ देने की न नियत है न कुव्वत।

AI Image

यह वर्ग देश का सबसे प्रभावी वोट बैंक

दरअसल, राजनीतिक रूप में मिडल क्लास हाल के समय में न सबसे प्रभावी वोट बैंक के रूप में उभरी है, बल्कि इनके तादाद में भी लगातार वृद्धि होती रही है। एक आंकड़े के अनुसार देश में मिडल क्लास की आबादी 30 फीसदी तक छूने वाली है। इस तबके को नब चिंता के बाद जरूर थी सरकार मिडल क्लास पिछले कुछ वर्षों से लगातार समस्याओं का सामना कर रहा था। 2020 के बाद कोविड की मार ने इस वर्ग की हालात और खराब कर दी। वहीं, चुनाव में जिस तरह फ्रीबिज का चलन बढ़ा, तब इस तबके को लगने लगा है कि राजनीतिक रूप से वे कहीं न कहीं पूरी तरह उपेक्षित हो गए हैं और उनकी हितों की बात करने वाला कोई नहीं बचा। तब सरकार को उनकी नाराजगी का अंदाजा लगा और इनकम टैक्स से लेकर जीएसटी कट किया गया।

इस वर्ग में नैरेटिव पैदा करने की ताकत

भले संख्या के स्तर पर मिडल क्लास देश की सबसे बड़ी आबादी नहीं हो, लेकिन नैरेटिव पैदा करने की ताकत सबसे अधिक इसी तबके के पास है। पूरे देश में लोकसभा की ऐसी लगभग 350 सीटें हैं जहां मिडिल क्लास आबादी निर्णय प्रभावित करने की क्षमता रखती है। सरकार इन फैसलों के बाद उनका विश्वास फिर पाने में सफल रही। लेकिन, इस बार सरकार ने उन्हें कुछ बड़ा नहीं देकर एक सियासी जोखिम लिया। खासकर तब जब अगले महीने पांच राज्यों में चुनाव होने हैं। लेकिन, सरकार का आकलन है कि अभी उसके पास पर्याप्त समय है और सही समय पर सही फैसले से उन्हें खुश रखा जा सकता है। सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि मिडल क्लास को बजट में कुछ बड़ी राहत की उम्मीद कभी दी ही नहीं गयी थी, लेकिन यह भी तय किया गया कि उनपर अतिरिक्त बोझ न पड़े।

रूरल डिवेलपमेंट का बजट बढ़ा

G RAM G योजना के लिए आम बजट में 95,692 करोड़ रुपये

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

मनरेगा की जगह लेने जा रही विकसित भारत-G RAM G योजना के लिए आम बजट में 95692.31 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया। वहीं, MGNREGA के लिए 30000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया। पिछले वित्त वर्ष में इसके लिए 86000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे।

ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि रूरल डिवेलपमेंट डिपार्टमेंट का कुल बजट करीब 21% बढ़ा दिया गया है। ग्रामीण विकास और कृषि विभाग को जोड़कर देखें तो ग्रामीण विकास और कृषि मंत्रालय का सम्मिलित बजट अब 4 लाख 35 हजार 779 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

उन्होंने मनरेगा के बारे में कहा, 'पिछली बार ओवरऑल मनरेगा बजट लगभग 86,000 करोड़ रुपये था। इस बार अकेले केंद्र का हिस्सा 95692 करोड़ रुपये से ज्यादा रखा गया है। राज्यों के हिस्से को जोड़ने पर यह राशि 151000 करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगी।' मनरेगा योजना विकसित भारत-G RAM G योजना के लागू होने तक चलती रहेगी और इसके लंबित कार्य पूरे किए जाएंगे। मौजूदा वित्त वर्ष के लिए इसका रिवाइज्ड एस्टिमेट 88000 करोड़ रुपये का था।

File

इस तरह भी मदद

बजट में नैशनल फाइबर स्कीम के अंतर्गत सिल्क, ऊन और जूट जैसे फाइबर पर फोकस किया गया है, जिससे इनसे जुड़े किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। आयुष मंत्रालय में मेडिसिनल प्लांट्स के सर्टिफिकेशन और एक्सपोर्ट से संबंधित प्रावधानों का फायदा औषधीय पौधे उगाने वाले किसानों की आमदनी बढ़ाने में मदद करेगा। नारियल, कोको, काजू और चंदन की लकड़ी जैसी ज्यादा मूल्य वाली फसलों के लिए भी स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं।

SHE मार्ट: बजट में सेल्फ हेल्प आंत्रप्रेन्योर 'SHE-मार्ट' की व्यवस्था की गई है। हर जिले में महिलाओं के बनाए उत्पादों को बेचने के लिए एक प्लेटफॉर्म के रूप में कम्युनिटी-ओन्ड रिटेल आउटलेट स्थापित होंगे। इससे स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण महिलाओं के बनाए उत्पादों को नया बाजार मिलेगा।

पंचायतों को सहायता: 16वें वित्त आयोग के ताजा निर्णय के अनुसार पंचायतों को सीधे 55900 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जाएगी।

वित्त मंत्री ने गिनाए 3 कर्तव्य, 6 सेक्टरों में विकास पर ज़ोर

निर्मला सीतारमण ने लगातार 9वां बजट पेश किया, जो रेकॉर्ड बन गया | यह कर्तव्य भवन में तैयार किया गया पहला आम बजट है

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

निर्मला सीतारमण ने रविवार को लगातार 9वां बजट पेश करते हुए जहां रेकॉर्ड बनाया, वहीं उन्होंने तीन कर्तव्य भी बताए। वित्त मंत्री ने कहा कि इन कर्तव्यों से न सिर्फ अर्थव्यवस्था को तेजी मिलेगी, बल्कि गरीब, वंचित और पिछड़े लोगों को भी ताकत मिलेगी। साथ ही उन्होंने छह सेक्टरों में हस्तक्षेप का प्रस्ताव भी दिया।

सीतारमण ने कहा कि सरकार के 'संकल्प' को पूरा करने के लिए और यह देखते हुए कि यह कर्तव्य भवन में तैयार किया गया पहला बजट है, हम तीन कर्तव्यों से प्रेरित हैं। केंद्रीय बजट 2026-27 पेश करते हुए उन्होंने कहा कि पहला कर्तव्य प्रोडक्टिविटी और कॉम्पिटिटिवनेस बढ़ाकर और अस्थिर ग्लोबल डायनमिक्स के प्रति लचीलापन बनाकर आर्थिक विकास को तेज करना और बनाए रखना है। हमारा दूसरा कर्तव्य हमारे लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना और उनकी क्षमता का निर्माण करना है, जिससे वे भारत की समृद्धि की राह में मजबूत भागीदार बनें।

उन्होंने आगे कहा कि हमारा तीसरा कर्तव्य, जो 'सबका साथ-सबका विकास' के हमारे विजन के साथ जुड़ा हुआ है, यह सुनिश्चित करना है कि हर परिवार, समुदाय, क्षेत्र और सेक्टर को संसाधनों तक पहुंच मिले। उन्होंने जिन छह सेक्टरों में हस्तक्षेप का प्रस्ताव दिया, उनमें कई रणनीतिक और फ्रंटियर सेक्टरों में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाना, पुराने औद्योगिक क्षेत्रों को फिर से जिंदा करना, चैंपियन एमएसएमई बनाना, इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देना, लॉन्ग-टर्म सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करना और शहरी आर्थिक क्षेत्रों का विकास करना शामिल हैं। उन्होंने कहा कि नई टेक्नोलॉजी प्रोडक्शन सिस्टम को बदल रही है, जबकि पानी, ऊर्जा और जरूरी खनिजों की मांग तेजी से बढ़ रही है।

Rajesh Mehta

2020 में आजाद भारत की सबसे लंबी बजट स्पीच 2 घंटे 39 मिनट की दी गई थी

वित्तमंत्री की स्पीच की भी होती है चर्चा

निर्मला सीतारमण ने 31 मई 2019 को वित्त मंत्रालय संभाला और तब से अब तक वे 9 बजट पेश कर चुकी हैं। ये अपने आप में रेकॉर्ड है। अब तक किसी भी नेता ने लगातार 9 बजट पेश नहीं किए थे। निर्मला सीतारमण की बजट स्पीच की लंबाई से लेकर उनकी साड़ी तक की भी हर बजट स्पीच के बाद चर्चा होती रही है। निर्मला सीतारमण ने अपना पहला बजट 2019 में पेश किया, तब बजट स्पीच 2 घंटे 8 मिनट की थी। उन्होंने 2020 में आजाद भारत की सबसे लंबी बजट स्पीच दी।

कांजीवरम साड़ी में दिखीं वित्त मंत्री

इस बार बजट पेश करते वक्त निर्मला सीतारमण ने तमिलनाडु की कांजीवरम की साड़ी पहनी थी, तमिलनाडु में अगले कुछ महीनों में चुनाव हैं। इसी तरह 2025 में बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ने मिथिला पेंटिंग वाली क्रीम कलर की साड़ी पहनी थी। इसके बाद 2025 के अंत में बिहार में विधानसभा चुनाव हुए।

प्रधानमंत्री ने कहा, बजट में हैं अवसरों की अपार संभावनाएं

■ भाषा, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय बजट 2026-27 को ऐतिहासिक बताते हुए रविवार को कहा कि यह 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को दर्शाता है और सुधारों की यात्रा को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि यह बजट विकसित भारत के लिए एक स्पष्ट रूपरेखा तैयार करता है।

लोकसभा में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा बजट पेश किए जाने के बाद टेलीविजन पर प्रसारित अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि बजट में अवसरों की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि आज का बजट ऐतिहासिक है। यह 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को दर्शाता है। यह सुधारों की यात्रा को मजबूती देता है और विकसित भारत के लिए एक स्पष्ट रूपरेखा तैयार करता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बजट में देश की नारी शक्ति का प्रतिबिंब झलकता है। उन्होंने कहा कि सीतारमण ने लगातार नौवीं बार देश का बजट पेश करके एक नया रेकॉर्ड बनाया है।

यह बजट भारत की वैश्विक छवि को और मजबूत करेगा: अमित शाह

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बजट भारत को वैश्विक मंच पर पारंपरिक से लेकर नये दौर के विभिन्न क्षेत्रों में सबसे आकर्षक निवेश गंतव्य बनाने की रफ्तार को तेज करेगा। शाह ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'विनिर्माण से लेकर बुनियादी ढांचे तक, स्वास्थ्य से लेकर पर्यटन तक, ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक, खेल से लेकर तीर्थ स्थलों तक, विकसित भारत बजट एक ऐसा बजट है जो हर गांव, हर कस्बे और हर शहर के युवाओं, महिलाओं, किसानों के सपनों को सशक्त बनाता है।'

- मोदी ने कहा, यह बजट 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को दर्शाता है और सुधारों की यात्रा को मजबूत करता है।
- बोले- भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने से संतुष्ट नहीं है, वह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना चाहता है।

सरकार के पास कोई नीति नहीं: खरगे

■ भाषा, नई दिल्ली : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्रीय बजट की आलोचना करते हुए रविवार को कहा कि इस सरकार के पास नीति, दृष्टि, समाधान और राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं है। उन्होंने यह दावा भी किया कि वंचित वर्गों के लिए कोई सहायता नहीं दी गई। किसानों की भी उपेक्षा हुई है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि अगर ऐसे ही चलता रहा, तो लोगों को लोहे पर पीतल चढ़ाकर गहने पहनने पड़ेंगे।

केंद्रीय करों में से राज्यों को मिलेगा 41%

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : केंद्र ने 16वें वित्त आयोग की सिफारिशें मंजूर कर ली हैं। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया की अध्यक्षता वाले वित्त आयोग ने सिफारिश की है कि केंद्रीय करों में से 41% हिस्सा राज्यों को दिया जाए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश करते हुए यह जानकारी दी। केंद्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी की यह सिफारिश 1 अप्रैल से अगले 5 वर्षों के लिए है।

2026-27 के लिए राज्यों को देने के लिए 1.4 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान।

वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए फाइनैंस कमिशन ग्रांट्स के रूप में राज्यों को देने के लिए 1.4 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इनमें रूरल और अर्बन लोकल बॉडी और डिजास्टर मैनेजमेंट ग्रांट्स भी शामिल हैं। सीतारमण के साथ प्री-बजट मीटिंग में कर्नाटक ने कहा था कि सिगरेट पर लगी एक्साइज ड्यूटी और पान-मसाले पर सेस में से आधा हिस्सा राज्यों को दिया जाए। NDA शासित बिहार के वित्त मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने भी सेस और सरचार्ज में राज्यों को हिस्सा देने की मांग की थी।

आम बजट में चुनावी राज्यों को जो मिला उससे खुश नहीं विपक्षी दलों की सरकारें

बंगाल सरकार ने कहा- बजट में हमारे राज्य के लिए कुछ भी नहीं है

Poonam.Pandey @timesofindia.com

■ नई दिल्ली : चार राज्यों और एक यूनियन टेरिटरी के विधानसभा चुनाव से पहले आए केंद्रीय बजट में इन चुनावी राज्यों के लिए किए गए ऐलान से विपक्ष खुश नजर नहीं आ रहा है। जहां केरल सरकार ने बजट को लेकर निराशा जताई है, वहीं बंगाल सरकार ने यहां तक कह दिया कि केंद्रीय बजट में उनके राज्य के लिए कुछ भी नहीं है।

पुडुचेरी सहित तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल और असम में अगले कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव होने हैं। असम और पुडुचेरी में जहां बीजेपी सत्ता में है, वहीं केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विपक्ष की सरकार है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने माल ढुलाई को बढ़ावा देने के लिए ईस्ट में दानकुनी से वेस्ट में सूरत तक एक नए समर्पित फ्रेट कॉरिडोर का ऐलान किया। उन्होंने पांच पूर्वोदय राज्यों में पांच पर्यटन स्थलों के विकास का प्रस्ताव रखा और 4000 ई-बसों के लिए प्रावधान करने की बात कही। सीतारमण ने दुर्गापुर में एक नोड बनाते हुए एकीकृत ईस्ट कोस्ट इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के विकास की भी घोषणा की।

बौद्ध सर्किट के विकास का प्रस्ताव

बजट में अगले 5 वर्षों में टियर-2 और 3 शहरों में बुनियादी ढांचे मजबूत करने के लिए 20 हजार करोड़ रुपये की घोषणा की गई, इसमें असम भी शामिल है। वित्त मंत्री ने NIMHANS-2 की स्थापना और रांची और असम के तेजपुर में नैशनल मेंटल हेल्थ इंस्टीट्यूट को अपग्रेड करने की भी घोषणा की। उत्तर-पूर्व के छह राज्यों, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बौद्ध सर्किट के विकास के लिए एक योजना शुरू करने का प्रस्ताव भी रखा।

वित्त मंत्री ने खनिज-समृद्ध राज्यों ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु को अहम खनिज सुविधाएं स्थापित करने के लिए सपोर्ट देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि 2025 में रेयर-अर्थ परमानेंट मैग्नेट के लिए एक योजना शुरू की गई थी। अब सरकार ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में विशेष रेयर-अर्थ कॉरिडोर स्थापित करने में मदद करेगी। वित्त मंत्री ने सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर विकसित करने की भी घोषणा की।

केरल को भी थी ज्यादा की उम्मीद

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्रीय बजट को निर्देशहीन और दृष्टिहीन बताया। वहीं, आम बजट में रविवार को ओडिशा, कर्नाटक और केरल के तटीय इलाकों में कछुओं के प्रमुख अंडे देने वाले स्थलों पर टर्टल ट्रेल्स विकसित करने की घोषणा की गई। साथ ही रेयर अर्थ कॉरिडोर के लिए भी केरल का नाम है। हालांकि, केरल को इससे ज्यादा की उम्मीद थी। केरल की सत्ताधारी पार्टी एलडीएफ ने और वहां के विपक्ष यूडीएफ ने बजट को लेकर निराशा जताई। उन्होंने कहा कि केरल के लिए कम से कम दो बड़ी घोषणाओं की उम्मीद थी। एक हाई स्पीड रेल कॉरिडोर और दूसरा एम्स को मंजूरी। लेकिन इन दोनों में से केरल को कुछ भी नहीं मिला। बजट स्पीच के बाद केरल के सांसदों ने सवाल उठाया- मैडम, केरल को एम्स का क्या?

टियर-2 और 3 शहरों पर सरकार का बड़ा दांव

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए हाउसिंग और अर्बन डिवेलपमेंट मंत्रालय का बजट 85,522.39 करोड़ रुपये तय किया है। यह रकम पिछले साल के शुरुआती आवंटन के मुकाबले करीब 11,254 करोड़ रुपये कम है। इस तरह मंत्रालय के बजट में 8.59% की कटौती की गई है। हालांकि बजट में कमी के बावजूद सरकार ने साफ किया है कि शहरी विकास की दिशा अब तेजी से टियर-2 और टियर-3 शहरों की ओर बढ़ेगी।

इस बार अर्बन डिवेलपमेंट बजट में कटौती की गई है।

सिटी इकोनॉमिक रीजन पर जोर : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण में कहा कि अब बड़े शहरों के साथ उनके आसपास के कस्बों और इलाकों को जोड़कर सिटी इकोनॉमिक रीजन बनाए जाएंगे। इन रीजन को उनकी आर्थिक जरूरतों और विकास क्षमता के हिसाब से तैयार किया जाएगा। हर रीजन को 5 साल में करीब 5,000 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। यह फंडिंग चैलेंज मोड में होगी, जहां सुधार और नतीजों के आधार पर रकम जारी की जाएगी। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार का फोकस टियर-2 और टियर-3 शहरों और कस्बों पर भी है। 5 लाख से ज्यादा आबादी वाले टियर-2 और टियर-3 शहरों में इंफ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट जारी रहेगा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े मज़दूर संगठन ने कहा, यह बजट सबसे निराशाजनक

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े संगठन भारतीय मजदूर संघ (BMS) ने कहा कि यूनियन बजट 2026-27 सबसे निराशाजनक बजट है। प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बीएमएस ने कहा कि ये बजट इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार, औद्योगिक विकास और कौशल निर्माण के माध्यम से आर्थिक वृद्धि पर केंद्रित है लेकिन यह श्रमिकों की आजीविका, वेतन और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े बुनियादी मुद्दों को पूरी तरह नजरअंदाज करता है।

बीएमएस ने कहा कि यह बजट टेक्सटाइल, मत्स्य पालन, एमएसएमई, पर्यटन, स्वास्थ्य, आयुष, पशुपालन और रचनात्मक (एवीजीसी) जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों में रोजगार सृजन की संभावना दिखाता है, लेकिन सुरक्षा और सम्मानजनक वेतन के बिना रोजगार को समावेशी विकास नहीं कहा जा सकता।

बीएमएस ने कहा कि हम श्रम संहिताओं की अधिसूचना और बैंकिंग क्षेत्र सुधार और शिक्षा से रोजगार और उद्यम पर उच्चस्तरीय समितियों के गठन पर भी चिंता जताते हैं, क्योंकि श्रमिक-सुरक्षा के बिना सुधार अस्थिरता और असंगठितकरण को बढ़ावा देंगे। भारतीय मजदूर संघ ने कहा कि बजट पूर्व बैठकों में बार बार मूल श्रमिक सुधार के मुद्दे उठाए गए लेकिन इनकी अनदेखी की गई। साथ ही कहा कि आंगनवाड़ी, आशा और मध्याह्न भोजन कार्यकर्ताओं के मानदेय में किसी भी प्रकार की वृद्धि न किया जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है और ये जमीनी स्तर पर कार्यरत महिला श्रमिकों के प्रति असंवेदनशीलता दर्शाता है।

कहा- सरकारी कर्मियों में असंतोष

BMS ने कहा कि बेहद कम पेंशन पर जीवन यापन कर रहे सेवानिवृत्त श्रमिकों की निरंतर उपेक्षा की गई है। ईपीएफ और ईएसआई के वेतन-सीमा (Wage Ceiling) में वृद्धि न किया जाना चिंताजनक है। ई-श्रम जैसी पहलों को स्वीकार करते हुए भी, असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लगभग 90% श्रमिकों के लिए समर्पित और पर्याप्त सुरक्षा कोष का अभाव इस बजट की एक गंभीर विफलता है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन और एनपीएस में सार्थक सुधार पर बजट की चुप्पी से सरकारी कर्मचारियों में व्यापक असंतोष है।

बांग्लादेश में विकास योजना के लिए बजट घटाकर 60 करोड़ किया गया

Alpyu.Singh @timesofindia.com

■ नई दिल्ली : बदलते जियोपॉलिटिकल हालात में भारत की प्राथमिकता दुनिया के साथ-साथ पड़ोस को साधने की भी है। पड़ोसी देशों में चल रहे विकास प्रोजेक्ट के मद में इस बार फिर से भूटान के लिए सबसे ज्यादा बजट 2,288 करोड़ रुपये मिले हैं, जो पिछले साल 2150 करोड़ था। 800 करोड़ रुपये का प्रावधान नेपाल के लिए किया गया। मॉरिशस और मालदीव के लिए 550 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। असहज संबंधों के बीच सरकार ने पिछले साल बांग्लादेश के लिए इस मद में 120 करोड़ दिए थे, लेकिन इस बार घटाकर 60 करोड़ कर दिया गया है। श्रीलंका के 400 करोड़ रुपये, म्यांमार के लिए 300 करोड़ रखा गया है।

File

चाबहार के लिए नहीं फंड

विवादों में रही भारत की महत्वाकांक्षी रणनीतिक परियोजना चाबहार के लिए इस बार कोई आवंटन नहीं है जबकि पिछले बजट में इसके लिए 100 करोड़ रुपये रखे गए थे। ईरान में चाबहार का प्रोजेक्ट हाल के दिनों में विवादों में रहा है। इस तरह की खबरें सामने आई थी कि सरकार ने सेंट्रल एशिया तक कनेक्टिविटी देने वाले इस प्रोजेक्ट से हाथ खींच लिए हैं।

पूंजीगत खर्च 12.2 लाख करोड़ रुपये किया गया

■ पीटीआई, नई दिल्ली

सरकार ने देश में विकास की रफ्तार बनाए रखने के लिए पूंजीगत खर्च यानी कैपेक्स का लक्ष्य बढ़ा दिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 में सरकार 12.2 लाख करोड़ रुपये कैपेक्स पर खर्च करेगी। यह चालू वित्त वर्ष के संशोधित अनुमान से ज्यादा है। यह रकम देश की GDP का 4.4 प्रतिशत है, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। सरकार का कहना है कि यह पैसा सड़कों, रेल, शहरी सुविधाओं जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च होगा।

4.4% कैपेक्स का हिस्सा है GDP का। यह अब तक का सबसे अधिक बताया जा रहा है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 02-02-2026 Zone: Noida Edition: 1 Page: NBTNDP8 User: dilip.lal@timesofindia.com Time: 02-01-2026 22:56 Color:

> बजट ऐसा होना चाहिए जो निवेशकों में भरोसा जगाए और साथ ही गरीबों के हितों की रक्षा करे।
> – प्रणव मुखर्जी, पूर्व राष्ट्रपति व वित्त मंत्री

नेक इरादे

आज दुनिया जिस जियो-पॉलिटिकल उथल पुथल से गुजर रही है और उससे देश के सामने जो मुश्किलें हैं, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में उनसे बाहर निकलने का एक रोडमैप पेश किया। इनमें से सबसे बड़ी चुनौती रोजगार की है। इस वजह से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर जोर दिया गया है। सरकार ने GDP में इसका योगदान 25% तक करने का लक्ष्य रखा है, जबकि अभी तक 20% का लक्ष्य भी हासिल नहीं किया जा सका है।

घरेलू इकॉनमी पर फोकस । इसे देखते हुए वित्त मंत्री ने 6 प्रायॉरिटी क्षेत्रों पर ध्यान दिया। इनमें सेमीकंडक्टर, बायोफार्मा, टेक्सटाइल, MSME और अर्बन इकॉनमिक क्लस्टर्स शामिल हैं। सरकार का फोकस डोमेस्टिक इकॉनमी को और मजबूत करने पर है, ताकि देश को बाहरी झटकों से बचाया जा सके। डेयरी, फिशरीज और एग्रीकल्चर एंप्लॉयमेंट को मजबूती देने के लिए भी सरकार ने कई उपाय किए हैं, जिनका पॉजिटिव असर आने वाले वक्त में दिख सकता है।

रोजगार बढ़ाने के उपाय

कैपेक्स पर फोकस । इसके साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर पर भी सरकार का ध्यान बना हुआ है। वित्त वर्ष 2027 में कैपिटल एक्सपेंडिचर को 10% की बढ़ोतरी के साथ 12.2 लाख करोड़ रुपये करने का ऐलान किया गया है। पिछले कई वर्षों से प्राइवेट इन्वेस्टमेंट में तेजी की सरकार की उम्मीद पूरी नहीं हुई है। ऐसे में मजबूत ग्रोथ के लिए वह इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर पर निवेश बढ़ाना जारी रखेगी।

क्रिटिकल सेक्टर । इसके साथ स्ट्रैटिजिक पहलू को ध्यान में रखकर क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ जैसे सेग्मेंट को बढ़ावा देने की बात भी सरकार ने कही है। कुछ समय पहले जिस तरह से चीन ने रेयर अर्थ मैग्नेट्स की सप्लाई रोक दी थी, उसे देखते हुए यह पहल अहम है। बजट में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, डेटा और क्लाउड सर्विसेज जैसे क्षेत्रों को लेकर भी ऐलान किए गए हैं, जो तेजी से बदलती दुनिया और जियो-पॉलिटिक्स के लिहाज से अहमियत रखते हैं।

वित्तीय अनुशासन । इस बजट में ग्रोथ की रफ्तार बनाए रखने के साथ सरकार ने फिस्कल डेफिसिट पर नियंत्रण को लेकर भी पॉजिटिव घोषणाएं की हैं। वित्त वर्ष 2026 में डेफिसिट जहां GDP का 4.4% रहा, वहीं अगले वित्त वर्ष में इसके लिए 4.3% का लक्ष्य रखा गया है। भारत की सॉवरेन रेटिंग के लिहाज से यह आंकड़ा अहम है। रेटिंग मजबूत रहने से घरेलू कंपनियों-संस्थानों की कर्ज जुटाने की लागत कम रहती है।

कंजम्पशन ग्रोथ अहम । भारत की अर्थव्यवस्था की बुनियाद कंजम्पशन है। देश की GDP में इसका योगदान 60% के करीब है। पिछले साल के बजट में इसे बढ़ावा देने के लिए सरकार ने न्यू टैक्स रिजीम के तहत 12 लाख रुपये तक की आमदनी पर इनकम टैक्स माफ कर दिया था। पिछले फेस्टिव सीजन से पहले GST दरों को तर्कसंगत बनाया गया था। साथ ही, रिजर्व बैंक ने भी ब्याज दरों में कटौती के हालिया साइकल में 0.75 बेसिस पॉइंट की कमी की है। इससे भी कंजम्पशन को मजबूती मिलेगी। बजट में सरकार के वित्तीय अनुशासन बनाए रखने की घोषणा के बाद रिजर्व बैंक क्या कदम उठाता है, इस पर एक्सपर्ट्स की नजरें रहेंगी।

> **अगला लक्ष्य ।** बजट के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत अब दुनिया की तीसरी बड़ी इकॉनमी बनने के लक्ष्य की ओर देख रहा है। वित्त वर्ष 2026 में वैश्विक उथल पुथल के बीच भारत की 7.4% की अनुमानित GDP ग्रोथ बड़ी बात कही जा सकती है। वित्त वर्ष 2027 में सरकार ने ग्रोथ के 7% रहने का अनुमान लगाया है, जो दुनिया के बड़े देशों में सबसे अधिक होगी।

मार्केट मायूस । अगर शेयर बाजार की बात करें तो बजट से उसके हाथ मायूसी लगी है। 2014 सितंबर के बाद से विदेशी निवेशक भारत से पैसा निकाल रहे हैं। इस बीच, म्यूचुअल फंड, इंश्योरेंस कंपनियों में घरेलू निवेशकों का जो पैसा गया है, उससे मार्केट को सपोर्ट मिला है। लेकिन उनका भरोसा कितने समय तक बना रहेगा, इस पर सवालिया निशान लगा हुआ है। अगर आगे भी घरेलू निवेशकों का पैसा नहीं बनता है तो हो सकता है कि SIP इन्वेस्टमेंट में कमी आए। ऐसा होने पर शेयर बाजार पर प्रेशर बढ़ सकता है। मार्केट के लिए बुरी खबर फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस पर STT की दरों में 150% की बढ़ोतरी भी है। सरकार का इरादा इस कदम के जरिये बेशक छोटे निवेशकों को वायदा बाजार से दूर रखना है, लेकिन इससे हाई फ्रीक्वेंसी ट्रेडर्स का पार्टिसिपेशन घट सकता है। इससे शेयर बाजार के वॉल्यूम में गिरावट आएगी, लिहाजा स्टॉक्स की प्राइस डिस्कवरी इससे प्रभावित हो सकती है।

डील का इंतजार । छोटे निवेशकों को बायबैक पर कैपिटल गेन टैक्स लगाने की घोषणा कर जरूर एक राहत दी गई है, लेकिन इंडिविजुअल प्रमोटर और एंटिटी प्रमोटर के लिए इसकी दरें अलग रखी गई हैं। सवाल है कि कहीं इससे प्रमोटरों की दिलचस्पी बायबैक योजनाएं लाने में कम तो नहीं होगी? मार्केट लंबे समय से अमेरिका के साथ फ्री ट्रेड डील का इंतजार कर रहा है, लेकिन अभी तक इस बारे में कोई पक्के संकेत नहीं मिले हैं। अगर यह डील होती है तो इससे मार्केट सेंटिमेंट में जरूर बदलाव आएगा।

एकदा

संकलन : दिलीप लाल

पहला बजट

26 नवंबर 1947 की सुबह संसद भवन के बाहर कैमरों की चमक कुछ अलग ही कहानी कह रही थी। उसी भीड़ के बीच एक लंबे कद का व्यक्ति सलीकेदार सूट में और हाथ में चमड़े का ब्रीफकेस लिए शांत कदमों से संसद में दाखिल हुआ। वह थे आर.के. शन्मुखम चेट्टी, स्वतंत्र भारत के पहले वित्त मंत्री। जब चेट्टी खड़े हुए तो सदन में सन्नाटा छा गया। संयत आवाज में उन्होंने कहा, 'मैं स्वतंत्र भारत का पहला बजट प्रस्तुत कर रहा हूं।' उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि विभाजन भले ही राजनीतिक रूप से अनिवार्य रहा हो, पर उसकी आर्थिक कीमत दोनों देशों को चुकानी होगी। भारत-पाकिस्तान के बीच आर्थिक सहयोग की बात भी उन्होंने रखी। यह अंतरिम बजट था। आंकड़े कठिन सच्चाइयों को उजागर कर रहे थे- घाटा, सीमित आय और बढ़ता रक्षा खर्च। फिर भी उन्होंने भरोसा दिलाया कि भारत दिवालिया नहीं है। रक्षा, पुनर्वास और खाद्य सुरक्षा उनकी प्राथमिकताएं थीं। न कोई चकाचौंध, न लोकलुभावन वादे, बस ईमानदारी। यही कारण है कि इतिहास में शन्मुखम चेट्टी उस व्यक्ति के रूप में याद किए जाते हैं, जिसने कठिन समय में भारत की आर्थिक नींव को संतुलन और विवेक के साथ रखा।

Subrata Dhar

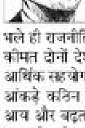

बजट ने बैलेंस बनाया या फिर छूट गया मौक़ा

खर्च पर लगाम के साथ विकास की राह पर देश की तेज़ रफ्तार

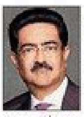
कुमार मंगलम बिड़ला

आज दुनिया के कुछ इलाकों में संघर्ष हो रहे हैं। आर्थिक अनिश्चितताएं भी पहले की तुलना में कहीं अधिक हैं। इसके बावजूद भारत की ग्रोथ तेज बनी हुई है और अर्थव्यवस्था मजबूत दिख रही है। अगले वित्त वर्ष में भी आर्थिक तरक्की की रफ्तार तेज रहने का अनुमान बजट में लगाया गया है।

वित्तीय अनुशासन । इसके बावजूद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के लिए इकॉनमिक ग्रोथ से समझौता किए बगैर राष्ट्रीय हितों के साथ संतुलन बनाए रखना आसान काम नहीं था। लेकिन उन्होंने यह काम बखूबी किया है। वित्त मंत्री के रूप में निर्मला सीतारमण का यह नौवां बजट था। इसमें उन्होंने संतुलन और स्थिरता पर ध्यान बनाए रखा। उन्होंने एक तरफ तो आर्थिक ग्रोथ को तेज बनाए रखने के उपायों पर जोर दिया। साथ ही, उनका ध्यान वित्तीय अनुशासन पर भी बना रहा।

डेफिसिट में कमी । सरकार 2047 तक भारत को विकसित अर्थव्यवस्था बनाना चाहती है। यानी, तब तक उसका इरादा प्रति व्यक्ति आय के लिहाज से अमीर देशों में जगह बनाने का है। इस साल के बजट को सरकार के इसी लक्ष्य के मद्देनजर देखने की जरूरत है। आज जिस तरह के हालात हैं, वैश्विक व्यापार संबंधी अनिश्चितताएं हैं, उन्हें देखते हुए वित्तीय अनुशासन को ठंडे बस्ते में डालने का प्रलोभन आ सकता है। लेकिन सरकार ने इन परिस्थितियों में भी फिस्कल डेफिसिट में कमी के लक्ष्य को हासिल किया।

> **विकसित भारत की ओर**
> - वित्तीय अनुशासन के साथ कैपेक्स में भी होगी बढ़ोतरी
> - दुनिया की नजर में बढ़ेगी भारत की विश्वसनीयता
> - अनिश्चित दुनिया में भारत काफी तेजी से ग्रो कर रहा

भारत पर भरोसा । वित्त मंत्री ने आगे भी इसे जारी रखने का वादा किया है। इससे क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों और वैश्विक निवेशकों के बीच भारत को लेकर भरोसा बढ़ेगा। इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन के रूप में भी उसका आकर्षण बढ़ेगा। वित्त मंत्री ने बताया कि GDP के अनुपात में कर्ज में उम्मीद के मुताबिक कमी आ रही है। इस सरकार ने कोविड-19 महामारी के बाद से जो कदम बढ़ाया था, वह जारी है।

नियमित सुधार । सिर्फ इतनी ही बात नहीं है। सरकार ने आर्थिक सुधारों को जारी रखने के साथ फिस्कल कंसॉलिडेशन पर ध्यान बनाए रखा है। इस बजट में भी रूल्स और रेगुलेशंस में सुधार का सिलसिला जारी रहा। साथ ही, कंप्लायंस बोझ में भी कमी लाने की पहल की गई। एक और बात गौर करने की है- सरकार कभी-कभार सुधारों की दिशा में कदम नहीं बढ़ा रही है बल्कि उसने इसमें नियमितता बनाए रखी है।

कैपेक्स में बढ़ोतरी । मुझे सबसे बड़ी बात यह लग रही है कि कैपिटल एक्सपेंडिचर से समझौता किए बगैर वित्तीय अनुशासन बना हुआ है। सच तो यह है कि महामारी के बाद सरकार ने कैपेक्स में बढ़ोतरी की जो रफ्तार रखी, उसी से आर्थिक ग्रोथ तेज बनी हुई है। अब अगर प्राइवेट कैपेक्स भी शुरू हो तो ग्रोथ में और तेजी आएगी। बजट में फ्रेट कॉरिडोर, वॉटरवेज में भारी निवेश का ऐलान किया गया। देश के महत्वपूर्ण शहरों को हाई स्पीड ट्रेन के जरिये कनेक्ट करने से तरक्की और तेज होगी। यह सिर्फ दिखावे के प्रॉजेक्ट नहीं हैं।

शहरों की भूमिका । इस बजट में सिटी इकॉनमिक रीजन्स पर ध्यान देने की बात कही गई है। किसी भी आधुनिक अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिहाज से शहरों में एक्टिविटी की काफी अहमियत है। पिछले कुछ दशकों में देश के महानगरों में ऐसा दिखा भी है। अब आर्थिक रफ्तार को गति देने के लिए टियर टू और टियर थ्री शहरों पर ध्यान देने की जरूरत है। तभी विकास का फायदा देश के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचेगा। इस बजट में यही किया भी गया है।

MSME पर ध्यान । भारत में कई छोटे कदम उठाए गए हैं, जिनसे उद्यमों को फायदा होगा। इनकी मदद से युवा उद्यमी राष्ट्रनिर्माण में अपनी भूमिका निभा सकेंगे। सात स्ट्रैटिजिक और टूरिज्म जैसे सर्विस सेक्टर को लेकर जो घोषणाएं हुई हैं, उनसे रोजगार के मौके बनेंगे। चैंपियन MSME से भारतीय मैन्युफैक्चरिंग के मिडल सेग्मेंट को मजबूत बनाया जा सकेगा।

सनराइज इंडस्ट्रीज । वित्त मंत्री ने बजट में छोटे-बड़े पारंपरिक उद्योगों के लिए आसान कर्ज, लोअर कंप्लायंस और प्रफेशनल सपोर्ट के उपाय तो किए ही हैं, उन्होंने सनराइज इंडस्ट्रीज पर भी जरूरी ध्यान दिया है। सेमीकंडक्टर, क्रिटिकल मिनरल्स और नए एनर्जी सेक्टर पर फोकस से भारत को ग्लोबल वैल्यू चेन का मजबूत हिस्सा बनने में मदद मिलेगी। उन्होंने डेटा और एडवांस्ड फार्मा में भारत के उभार के उपाय भी किए हैं। कुल मिलाकर, इस बजट से भारत को मजबूत इकॉनमी बनने में मदद मिलेगी।

(लेखक आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन हैं)

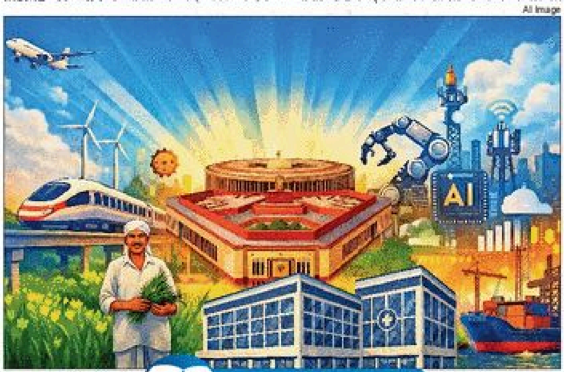
AI Image

आमने-सामने

शेयर बाज़ार को मायूसी मिली, लेकिन इसकी वजह केवल STT ही नहीं

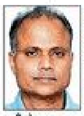
टी के अरुण

1991 के आर्थिक सुधारों के बाद के बजट भाषणों से यह उम्मीद बंधती रही कि भारत में जल्द ही टैक्स की दरें स्थिर हो जाएंगी। खर्च का अंदाजा लगाना आसान होगा और बजट बोरिंग हो जाएगा। शायद यह पहला साल है, जब यह बात सच साबित होती हुई लगी। इस बजट के बारे में यही सबसे अच्छी बात भी है।

वर्ल्ड ऑर्डर में दरार । शेयर बाजार को बजट बोरिंग नहीं मायूसी वाला लगा। इसकी वजह STT दरों में बढ़ोतरी है। इससे अधिक मायूसी इस बात से हुई, जिसे कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने वैश्विक व्यवस्था में आई दरार कहा है। यह दरार आर्थिक भी है और राजनीतिक भी। बजट में इन चुनौतियों से निपटने के बारे में कुछ नहीं कहा गया। भारत हाल के वर्षों में चीन से मिल रही चुनौतियों से निपटने के लिए अमेरिका के भरोसे था। चीन चाहता है कि भारत दक्षिण एशिया की शक्ति के रूप में सीमित रहे। इसके लिए वह अपने पिट्ठू पाकिस्तान का इस्तेमाल करता आया है।

रणनीतिक स्वायत्तता । इस रणनीतिक लड़ाई में भारत, अमेरिका और क्वॉड के जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे सदस्य देशों के साथ युद्धाभ्यास करता आया है। लेकिन डॉनल्ड ट्रंप ने इस सहमति को हिला डाला है। उन्होंने न सिर्फ भारत पर भारी-भरकम टैरिफ लगाए बल्कि पाकिस्तान से करीबियां भी बढ़ाईं। भारत आज अपने भरोसे है। उसे अपना रणनीतिक सामर्थ्य खुद बढ़ाना है। साथ ही, सेमीकंडक्टर और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में उसे अपनी ताकत भी बढ़ानी है। तभी वह रणनीतिक स्वायत्तता हासिल कर पाएगा।

पुराना ढर्रा तोड़ना होगा । इसके लिए उसे रक्षा, रिसर्च ऐंड डिवेलपमेंट पर खर्च बढ़ाना होगा। सभी स्तरों पर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाना होगा। अहम क्षेत्रों में एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग क्षमता हासिल करनी होगी। इसके लिए संसाधन जुटाने की खातिर उसे पुराने ढर्रे को तोड़ना होगा। चाहे बात बजट की हो या बजट से बाहर की। इन क्षेत्रों में बजट से किसी अर्जेंसी का संकेत नहीं मिलता।

प्राइवेट इन्वेस्टमेंट सुस्त । दूसरी ओर, इस बजट से क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां जरूर खुश होंगी क्योंकि वित्त वर्ष 2026 में फिस्कल डेफिसिट GDP का 4.4% रहा है और अगले साल इसे 4.3% रखने का वादा किया गया है। 2026 में इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार ने कैपिटल एक्सपेंडिचर में करीब 25000 करोड़ की कटौती की। आज कॉरपोरेट वर्ल्ड की मुनाफे में बढ़ोतरी धीमी पड़ गई है। प्राइवेट कैपिटल इन्वेस्टमेंट सुस्त बना हुआ है।

MSME को क्या चाहिए । बजट में MSME के लिए कई योजनाओं का ऐलान किया गया है। लेकिन उन्हें सस्ते और आसान कर्ज की अधिक जरूरत है। इन कंपनियों को खासतौर पर NBFC से कर्ज मिलता है। ऐसे में NBFC के लिए बॉन्ड मार्केट से अधिक कर्ज जुटाने का रास्ता साफ करने की जरूरत है। अभी NBFC जो बॉन्ड जारी करती हैं, उन्हें अच्छी रेटिंग वाला नहीं माना जाता।

कॉमन बॉन्ड मार्केट । देश में कॉरपोरेट डेट मार्केट तभी मजबूत हो सकता है, जब सेबी की देखरेख में सरकारी और प्राइवेट बॉन्ड का कॉमन मार्केट बनाया जाए। साथ ही, ऐसे डेरिवेटिव्स को बढ़ावा देने की जरूरत है, जिससे मुद्रा, ब्याज दरों और क्रेडिट रिस्क की हेजिंग की जा सके। इस लिहाज से STT दरों में भारी बढ़ोतरी बुरी है। बजट स्पीच में पशुपालन को बढ़ावा देने पर काफी बातें हुईं। पर आज महंगे मक्के की वजह से पॉल्ट्री इंडस्ट्री के सामने संकट है। इसका कारण एथनॉल ब्लेंडिंग को लेकर सरकारी जुनून है।

> **कहां होना चाहिए था ध्यान**
> - वैश्विक व्यवस्था की चुनौतियों से निपटने पर चाहिए फोकस
> - MSME को जरूरत है सस्ते और आसान कर्ज की
> - रणनीतिक स्वायत्तता के मामले में खुद करनी होगी पहल

खजाने का हाल । GST की वजह से बेहतर ऑडिट सिस्टम के बनने के कारण सरकार का कुल टैक्स कलेक्शन बढ़ना चाहिए, जबकि GDP की तुलना में वित्त वर्ष 2027 में इससे पिछले दो वर्षों की तुलना में इसमें मामूली गिरावट आ सकती है। आज पर्सनल इनकम टैक्स से सरकारी खजाने में कॉरपोरेट इनकम टैक्स की तुलना में 20% अधिक पैसा आ रहा है। यह हाल तब है, जबकि पर्सनल इनकम टैक्स देने वालों की संख्या कुल रिटर्न फाइल करने वालों में 6.5% के करीब ही है। दूसरी तरफ, इनडायरेक्ट टैक्स का बोझ देश के सभी नागरिकों पर है, जिसमें सर्वाधिक गरीब लोग भी शामिल हैं।

राज्यों की फिक्र हो । वित्त मंत्री ने 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों को मानने का ऐलान किया और कहा कि वह अपनी 41% आमदनी राज्यों के साथ बांटेगी। 15वें वित्त आयोग की सिफारिश भी यही थी, लेकिन केंद्र की ओर से राज्यों को इसके तहत 34% रकम ही दी गई, जिसे वित्त वर्ष 2027 में 34.6% करने का वादा किया गया है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

कैंसर के आंकड़ों में चेतावनी, इलाज से उम्मीद

डेटा Window

4 फरवरी को वर्ल्ड कैंसर डे है। भारत में असमय होने वाली मौतों का चौथा सबसे बड़ा कारण है कैंसर। 2024 में इसके 15.33 लाख नए मरीज मिले। अच्छी खबर है कि इलाज के नए तरीके भी आ रहे हैं।

- **36%** मरीज बढ़े पिछले 10 साल में
- **70%** मरीज ग्रामीण इलाकों से आते हैं
- **100** कैंसर पीड़ित प्रति 1 लाख पर
- **1.43** लाख मरीज हर साल ओरल कैंसर के
- **80** हजार मरीज हर साल आते हैं लंग्स कैंसर के
- **48%** ब्रेस्ट कैंसर पीड़ित महिलाएं 50 से कम की

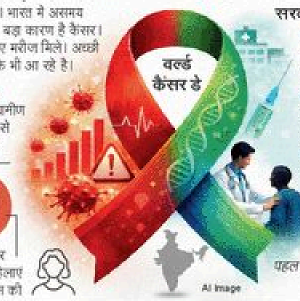

AI Image

सरकारी मदद, सुविधाएं बढ़ीं

- **287** से अधिक राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड
- **19** स्टेट कैंसर इंस्टिट्यूट
- **20** टर्शियरी केयर कैंसर सेंटर
- **36** जरूरी दवाएं ड्यूटी फ्री हैं
- **5-15** लाख रुपये सरकार मदद
- **2028** तक हर जिले में डे केयर सेंटर

2024 में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने क्वॉड कैंसर मूनशॉट पहल की। इसका उद्देश्य सर्वाइकल कैंसर को खत्म करना है।

साल दर साल बढ़ी तकनीक	1891	1940	1960	1990	1997	2000	2017
	इम्यूनोथेरपी	कीमोथेरपी	टैमोक्सिफेन	पहला टीका	एंटीबॉडी थेरपी	रोबॉटिक सर्जरी	CAR T-सेल

ख़ास लोगों पर फिर सरकार ने दिखाई मेहरबानी

अनिल सिन्हा

नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अभिजीत बनर्जी ने पिछले दिनों भारत की अर्थव्यवस्था के बारे में निराशा जाहिर करते हुए कहा था कि सिर्फ विकास दर पर फोकस रखने से बात नहीं बनती। गौर से देखें तो इस साल का बजट भी इसी समस्या का शिकार हो गया है। विकास के नाम पर सामाजिक क्षेत्र को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया। सामाजिक क्षेत्र पर हो रहे वास्तविक खर्च में लगातार कमी आई है और उसकी भरपाई करने के बदले आवंटन भी कम कर दिया गया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, जलापूर्ति से लेकर आवास पर कम खर्च करने का मतलब है लोगों के जीवन स्तर को स्थाई रूप से नीचे जाने पर बाध्य करना।

आंकड़े बताते हैं दावों का सच

सरकार ने स्वास्थ्य के लिए 1.4 लाख करोड़ रुपये तय किए हैं। यह GDP का सिर्फ आधा प्रतिशत है। सरकार खुद कई बार कह चुकी है कि इस खर्च को 2.5% ले जाने की जरूरत है। नैशनल हेल्थ पॉलिसी में भी यही कहा गया है। स्वास्थ्य पर भारत का खर्च पड़ोसी देशों से भी कम है, विकसित देशों की बात ही छोड़ दीजिए। यही हाल शिक्षा का भी है, जिस पर GDP का महज 0.6% खर्च रखा गया है। नैशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 में कहा गया है कि शिक्षा पर हमें 6% खर्च करना चाहिए।

बजट के आंकड़ों से यह भी साफ होता है कि सरकार जितना दावा करती है, वास्तव में उतना खर्च करती नहीं। कुछ को छोड़कर उसने सामाजिक कल्याण की ज्यादातर स्कीमों में यही किया है। जलजीवन मिशन का हाल तो इतना खराब रहा कि उसने पिछले साल 67,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया था और सिर्फ 17,000 करोड़ ही खर्च कर पाई। यही हाल शहरी और ग्रामीण आवास योजनाओं का रहा। यह प्रशासनिक और वित्तीय, दोनों स्तर की विफलता को दर्शाता है।

सामाजिक क्षेत्रों की अनदेखी को टैक्स ढांचे से जोड़कर देखने पर अंदाजा हो जाएगा कि मोदी सरकार का झुकाव किस ओर है। सरकार की आमदनी का बड़ा हिस्सा आम व्यक्तियों से मिले इनकम टैक्स से आता है। यह राजस्व का 21% है। वहीं, कॉरपोरेट से आमदनी केवल 18% है। सरकार आम लोगों से टैक्स वसूलती है, लेकिन उनके लिए खर्च करने में कतराती है। कॉरपोरेट टैक्स के लगातार घटने और इनकम टैक्स बढ़ने से आमदनी की असमानता काफी बढ़ी है।

विश्व असमानता रिपोर्ट 2026 के मुताबिक, भारत के 10% लोग देश की कुल आमदनी का 58% ले लेते हैं, जबकि देश की 50% आबादी के हिस्से सिर्फ 15% आता है। यह दूरी ज्यादा कमाने वालों पर टैक्स लगाने से मिट सकती है, लेकिन बजट को देख कर लगता है कि सरकार इस ओर कदम बढ़ाने के लिए तैयार नहीं।

रोजगार सेक्टर पर कम खर्च

रोजगार देने वाले क्षेत्रों पर सरकार कम खर्च कर रही। कृषि पर देश की 46% आबादी निर्भर करती है, पर पिछले साल के मुकाबले इस बार सरकार ने केवल 628 करोड़ रुपये ही ज्यादा दिए हैं। महंगाई को देखें, तो वास्तविक खर्च पहले से कम ही हो जाएगा। कृषि अनुसंधान पर भी खर्च पहले के बराबर है। विश्व प्रतिस्पर्धा और कृषि क्षेत्र को बाहरी देशों के लिए खोलने के दबाव को देखते हुए बजट निराश करता है। रोजगार पर घटते फोकस का अंदाजा इस बात से लगता है कि मनरेगा को गारंटी वाली योजना से सरकारी योजना में बदल दिया गया। बदली योजना पर आवंटन पहले से घटा नहीं है, लेकिन उसे प्रशासनिक फैसलों पर जरूर छोड़ दिया गया है।

THE SPEAKING TREE

और पढ़ने के लिए देखें
www.speakingtree.nbt.in

प्रकृति के पास है सफलता का सटीक फॉर्म्युला

सलिल पाण्डेय

इच्छाओं की कोई सीमा नहीं होती। इंसान चाहता है कि उसके पास अपार धन हो, सभी सुख-सुविधाएं हों और हर जगह उसका मान-सम्मान हो। लेकिन, वह अक्सर भूल जाता है कि बड़ी उपलब्धियां अचानक नहीं मिलतीं। इच्छा रखना गलत नहीं, पर उसे पूरा करने के लिए सही योजना और अनुशासित प्रयास जरूरी हैं।

यदि कोई व्यक्ति स्पष्ट योजना बनाकर धैर्य के साथ उस पर काम करे, तो सफलता मिलना तय है। रेलगाड़ी जब स्टेशन से चलती है, तो धीरे-धीरे गति पकड़ती है। हवाई जहाज भी रन-वे पर कुछ दूरी तय करने के बाद ही आकाश में उड़ता है। जीवन में आगे बढ़ने के लिए केवल मेहनत ही नहीं, अनुभव से सीखना भी आवश्यक है। आज जो भी समृद्ध हैं, वे संघर्ष के रास्ते से होकर ही वहां तक पहुंचे हैं। उन्होंने धूप, गर्मी, बारिश और कठिनाइयों की परवाह किए बिना अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखा। उनके भीतर यह दृढ़ निश्चय रहा कि जब तक सफलता नहीं मिलेगी, तब तक चैन से नहीं बैठेंगे। यही लगन उन्हें सफल बनाती है।

यदि इसे प्रकृति से समझें, तो वृक्ष का उदाहरण सामने आता है। बीज को पहले समतल भूमि में बोया जाता है, फिर नियमित रूप से पानी दिया जाता है। अंकुर निकलने पर उसकी रक्षा के लिए घेराबंदी की जाती है। वर्षों के परिश्रम के बाद वही वृक्ष फल, छाया, लकड़ी और प्राणवायु देता है। मनुष्य का जीवन भी ऐसा ही है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 02-02-2026 Zone: Noida Edition: 1 Page: NBTNDP9 User: cci Time: 02-01-2026 23:05 Color:

साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के बाद घर लौटने पर मैंने किट बैग एक तरफ रखा और नौ-दस दिन तक आराम किया। नए साल के शुरू से ही मैंने फिर से अभ्यास करना शुरू किया और पिछले साल की कमियों पर विचार किया। - सूर्यकुमार यादव, कप्तान, टीम इंडिया

250

रन से अधिक का स्कोर चार टी20 इंटरनैशनल मैचों में बनाया है भारतीय टीम ने। यह एक रेकॉर्ड है

स्पोर्ट्स QUIZ

इस पेज पर छपी खबरों में ही इन सवालों का जवाब है।

1. कार्लोस अल्काराज अब तक कुल कितने ग्रैंडस्लैम सिंगल्स खिताब जीत चुके हैं?
A) पांच B) सात C) दस D) छह
2. शटलर देविका सिहाग के सामने थाईलैंड मास्टर्स के फाइनल में किस देश की प्लेयर थीं?
A) चीन B) साउथ कोरिया C) इंडोनेशिया D) मलयेशिया

कल के जवाब
1. C) 2 2.A) बैन इवारशुहान

लकी WINNER

1. बलविंदर सिंह, गीता कॉलोनी, दिल्ली
2. नीलाभी सिंहल, गाजियाबाद, यूपी
3. दिनेश पी वर्मा, जोगेश्वरी ईस्ट, मुंबई

आप अपने जवाब हमें **9319282367** पर अपने नाम, तस्वीर और शहर/ गांव के नाम के साथ वॉट्सऐप करें। एक 'लकी विनर' का नाम और तस्वीर हम कल के अंक में छापेंगे। दो अन्य विजेताओं के नाम भी प्रकाशित होंगे।

फटाफट खबरें

भारत-बांग्लादेश भिड़ंत

■ पोखरा: भारतीय टीम सैफ अंडर-19 विमिंस फुटबॉल चैंपियनशिप के अपने दूसरे मुकाबले में सोमवार को पोखरा रंगशाला स्टेडियम में मजबूत बांग्लादेश के खिलाफ उतरेगी। भारत की कोशिश एक मैच शेष रहते फाइनल में जगह पक्की करने की होगी। भारतीय टीम अगर इस मैच को जीतने में सफल रही तो फाइनल के लिए उसका दावा लगभग पक्का हो जाएगा।

पंजाब का दबदबा

■ नई दिल्ली: पंजाब के हरविंशराज सिंह, हरजीत सिंह अटवाल और गुरफतेह सिंह संधू ने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान हासिल कर रविवार को शॉटगन राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स एक और दो में जूनियर पुरुष स्कीट टी2 के फाइनल में क्लीन स्वीप किया। अनंतजीत सिंह नरूका ने पुरुष वर्ग के ट्रायल दो फाइनल में 36 में से 36 का परफेक्ट स्कोर कर ज्योतिरादित्य सिंह सिसोदिया को एक अंक से पछाड़ते हुए खिताब पर कब्जा जमाया।

सबसे कम उम्र में पूरा किया करियर ग्रैंडस्लैम

अल्काराज

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: रॉड लेवर एरिना में ऐतिहासिक रात के दौरान कार्लोस अल्काराज ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 मेंस सिंगल्स खिताब जीतकर करियर ग्रैंडस्लैम पूरा करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। वर्ल्ड नंबर-1 अल्काराज ने 10 बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन नोवाक जोकोविच को खिताबी मैच में 2-6, 6-2, 6-3, 7-5 से हराकर अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीता। तीन घंटे दो मिनट तक चले मुकाबले में जीत के साथ 22 वर्षीय अल्काराज ने डॉन बज के 1938 में बनाई गई उपलब्धि को पीछे छोड़ दिया। तब अमेरिकी खिलाड़ी ने अपने 23वें जन्मदिन से ठीक पहले (22 साल और 363 दिन) करियर ग्रैंडस्लैम पूरा किया था। अल्काराज ओपन एरा में सात ग्रैंडस्लैम सिंगल्स खिताब जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बन गए हैं, उन्होंने 23 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाले ब्योर्न बोर्ग का रेकॉर्ड तोड़ा।

फाइनल में जोकोविच की पहली हार: अल्काराज करियर ग्रैंडस्लैम पूरा करने वाले सिर्फ नौवें खिलाड़ी हैं और ऐसा ऑस्ट्रेलियन ओपन में करने वाले पहले खिलाड़ी भी हैं। यह जीत इसलिए भी खास है क्योंकि मेलबर्न में इससे पहले जोकोविच को फाइनल में कोई भी हरा नहीं पाया था। जोकोविच ने इससे पहले 10 के 10 फाइनल में खिताबी जीत हासिल की थी। फाइनल के बाद रनर-अप की सिल्वर ट्रॉफी पहली बार थाम रहे जोकोविच ने भी अपने युवा प्रतिद्वंद्वी की ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने कहा, 'आप जो कर रहे हैं उसे बताने के लिए सबसे अच्छा शब्द ऐतिहासिक, दिग्गज है, इसलिए बधाई। मैं आपके बाकी करियर के लिए शुभकामनाएं देता हूं।'

फिटनेस और जबर्दस्त स्टेमिना: दोनों खिलाड़ियों ने सेमीफाइनल में पांच सेट में कड़ी जीत दर्ज करते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। अपनी ऐतिहासिक उपलब्धियों की तलाश में तीन घंटे से अधिक समय तक दोनों ने जबर्दस्त फिटनेस, खेल और स्टेमिना का नजारा दिखाया। कोई भी खिलाड़ी बड़े अंकों पर हार मानने को तैयार नहीं था। स्पेन के खिलाड़ी ने 16 ब्रेक पॉइंट्स में से पांच का फायदा उठाया, जबकि जोकोविच छह ब्रेक पॉइंट्स में से सिर्फ दो को ही अंक में बदल सके। साल 2023 यूएस ओपन के बाद पहला मेजर जीतने की तलाश में लगे जोकोविच ने सेमीफाइनल में सिनर को हराया था और ओपन युग में ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज प्लेयर बनने की राह पर थे।

AO ऑस्ट्रेलियन ओपन

6.03 करोड़ अमेरिकी डॉलर अब तक प्राइज मनी के तौर पर जीत चुके हैं कार्लोस अल्काराज। वह ऑलटाइम लिस्ट में पांचवें नंबर पर हैं

22 साल और 272 दिन की उम्र में सभी चार ग्रैंडस्लैम में सिंगल्स खिताब जीतने वाले सबसे कम उम्र के मेंस खिलाड़ी बने अल्काराज

कोई नहीं जानता कि मैं यह ट्रॉफी पाने के लिए कितनी मेहनत कर रहा हूं। मैंने इस पल का बहुत पीछा किया। मुझे आपको (जोकोविच) खेलते देखना बहुत पसंद है, आपके साथ लॉकर रूम और कोर्ट साझा करना मेरे लिए सम्मान की बात है। आप जो कर रहे हैं उसके लिए बहुत धन्यवाद, यह सच में प्रेरणादायक है। - कार्लोस अल्काराज

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

'सोलह' साल का दिलचस्प आंकड़ा

इस मुकाबले में जोकोविच और कार्लोस की उम्र में 16 साल का अंतर था, ओपन एरा के मेंस सिंगल्स ग्रैंडस्लैम फाइनल्स में दूसरा सबसे बड़ा था। 22 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन राफेल नडाल भी फाइनल में मौजूद थे। दिलचस्प बात यह है कि साल 2010 में नोवाक को ही चार सेट तक चले फाइनल में शिकस्त देते हुए नडाल ने ओपन एरा में सबसे कम उम्र में करियर ग्रैंडस्लैम पूरा करने का रेकॉर्ड बनाया था। अब करीब 16 साल बाद अल्काराज ने जब यह उपलब्धि अपने नाम की तब भी उनके सामने भी नोवाक ही खड़े थे और यह मुकाबला भी चार सेट तक चला।

वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मुकाबले से हट गया पाकिस्तान

भारत-पाक तनातनी

■ एजेंसियां, लाहौर: पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ ICC टी20 वर्ल्ड कप के अपने हाई प्रोफाइल ग्रुप लीग मुकाबले के बहिष्कार के फैसले की संडे को औपचारिक घोषणा कर दी। हालांकि, सरकार ने सात फरवरी से शुरू हो रहे टूर्नामेंट के बाकी मैचों में राष्ट्रीय टीम की भागीदारी को मंजूरी दे दी है। पाकिस्तान सरकार के इस फैसले को इस वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल किए जाने के विरोध के तौर पर देखा जा रहा है। बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए अपने मैच भारत से श्रीलंका स्थानांतरित करने की मांग की थी लेकिन ICC ने इसे ठुकरा दिया था।

सोशल मीडिया पर घोषणा: पाकिस्तान सरकार ने सोशल मीडिया अकाउंट पर जारी बयान में कहा, 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान की सरकार ICC टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान क्रिकेट टीम की भागीदारी को मंजूरी देती है, हालांकि पाकिस्तान क्रिकेट टीम 15 फरवरी 2026 को भारत के खिलाफ निर्धारित मैच में मैदान पर नहीं उतरेगी।' इस फैसले के साथ टूर्नामेंट में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर चल रही अटकलों का दौर समाप्त हो गया है।

पॉइंट के लिए भारत को जाना होगा कोलंबो: यदि पाकिस्तान मैच नहीं खेलता है तो वॉकओवर के जरिए पूरे अंक भारत को मिल जाएंगे। हालांकि, इसके लिए भारतीय टीम को मैच के लिए कोलंबो में मौजूद रहना होगा। यदि दोनों ही टीमें मैदान पर नहीं जाएंगी तो मैच को रद्द घोषित कर अंक दोनों में बराबर बांट दिए जाएंगे। पाकिस्तान को 7 फरवरी को नीदरलैंड्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करनी है।

अंडर-19 टीम इंडिया ने पाक को पटकनी देकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली

वेदांत त्रिपाठी ने बनाए सर्वाधिक 68 रन

बुलावायो: कनिष्क चौहान के हरफनमौला प्रदर्शन (35 रन, 30 रन पर 1 विकेट) से भारत ने सुपर-6 मैच में पाकिस्तान को 58 रन से हराकर अंडर-19 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई, जहां उसका मुकाबला अफगानिस्तान से होगा। भारत ने 49.5 ओवर्स में 252 रन बनाए जिसमें वेदांत त्रिपाठी ने सर्वाधिक 68 रन जोड़े। पाकिस्तान को बेहतर रन-रेट के आधार पर सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए 33.3 ओवर्स में 253 रन बनाने थे। टीम 33.3 ओवर्स में चार विकेट पर 167 रन ही बना सकी और आखिर: 46.2 ओवर्स में 194 रन पर ऑलआउट हो गई। कनिष्क ने 40 डॉट बॉल डालते हुए पाक की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया। स्पिनर खिलन पटेल ने 9.2 ओवर्स में 35 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि कप्तान आयुष म्हात्रे ने भी 3 विकेट झटके।

अनाहत ने जीता मुकाबला खिताबी मैच में जगह बनाई

■ एजेंसियां, नई दिल्ली: भारत की अनाहत सिंह ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए वॉशिंगटन में चल रहे स्क्वॉश ऑन फायर ओपन में अमेरिका की सबरीना सोभी को 3-1 से हराया। इसके साथ ही वह पहली बार पीएसए ब्रॉन्ज लेवल टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचीं। वर्ल्ड रैंकिंग में 31वें स्थान पर काबिज और इस टूर्नामेंट में सातवीं वरीयता प्राप्त अनाहत ने सेमीफाइनल में वर्ल्ड रैंकिंग में 23वें स्थान पर काबिज सबरीना को 11-9, 11-3, 9-11, 11-5 से हराया। फाइनल में अनाहत का सामना इंग्लैंड की शीर्ष वरीयता प्राप्त और वर्ल्ड रैंकिंग में 10वें स्थान पर काबिज जॉर्जीना कैनेडी से होगा।

स्क्वॉश टूर्नामेंट

अनाहत सिंह

दिल्ली-मुंबई मैच ड्रॉ, अंतिम-8 के मैच तय

■ एजेंसियां, मुंबई: कप्तान आयुष दोसेजा की 159* रन की पारी की बदौलत दिल्ली ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप-डी में तालिका में शीर्ष पर काबिज मुंबई के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ करा लिया। इसी ग्रुप से जम्मू-कश्मीर ने भी 42 बार की चैंपियन मुंबई के साथ क्वॉर्टर फाइनल फाइनल में जगह बनाई। दोसेजा ने एमसीए-बीकेसी ग्राउंड पर खेले गए इस मुकाबले में 230 गेंदों में 11 चौके और दो छक्कों की मदद से 159* रन बनाए और मुंबई को जीत से दूर रखा। दोनों टीमों ने टी-ब्रेक से करीब आधा घंटा पहले मुकाबला बराबरी पर समाप्त करने पर सहमति जता दी। दिल्ली ने दूसरी पारी छह विकेट पर 407 रन बनाकर घोषित की। पहली पारी में शतक लगाने वाले दिल्ली के सनत सांगवान प्लेयर ऑफ द मैच रहे। दिल्ली आठ टीमों की ग्रुप तालिका में सातवें स्थान पर रही।

सनत सांगवान रहे प्लेयर ऑफ द मैच

विदर्भ, आंध्र भी बढ़े: नागपुर में खेले गए मैच में गत चैंपियन विदर्भ ने उत्तर प्रदेश को चार विकेट से हराकर ग्रुप-ए से आंध्र के साथ टूर्नामेंट के क्वॉर्टर फाइनल में जगह बनाई। विदर्भ की टीम ग्रुप-ए में आंध्र के बाद दूसरे स्थान पर रही। यूपी के 201 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए विदर्भ ने 58.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। वहीं, मोहाली में कप्तान देवदत्त पडिक्कल की 85 गेंद में 120 रन की पारी से कर्नाटक ने ग्रुप-बी के अपने आखिरी मैच में पंजाब को पांच विकेट से हराकर क्वॉर्टर फाइनल में जगह बनाई। पडिक्कल की आठवीं फर्स्ट क्लास सेंचुरी की बदौलत कर्नाटक ने 27.5 ओवर में ही जीत हासिल कर ली। ग्रुप-बी से कर्नाटक (27 अंक) और मध्य प्रदेश (28 अंक) ने नॉकआउट में जगह बनाई।

क्वॉर्टर फाइनल लाइन अप — रणजी का रण

पहला- झारखंड vs उत्तराखंड
दूसरा- एमपी vs जम्मू-कश्मीर
तीसरा- बंगाल vs आंध्र प्रदेश
चौथा- मुंबई vs कर्नाटक
(सभी मैच 6 से 10 फरवरी के बीच खेले जाएंगे)

दिल्ली ने एलिमिनेटर में बना ली जगह

■ एजेंसियां, वडोदरा: मरिजान काप (3/30) की शानदार गेंदबाजी के बाद लीजेल ली/लॉरा वोल्वार्ट (47 रन, 36 बॉल, 7 फोर), कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स (34 रन, 18 बॉल, 5 फोर) की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने विमिंस प्रीमियर लीग में यूपी वॉरियर्स को करो या मरो के मुकाबले में पांच विकेट से शिकस्त दी। इस जीत के साथ दिल्ली की टीम ने लीग के एलिमिनेटर में जगह बनाई। यहां मंगलवार को उसकी टक्कर गुजरात जायंट्स से होगी। पिछले तीन एडिशन की फाइनलिस्ट दिल्ली की टीम ने इस अहम मुकाबले में यूपी को आठ विकेट पर 122 रन के स्कोर पर रोका। इसके बाद इस लक्ष्य को उसने 8 गेंद शेष रहते हासिल कर लिया।

WPL

मरिजान काप

केंद्रीय बजट में रखा खेलो इंडिया मिशन का प्रस्ताव

■ एजेंसियां, नई दिल्ली: वित्तवर्ष 2026-27 के बजट में देश में खेलों के विकास के लिए किए गए कुछ अहम प्रावधान-

■ 'खेलो इंडिया मिशन' शुरू करने का प्रस्ताव। इससे जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं की खोज के लिए सरकार के प्रमुख 'खेलो इंडिया' कार्यक्रम को बढ़ावा मिलेगा।

■ खेलों के सामान के लिए डेडिकेटेड पहल का प्रस्ताव जिससे उपकरण डिजाइन, सामग्री विज्ञान में मैन्युफैक्चरिंग, रिसर्च और इनोवेशन को बढ़ावा मिलेगा।

■ युवा मामले और खेल मंत्रालय के आवंटन में 1000 करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि की गई। खेल सामग्री निर्माण क्षेत्र को पहली बार 500 करोड़ का आवंटन मिला।

■ खेल मंत्रालय के लिए कुल बजट आवंटन 4479.88 करोड़ रुपये है जो 2025-26 के संशोधित आवंटन 3346.54 करोड़ रुपये से 1133.34 करोड़ रुपये अधिक है।

■ भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के लिए आवंटित राशि को 880 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 917.38 करोड़ रुपये किया गया।

देविका ने जीता करियर का सबसे बड़ा खिताब

■ एजेंसियां, बैंकॉक: भारत की युवा शटलर देविका सिहाग ने 250,000 डॉलर इनामी थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के विमिंस सिंगल्स का खिताब जीता। फाइनल में मलयेशिया की गोह जिन वेई के मैच के बीच से हट जाने के बाद देविका ने अपना पहला सुपर-300 खिताब हासिल किया। हरियाणा की 20 वर्षीय देविका जब 21-8, 6-3 से आगे चल रही थीं, तब दो बार की वर्ल्ड जूनियर चैंपियन गोह ने हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मैच से हटने का फैसला किया। इससे देविका अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब जीतने में सफल रहीं। वह सुपर-300 विमिंस सिंगल्स खिताब जीतने वाली तीसरी भारतीय हैं। देविका से पहले यह उपलब्धि केवल पीवी सिंधु और साइना नेहवाल ने ही हासिल की थी।

थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन

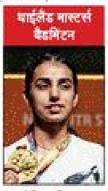

देविका सिहाग

प्रग्नानंदा और गुकेश की बाजी रही ड्रॉ

■ एजेंसियां, विज्क आन जी: वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश ने टाटा स्टील मास्टर्स के 12वें राउंड में हांस मोके नीमन के खिलाफ ड्रॉ खेला, जबकि नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने मैथियास ब्लूबाउम पर जीत दर्ज कर एकल बढ़त कायम करते हुए खिताब की ओर कदम बढ़ाए। जावोखिर सिंदारोव ने आर प्रग्नानंदा के खिलाफ जोखिम नहीं लिया, जिससे उन्हें ड्रॉ पर संतोष करना पड़ा। वह 7.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वह हमवतन अब्दुसत्तोरोव से आधा अंक पीछे हैं। टूर्नामेंट में अब सिर्फ एक राउंड का खेल बचा है और उज्बेकिस्तान के ये दोनों खिलाड़ी शीर्ष दो स्थान पर काबिज हैं।

टाटा मास्टर्स चेस टूर्नामेंट

आर प्रग्नानंदा

12 राशियां और आपका दिन

ARIES (21 Mar - 19 Apr)
राशि स्वामी मंगल, मकर राशि पर आ चुका है। चंद्रमा आज चतुर्थ भाव में होने से सुखोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। अधिनस्थ कर्मचारी या किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

TAURUS (20 Apr - 19 May)
राशि का स्वामी शुक्र नवम भाव में और राहु कुंभ राशि का होकर दशम राज्य भाव में होने से जीविका के क्षेत्र में चल रहे प्रयास फलीभूत होंगे। राजनैतिक सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति उदासीन न रहें। वाणी पर संयम रखें। विरोधी परास्त होंगे। मित्रों से सहयोग हासिल होता रहेगा।

GEMINI (21 May - 21 Jun)
आज राशि से द्वितीय भाव में चंद्रमा मन को संतोष देने वाला है। अष्टम भाव में बुध से व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किसी कार्य के संपन्न होने से आपके स्वभाव एवं वर्चस्व में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से तनाव मिलेगा। मैत्री संबंध मधुर होंगे।

CANCER (22 Jun - 22 July)
आज राशि स्वामी चंद्र द्वितीय भाव में होकर कोष वृद्धि का संकेत दे रहा है। दांपत्य जीवन सुखमय होगा। धन, पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शारीरिक व मानसिक क्लेश मिल सकता है। परीक्षा की दिशा में किया गया श्रम सार्थक होगा। विरोधी परास्त होंगे। हनुमान मंदिर के दर्शन करें या सुंदरकांड का पाठ करें।

LEO (23 July - 22 Aug)
प्रथम भाव का चंद्रमा और सप्तम घर में कुंभ राशि का राहु आज प्रभाव प्रताप को बढ़ाने वाला है, रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। दूसरों के सहयोग लेने में सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजनों से भेंट संभव है।

VIRGO (23 Aug - 22 Sep)
द्वादश भाव में चंद्रमा शुभ ग्रह, दोनों में बुद्धिकारक है। व्यावसायिक दिशा में सफलता मिलेगी। खान-पान में संयम रखें। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ सकता है। विरोधियों का पराभव होगा। रोजी रोजगार में सफलता मिलेगी। पत्नी के परिवार से लाभ मिल सकता है।

LIBRA (23 Sep - 22 Oct)
राशि स्वामी शुक्र-मकर राशि का होकर चौथे भाव में और एकादश भाव में चंद्रमा के प्रभाव से राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलने की संभावना है। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। आज के दिन मित्रों का सहयोग बना रहेगा। गृह-कलेश में न पड़ें, इससे परेशानी हो सकती है।

SCORPIO (23 Oct - 21 Nov)
राशि स्वामी के मकर राशि पर होने और तृतीय भाव में चंद्रमा होने से पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। रुका हुआ कार्य संपन्न होगा। किसी मूल्यवान वस्तु के खोने व चोरी की संभावना है। इसलिए पहले से ही सतर्क होकर रहेंगे तो अच्छा रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

SAGITTARIUS (22 Nov - 21 Dec)
देवगुरु मिथुन राशि पर और चंद्रमा नवम प्रमुख त्रिकोण स्थान में चल रहे हैं। इसके चलते आर्थिक दिशा में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम बरतें। ससुराल पक्ष से लाभ मिलने के योग बन रहे हैं।

CAPRICORN (22 Dec - 19 Jan)
आपकी राशि से द्वितीय राहु और राशि का स्वामी शनि पराक्रम स्थान तृतीय में होने के कारण व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। विरोधी परास्त होंगे। शाम को घूमने जाने का योग बन सकता है।

AQUARIUS (20 Jan - 18 Feb)
आज सप्तम प्रमुख केंद्र, पत्नी भाव में सिंह राशि का चंद्रमा होने के फलस्वरूप बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। आर्थिक दिशा में किए प्रयास सफल होंगे। खान-पान पर संयम रखें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। किसी भी तरह के झगड़े और विवाद से बचें।

PISCES (19 Feb - 20 Mar)
राशि स्वामी बृहस्पति पंचम सुख मित्र भाव में राज्य मान-प्रतिष्ठा वृद्धि कारक है। रोजगार के क्षेत्र में चल रहे प्रयास फलीभूत होंगे। राजनैतिक सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति उदासीन न रहें। अचानक स्वास्थ्य संबंधी परेशानी आ सकती है। इसलिए स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें। वाणी पर संयम रखें। रिश्तों में मधुरता आएगी। मित्रों से सहयोग मिलेगा और परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

क्या कहते हैं आपके नंबर

(2 फरवरी - 8 फरवरी 2026)

(आचार्य नंदिता पांडे)

● **मूलांक 1**
(जन्म तिथि 1, 10, 19, 28)
इस सप्ताह की शुरुआत में आप अपने कार्यक्षेत्र को लेकर थोड़ा असमंजस में रहेंगे लेकिन हिम्मत कर अपने प्रोजेक्ट में आगे बढ़ेंगे तो सफलता आपके कदम चूमेगी। यह सप्ताह आर्थिक मामलों के लिए सुखद सप्ताह है, हालांकि थोड़ा सा दान पुण्य करने से आर्थिक वृद्धि के शुभ संयोग बनते जाएंगे। इस सप्ताह आप अपनी लव लाइफ से खुश रहेंगे एवं आपसी अंडरस्टैंडिंग भी बहुत अच्छी रहेगी।

● **मूलांक 2**
(जन्म तिथि 2, 11, 20, 29)
इस सप्ताह आपके कार्यक्षेत्र में अच्छी प्रोग्रेस होगी एवं प्रोजेक्ट सफलता के मार्ग में आगे बढ़ते जाएंगे। यह सप्ताह धन धान्य से पूर्ण सप्ताह है और निवेश उन्नति के मार्ग में आगे बढ़ेंगे व धन वृद्धि के योग बनाएंगे। आप जितना सोच समझकर इन्वेस्टमेंट करेंगे, उतना बेहतर परिणाम आपको धन संबंधित मामलों में होगा। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होता जाएगा और जीवन में खुशियां दस्तक देंगी।

● **मूलांक 3**
(जन्म तिथि 3, 12, 21, 30)
कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी और आपके सहयोगी भी आपके प्रोजेक्ट को सफल बनाने में आपकी मदद करेंगे। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होता जाएगा एवं लव लाइफ में खुशियां दस्तक देंगी। इस सप्ताह आपकी आर्थिक स्थिति कठिन रहेगी एवं मन अशांत रहेगा और व्यय की स्थितियां भी बनेंगी। आर्थिक कष्ट रहेंगे एवं व्यय अधिक होंगे। सप्ताह के अंत में सुख समृद्धि के शुभ संयोग बनेंगे एवं मन प्रसन्न रहेगा।।

● **मूलांक 4**
(जन्म तिथि 4, 13, 22, 31)
आपके कार्य क्षेत्र में एक नए प्रोजेक्ट को लेकर सुकून रहेगा और उन्नति के मार्ग में आगे बढ़ते जाएंगे एवं सफलता प्राप्त होगी। इस सप्ताह प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होता जाएगा एवं लव लाइफ में खुशियां दस्तक देंगी। इस सप्ताह प्रैक्टिकल होकर निर्णय लेंगे तो जीवन में सुखी रहेंगे। सप्ताह के आखिर में सुखद समाचार मिल सकता है। अपनी वाणी पर संयम रखें। भविष्य के रास्ते मिलेंगे।

● **मूलांक 5**
(जन्म तिथि 5, 14, 23)
कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी एवं सफलता के मार्ग में आगे बढ़ते जाएंगे। इस सप्ताह बिजनेस ट्रिप्स भी सफल रहेंगी एवं यात्राओं के दौरान आपकी किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है जो भविष्य में आपके काम आए। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होता जाएगा। आर्थिक मामलों के लिए यह सप्ताह शुभ है एवं धन लाभ की प्रबल स्थितियां बनती जाएंगी।

● **मूलांक 6**
(जन्म तिथि 6, 15, 24)
आर्थिक दृष्टि से समय अनुकूल होता जाएगा एवं धन लाभ की प्रबल स्थितियां बनेंगी। इस सप्ताह आपको किसी से आर्थिक मदद भी मिल सकती है। कार्य क्षेत्र में सुधार आएंगे एवं प्रोजेक्ट द्वारा सफलता हासिल होगी। प्रेम संबंध में भविष्य को देखते हुए निर्णय लेंगे तो सुखी रहेंगे।

● **मूलांक 7**
(जन्म तिथि 7, 16, 25)
आर्थिक मामलों के लिए यह सप्ताह शुभ है एवं धन लाभ की प्रबल स्थितियां बनती जाएंगी। किसी नए निवेश द्वारा भी आर्थिक लाभ प्राप्त होगा। प्रेम संबंध में स्ट्रेस अधिक रहेगा एवं मन अशांत रहेगा। कार्य क्षेत्र में बातचीत द्वारा मामलों को सुलझाएंगे तो आपके लिए बेहतर होगा।

● **मूलांक 8**
(जन्म तिथि 8, 17, 26)
प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होगा एवं लव लाइफ में खुशियां दस्तक देंगी। कार्य क्षेत्र में धीरे धीरे उन्नति होगी एवं प्रोजेक्ट सफल होते जाएंगे। इस सप्ताह आर्थिक मामलों में धन लाभ होगा एवं निवेशों द्वारा भी फायदे होते जाएंगे। इस सप्ताह के उत्तरार्ध में मेहनत द्वारा सुख समृद्धि प्राप्त करेंगे।

● **मूलांक 9**
(जन्म तिथि 9, 18, 27)
आर्थिक दृष्टिकोण से समय अनुकूल रहेगा एवं धन लाभ की प्रबल स्थितियां बनती जाएंगी। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होता जाएगा और आपसी अंडरस्टैंडिंग भी अच्छी रहेगी। कार्य क्षेत्र में किसी नए प्रोजेक्ट को लेकर मन अशांत रहेगा एवं भावनात्मक कारणों से तकलीफ बढ़ सकती है। सप्ताह के अंत में आप काफी बिजी रहेंगे एवं सुख समृद्धि के संयोग बनते जाएंगे।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

यह वर्ष धातु के पाद से प्रवेश कर रहा है। वर्ष का स्वामी मंगल बुध ग्रह बने हैं। मंगल भूमि का स्वामी, युद्ध प्रिय, साहसी, अग्रणी, सुव्यवस्थापक ग्रह है। जिसको बुध का सान्निध्य बौद्धिक गुणों वाला, कुशल व्यापारी भी बना देता है। फरवरी शेष से मार्च तक परंतु सुख साधन, वाहन, मकान प्राप्ति के प्रबल योग हैं। अप्रैल और मई में अकारण शत्रुपरिहोकर उनका मान मर्दन भी हो जाएगा। इस वर्ष जून, जुलाई, अगस्त में किसी मांगलिक कार्य का अनुष्ठान अथवा प्रतिष्ठावर्धक कार्य भी आपके परिवार में होंगे। सितंबर से अक्टूबर में रोग ऋण से मुक्ति मिलेगी और निकट संबंधी आपके इर्द-गिर्द घूमेंगे। नवंबर से दिसंबर में व्यर्थ की भागदौड़ में स्थाई व अस्थाई व्यापार का विस्तार एवं धार्मिक स्थानों पर पर्यटन का योग है। जनवरी 2027 से फरवरी तक ग्रहयोग आपके पुरुषार्थ को उजागर करेगा। -आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

कल का पंचांग (मंगलवार, 3 फरवरी 2026)

राष्ट्रीय मिति माघ 14, शक संवत 1947, फाल्गुन कृष्ण द्वितीया मंगलवार, विक्रम संवत 2082। सौर माघ मास प्रविष्टे 21, शब्बान 14, हिजरी 1447 (मुस्लिम) तद अनुसार अंग्रेजी तारीख 3 फरवरी 2026 ई.। सूर्य उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु। राहु काल अपराह्न 3 बजे से 4 बजकर 30 मिनट तक। द्वितीया तिथि अर्धरात्रोत्तर 12 बजकर 41 मिनट तक के बाद तृतीया तिथि का आरंभ। मघा नक्षत्र रात 10 बजकर 11 मिनट तक के बाद पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र का आरंभ। तैतिल करण अपराह्न 1 बजकर 17 मिनट तक के बाद वणिज करण का आरंभ।

सुडोकू

2	7						6	3
		6		4		7		
3		8				1		9
	1		7		2		8	
7								1
	8		5		4		9	
9		7				6		8
		1		2		9		
8	4						7	5

TELEVISION

big magic

09:00 [illegible]
10:00 [illegible]
11:00 रुद्र के रक्षक
11:30 अलादीन
12:00 यशोमती अजेय कृष्णा
13:30 भ से भाई
14:30 हम पांच
15:00 अजब देश की गजब कहानी
16:30 प्यार मोहब्बत ऐसी वैसी
19:30 रुद्र के रक्षक
21:00 पीछा

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 02-02-2026 Zone: Noida Edition: 1 Page: NBTNDBP User: cci Time: 02-01-2026 23:07 Color:

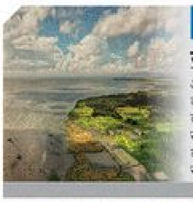

NBT AI टाइम मशीन

जब वेटलैंड्स को बचाने का संकल्प लिया

आज वर्ल्ड वेटलैंड (Wetland) डे है। आज ही के दिन 1971 में ईरान के रामसर शहर में इन जल-क्षेत्रों को बचाने का संकल्प लिया गया था। वेटलैंड्स यानी वह जमीन जो पानी से ढकी रहती है। इन्हें 'धरती का स्पंज' कहा जाता है क्योंकि ये बाढ़ का पानी सोखते हैं और प्रदूषण साफ कर हमें साफ पानी देते हैं। आज वेटलैंड्स जंगलों से भी तीन गुना तेजी से खत्म हो रहे हैं, जो दुनिया के लिए एक बड़ा संकट है।

NBT Front Page-2
नवभारत टाइम्स। नई दिल्ली/एनसीआर | सोमवार, 2 फरवरी 2026

वेटलैंड्स के संरक्षण में AI होगा अहम

ChatGPT के अनुसार, भविष्य में वेटलैंड्स का संरक्षण तकनीक के जरिए और मजबूत होगा। AI, सैटलाइट, ड्रोन और सेंसर की मदद से जलस्तर, प्रदूषण, अतिक्रमण और जैव-विविधता पर लगातार निगरानी रखी जा सकेगी। अर्ली वॉर्निंग सिस्टम और डेटा-आधारित नीतियां संरक्षण को मजबूती देंगी। हालांकि, केवल तकनीक काफी नहीं होगी। अगर राजनीतिक इच्छाशक्ति, सख्त कानून और समाज की सक्रिय भागीदारी नहीं हुई, तो वेटलैंड्स धीरे-धीरे खत्म भी हो सकते हैं।

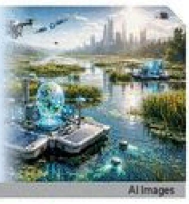

AI Images

ईरान से नहीं, वेनेज़ुएला (Venezuela) से तेल खरीदेगा भारत: ट्रंप

■ पीटीआई, न्यू यॉर्क (अमेरिका)

ट्रंप के दावे पर भारत की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि भारत अब ईरान के बजाय वेनेजुएला से तेल खरीदेगा। ट्रंप ने यह टिप्पणी शनिवार को फ्लोरिडा के पाम बीच जाते समय एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान की। ट्रंप यह जवाब उस सवाल पर दे रहे थे, जिसमें पूछा गया था कि क्या चीन वेनेजुएला को दिए गए कर्ज की भरपाई तेल सप्लाई के जरिए करेगा। उन्होंने कहा, चीन का स्वागत है, वह तेल पर अच्छा सौदा कर सकता है। हमने पहले ही एक डील कर ली है। भारत भी आ रहा है और वह ईरान से तेल खरीदने के बजाय वेनेजुएला का तेल खरीदेगा। यह सौदा पहले ही तय हो चुका है।

हालांकि, ट्रंप के इस बयान पर भारत की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। भारत 2019 तक ईरान से तेल का बड़ा खरीदार रहा था, लेकिन तेहरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों के दोबारा लागू होने के बाद इसमें भारी कटौती की गई थी।

ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब उन्होंने ईरान से व्यापार पर भारी नैक्शन लगाए हैं और ईरान-अमेरिका के बीच तनाव चरम पर है। हाल के वर्षों में भारत ने रियायती दरों पर रूसी कच्चे तेल की खरीद बढ़ाई है, जिससे रूस उसके सबसे बड़े तेल सप्लायर्स में शामिल हो गया है। अमेरिका ने भारत पर कुल 50% प्रतिशत टैरिफ लगाए हैं, जिनमें रूसी तेल की खरीद को लेकर 25% टैरिफ भी शामिल है।

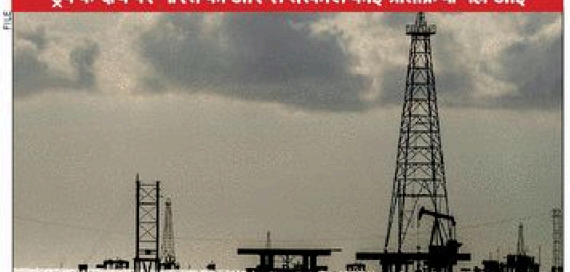

> चीन का स्वागत है, वह तेल पर अच्छा सौदा कर सकता है। हमने पहले ही एक डील की है। भारत भी आ रहा है और वह ईरान से तेल खरीदने के बजाय वेनेजुएला का तेल खरीदेगा – ट्रंप, राष्ट्रपति, US

'भारत ने क्या किया ये ट्रंप बताते हैं'

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के भारत के वेनेजुएला से तेल खरीदने वाले बयान के बाद कांग्रेस ने नरेंद्र मोदी सरकार पर तंज कसा। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति लगातार इसकी जानकारी देते आ रहे हैं कि भारत सरकार ने क्या किया है या आगे क्या करने जा रही है।

रमेश ने ट्रंप के इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किया। मुख्य विपक्षी दल के नेता ने लिखा, ट्रंप ने हमें बताया था कि ऑपरेशन सिंदूर रोक दिया गया है। उन्होंने ही बाद में बताया कि भारत ने रूसी तेल खरीदना बंद कर दिया है। और अब यह बयान आया है। रमेश ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप लगातार हमें यह जानकारी देते रहते हैं कि हमारी अपनी सरकार ने क्या किया है या क्या करने जा रही है।

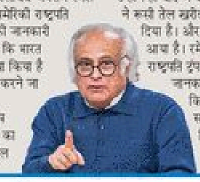

ईरान ने US को चेताया, हमले से क्षेत्रीय युद्ध छिड़ सकता है

कहा, उत्पीड़न या हमले का करारा जवाब मिलेगा

■ एपी, दुबई (UAE)

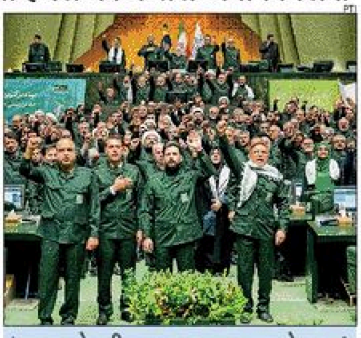

PTI

ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई ने रविवार को अमेरिका को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर अमेरिका ने हमला किया, तो इससे पश्चिम एशिया में एक 'क्षेत्रीय युद्ध' छिड़ सकता है और तनाव और अधिक बढ़ जाएगा। खामेनेई की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ईरान पर सैन्य कार्रवाई की धमकी दे चुके हैं। हालांकि, अब तक यह साफ नहीं है कि ट्रंप वास्तव में बल प्रयोग का फैसला करेंगे या नहीं।

> अमेरिका से तनाव के बीच सुप्रीम लीडर खामेनेई का यह बयान आया है

ईरान के सरकारी टेलीविजन ने खामेनेई के हवाले से कहा, 'अमेरिकियों को यह जान लेना चाहिए कि अगर वे युद्ध शुरू करते हैं, तो इस बार यह एक क्षेत्रीय युद्ध होगा।' उनके इस बयान को अमेरिका के लिए सीधी चेतावनी के तौर पर देखा जा रहा है।

खामेनेई ने कहा, ईरान उकसाने की नीति नहीं अपनाता, लेकिन उन्होंने साफ किया कि ईरानी राष्ट्र पर अगर कोई हमला या उत्पीड़न किया गया, तो उसका 'करारा जवाब' दिया जाएगा।

'ईरान EU की सभी सेनाओं को आतंकी संगठन मानता है' : ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर कालिबाफ ने रविवार को कहा कि इस्लामी गणराज्य ईरान अब यूरोपीय संघ की सभी सेनाओं को आतंकवादी संगठन मानता है। उनका यह कड़ा बयान यूरोपीय संघ द्वारा ईरान के अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकवादी संगठन घोषित किए जाने के फैसले के बाद आया है। यूरोपीय संघ ने यह कदम ईरान में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान कथित रूप से की गई खूनी कार्रवाई के मद्देनजर उठाया था। कालिबाफ की इस घोषणा को मुख्य रूप से प्रतीकात्मक माना जा रहा है। 2019 में पारित एक कानून के तहत ईरान ने अमेरिका द्वारा रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकवादी संगठन घोषित किए जाने के जवाब में अन्य देशों की सेनाओं को भी इसी कैटिगरी में रखा था।

'तनाव के बीच युद्धाभ्यास का ऐलान'

ईरान ने रविवार और सोमवार को रणनीतिक रूप से अहम होर्मुज स्ट्रेट में सैन्य अभ्यास करने की योजना की भी घोषणा की है। ग्लोबल तेल व्यापार का लगभग पांचवा हिस्सा इसी संकरे समुद्री मार्ग से होकर गुजरता है। कालिबाफ ने यह घोषणा संसद में उस वक्त की, जब वह और अन्य सांसद रिवोल्यूशनरी गार्ड के समर्थन में उनकी वर्दी पहने हुए थे। रिवोल्यूशनरी गार्ड ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई को जवाबदेह है।

SPEED News (इकोनॉमिक News)

US ने 7 साल बाद वेनेजुएला में राजदूत भेजा है। राजदूत लौरा डोगु शनिवार को काराकास पहुंची। US का राजनयिक मिशन को दोबारा खोलने की प्रक्रिया शुरू की।

फ्रांस की टेक्नॉलजी कंपनी कैपजेमिनी ने अमेरिकी सबसिडियरी को बेचने का फैसला लिया है। कंपनी इमीग्रेशन और कस्टम्स इंफोर्समेंट एजेंसी के साथ विवादों में थी।

रूस ने कहा कि यूक्रेन में कई मानकों पर जीत पहले ही साफ दिख रही है। रूस के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने रविवार को ये बात कही।

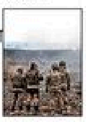

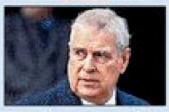

एपस्टीन फाइल्स में ब्रिटेन के पूर्व प्रिंस एंड्रयू का भी नाम आया। ब्रिटिश पीएम ने कहा, एंड्रयू को अमेरिकी कांग्रेस में गवाही देनी चाहिए।

SPEED News पर आप अपनी राय हमें 9220747220 पर वट्सऐप करके बताएं।

मोदी का पंजाब दौरा, एयरपोर्ट का नाम गुरु रविदास के नाम पर रखा

■ भाषा, जालंधर

PTI

पीएम संप्रदाय के प्रमुख संत निरंजन दास से भी मिले।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को पंजाब दौरे पर रहे। वे जालंधर में डेरा सचखंड बल्लां गए। वहां उन्होंने समाज सुधारक और कवि के रूप में याद किए जाने वाले संत गुरु रविदास की 649वीं जयंती के मौके पर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

संप्रदाय के प्रमुख संत निरंजन दास को 25 जनवरी को पद्मश्री सम्मान दिए जाने की घोषणा की गई थी। इसके कुछ दिन बाद मोदी ने यह यात्रा की। जालंधर के बल्लां में स्थित डेरा सचखंड, राज्य में रविदासिया समुदाय का सबसे बड़ा डेरा है। मोदी ने कहा, मैं पंजाब दी इस धरती नू नमन करदा हां, मतलब मैं पंजाब की धरती को नमन करता हूं। मोदी ने रविवार को आदमपुर हवाई अड्डे का नाम बदलकर श्री गुरु रविदास महाराज जी हवाई अड्डा, आदमपुर किया और लुधियाना के हलवारा हवाई अड्डे पर सिविल टर्मिनल भवन का ऑनलाइन उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री मोदी दिन में लगभग तीन बजे आदमपुर हवाई अड्डे पहुंचे। रायकोट उपखंड के हलवारा में भारतीय वायु सेना अड्डे पर विकसित इस टर्मिनल से क्षेत्र में हवाई संपर्क में सुधार होने और इंडस्ट्रियल और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

> हम गुरु रविदास से प्रेरणा लेते हैं। संत रविदास के आशीर्वाद से, मुझे विश्वास है कि हम विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त कर लेंगे। – प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

SC को बताया

दीपथून केस के जज पर टिप्पणी मामले में FIR दर्ज

■ **पीटीआई, नई दिल्ली :** तमिलनाडु के डीजीपी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि मद्रास हाई कोर्ट के जस्टिस जी. आर. स्वामीनाथन के खिलाफ कथित जाति और धर्म के आधार पर की गई टिप्पणियों के मामले में संबंधित प्रदर्शनकारियों के खिलाफ केस दर्ज किए गए हैं। तिरुप्परनकुंड्रम पहाड़ी पर 'कार्तिगई दीपम्' जलाने की इजाजत से जुड़े आदेश के बाद जस्टिस स्वामीनाथन के खिलाफ ये टिप्पणियां की गई थीं। डीजीपी जी. वेंकटरमण ने कहा कि राज्य के सभी जिलों के एसपी को निर्देश जारी किए गए हैं कि ऐसी किसी चीज को प्रकाशित न होने दें, जिसमें जज की छवि को धूमिल करने वाला कंटेंट हो।

> जस्टिस स्वामीनाथन ने 'दीपथून' पर दीपक जलाने की इजाजत दी थी

माघी पूर्णिमा पर आस्था का सैलाब, लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

■ NBT रिपोर्ट, प्रयागराज/हरिद्वार

2.10 करोड़ से अधिक लोगों ने प्रयाग के 24 घाटों पर स्नान किया

हरिद्वार में हुजूम हजारों लोग रविवार को स्नान के लिए हर की पैड़ी पहुंचे

माघ मेले के पांचवें स्नान पर्व माघी पूर्णिमा पर रविवार को श्रद्धालुओं का विशाल हुजूम उमड़ा। सुबह से शुरू हुआ गंगा स्नान देर शाम तक चलता रहा। इस अवसर पर कल्पवासियों का कल्पवास संकल्प भी पूरा हो गया और एक महीने से मेले में रह रहे श्रद्धालुओं की विदाई शुरू हो गई। सोमवार से केवल वही श्रद्धालु गंगा तट पर रहेंगे, जिन्होंने संक्रांति से कल्पवास शुरू किया था; ये श्रद्धालु महाशिवरात्रि तक क्षेत्र में ठहरेंगे।

मेला प्रशासन के अनुसार, माघी पूर्णिमा पर 2 करोड़ 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने 24 घाटों पर पुण्य की डुबकी लगाई। रविवार को कल्पवासियों के शिविरों में सत्यनारायण कथा हुई। इसके पहले कई शिविरों में रामचरितमानस का अखंड पाठ शुरू हुआ, जिसका समापन भंडारे के साथ किया गया। स्नान और कथा के बाद कल्पवासी पूजन-अर्चन कर अपने घरों को लौटने लगे।

हरिद्वार में भी माघी पूर्णिमा पर्व पर गंगा घाटों पर हजारों श्रद्धालु गंगा स्नान करने के लिए पहुंचे। इसके लिए प्रशासन ने विशेष तैयारी की थी। सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम थे।

अब फोटो छपवाने का मौका भी

खबरों का ज्ञान

रोज की खबरों पर कितनी पैनी नजर है, आजमाएं

1. ईरान के सुप्रीम लीडर का क्या नाम है, जिन्होंने US को चेताया है?
   A. आयतुल्लाह अली खामेनेई B. नूरी अल-मालिकी C. मोहम्मद बाकिर कालिबाफ
2. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का ये कौन सा बजट है?
   A. 8वां B. 9वां C. 10वां
3. मिडल ईस्ट के किस देश में राष्ट्रपति का चुनाव दूसरी बार टाल दिया गया?
   A. इराक B. ईरान C. सीरिया
4. रविदास संप्रदाय के प्रमुख का क्या नाम है, जिनसे मोदी मिले?
   A. संत रामानंद B. संत रसवन दास C. संत निरंजन दास
5. गाजा की किस देश के साथ रफाह सीमा क्रॉसिंग खोलने की घोषणा की गई है?
   A. लेबनान B. इजिप्ट C. जॉर्डन

कल के जवाब
A1 A. NCP (AP) A2 B. एलेना रिबाकिना A3 B. रामसर साइट A4 C. फ्रेंस ड्रकोवी A5 A. 6.67

लकी विनर्स

1. रमा सेठी, नई दिल्ली
2. आत्मा राम रछौया, नई दिल्ली
3. मोहम्मद दानिश, लखनऊ

ऐसे भेजें अपने जवाब

अपने नाम, शहर के साथ जवाब भेजें nbtreader@timesofindia.com पर, साथ में फोटो भी भेजें। सब्जेक्ट में KKG लिखें। हर दिन सभी सही जवाब देने वाले तीन चुनिंदा रीडर्स में से एक का फोटो और दो के नाम छापे जाएंगे। जवाब आज के पेपर की खबरों में ही छिपे हैं।

मुस्लिम दुकानदार के बचाव में आए थे

उत्तराखंड: दीपक ने कहा, हंगामे ने अंदर से झकझोर दिया है

■ NBT रिपोर्ट, देहरादून

मुस्लिम दुकानदार के बचाव में आए दीपक के खिलाफ बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन और हंगामे ने उन्हें भीतर से झकझोर दिया है। दीपक पौड़ी जिले के कोटद्वार में दुकानदार के बचाव में आए थे। शनिवार शाम हरिद्वार और देहरादून से आए बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने दीपक के जिम का घेराव कर नारेबाजी की। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति पर काबू पाने का दावा किया और देहरादून से आए कुछ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया।

दीपक कुमार कश्यप, जो पेशे से जिम ट्रेनर हैं, 26 जनवरी को चर्चा में आए थे, जब उन्होंने कोटद्वार के पटेल रोड स्थित एक बुजुर्ग मुस्लिम दुकानदार के समर्थन में आवाज उठाई थी। उस समय बजरंग दल के कुछ कार्यकर्ता 'बाबा स्कूल ड्रेस एंड मैचिंग सेंटर' नाम की दुकान से 'बाबा' शब्द हटाने का दबाव बना रहे थे। इसके बाद से तनाव बना हुआ था, जो 31 जनवरी को बढ़ गया।

वहीं, पौड़ी जिले के एसएसपी सर्वेश पंवार ने बताया कि माहौल बिगाड़ने की कोशिश के आरोप में कुछ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है और मामले की जांच जारी है।

> दुकान के बोर्ड में 'बाबा' शब्द पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया था

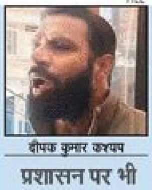

FILE

दीपक कुमार कश्यप

प्रशासन पर भी सवाल उठाया

दीपक का आरोप है कि सैकड़ों कार्यकर्ता उनके जिम पहुंचे, गाली-गलौज की और उनके परिवार को भी अपशब्द कहे। उन्होंने प्रशासन पर एकतरफा रवैया अपनाने का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें एहतियातन थाने में बैठा दिया गया, जबकि प्रदर्शनकारियों को घंटों हंगामा करने दिया गया। दीपक ने कहा कि इंसानियत के नाते बुजुर्ग दुकानदार का साथ देने की कीमत उन्हें मानसिक पीड़ा और परिवार की सुरक्षा की चिंता के रूप में चुकानी पड़ी। इस बीच, प्रदेश कांग्रेस ने दीपक को सुरक्षा देने और राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

बलूच बागियों के खिलाफ ऑपरेशन, 15 पाक सैनिक, 92 विद्रोही मारे गए

■ पीटीआई, इस्लामाबाद/नई दिल्ली

पाकिस्तानी सेना ने रविवार को बताया कि अशांत बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा बलों के कई अभियानों में कम से कम 15 पाकिस्तानी सैनिक और 92 विद्रोही मारे गए हैं। सेना ने एक बयान में कहा कि ये अभियान शनिवार को जातीय बलूच समूहों के हमलों के बाद शुरू किए गए।

बयान में कहा गया है कि सतर्क सुरक्षा बलों एजेंसियों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए विद्रोहियों की शांति भंग करने की कोशिशों को नाकाम कर दिया।

सेना के मुताबिक, विद्रोहियों ने आम नागरिकों को भी निशाना बनाया, जिसमें महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और मजदूरों सहित 18 लोगों की मौत हो गई। शनिवार को पंजगुर और हरनाई जिलों में अलग-अलग सुरक्षा अभियानों में बैन संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान से जुड़े 41 लोग मारे गए थे। सेना के अनुसार पिछले दो दिनों में बलूचिस्तान में जारी अभियान के तहत मारे गए विद्रोहियों की कुल संख्या 133 हो गई है।

AFP

इस बीच पाकिस्तान में करीब 18 आम लोगों की भी जान गई है।

पाकिस्तान के आरोपों को भारत ने नकारा

भारत ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान में शांति भंग करने में उसकी भूमिका होने के आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया और इसे पाकिस्तान की 'आंतरिक विफलताओं' से ध्यान भटकाने की रणनीति करार दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान के दमन, बर्बरता और मानवाधिकार उल्लंघनों के रेकॉर्ड की ओर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा, यह पाकिस्तान की आंतरिक नाकामियों से ध्यान भटकाने की सामान्य रणनीति के अलावा कुछ नहीं है।

अमेरिका के दबाव के बीच इराक में राष्ट्रपति का चुनाव फिर टला

■ एएफपी, बगदाद

इराक की संसद ने देश के नए राष्ट्रपति के चुनाव को फिर टाल दिया है। संसद के मीडिया ऑफिस ने कहा कि स्पीकर अब राजनीतिक दलों और गठबंधनों के नेताओं से मुलाकात कर चुनाव की आखिरी तारीख तय करेंगे। यह दूसरी बार है जब संसद ने राष्ट्रपति चुनाव को स्थगित किया है। इससे पहले यह मतदान पिछले हफ्ते होना था। इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि प्रमुख राष्ट्रपति दावेदार अल मलिकी को चुना गया तो अमेरिका इराक को मिलने वाली मदद बंद कर देगा।

FILE

सांप्रदायिक संतुलन अहम

■ इराक की सत्ता में परंपरागत रूप से प्रमुख पदों का बंटवारा सांप्रदायिक संतुलन के आधार पर होता है। आम तौर पर शक्तिशाली प्रधानमंत्री पद शिया मुस्लिम के पास होता है, संसद अध्यक्ष सुन्नी समुदाय से होता है, जबकि आमतौर पर राष्ट्रपति का औपचारिक पद कुर्द समुदाय को दिया जाता है।

फलस्तीनियों की सीमित आवाजाही के लिए रफाह क्रॉसिंग खोलने का ऐलान

AFP

क्रॉसिंग खुलने के बाद कई राहत गाड़ियां और एंबुलेंस गाजा में जा सकीं।

■ एपी, काहिरा

इस्राइल ने फलस्तीनियों के सीमित आवाजाही के मद्देनजर गाजा की इजिप्ट के साथ रफाह सीमा क्रॉसिंग को खोलने की घोषणा की है। इस घोषणा के बाद रफाह सीमा क्रॉसिंग पर रविवार को चहल-पहल देखी गई। क्रॉसिंग को दोबारा खोलना इस्राइल-हमास सीजफायर के आगे बढ़ने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

> क्रॉसिंग खुलना इस्राइल-हमास सीजफायर के आगे बढ़ने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है

इस्राइल ने रविवार को घोषणा की कि रफाह क्रॉसिंग को प्रायोगिक तौर पर खोल दिया गया है। गाजा को मानवीय सहायता को निर्देशित करने वाली इस्राइली सैन्य एजेंसी ने एक बयान में कहा कि क्रॉसिंग को पूरी तरह खोलने के लिए सक्रिय रूप से तैयार किया जा रहा है और तैयारियां पूरी होने के बाद गाजा के निवासी यहां से आ और जा सकेंगे। इजिप्ट के एक अधिकारी ने बताया कि फलस्तीनी सुरक्षा अधिकारी इजिप्ट वाले गेट से होकर क्रॉसिंग में दाखिल हुए और फलस्तीनी गेट की ओर बढ़े, जहां वे एक यूरोपीय संघ मिशन के साथ जुड़ेंगे, जो एंट्री और निकास की निगरानी करेगा। एंबुलेंस भी इजिप्ट वाले गेट से होकर गुजरीं। गाजा के रोजाना के प्रशासनिक कामों की देखरेख करने वाली नई फलस्तीनी प्रशासनिक कमिटी के प्रमुख ने कहा है कि दोनों तरफ यात्रा सोमवार से शुरू हो जाएगी।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 02-02-2026 Zone: Noida Edition: 1 Page: NBTNDJK User: cci Time: 02-01-2026 22:51 Color:

वर्कफोर्स में Gen Z

देश में वर्कफोर्स का करीब 25% हिस्सा Gen Z का, साल 2030 तक 36% होने का अनुमान।

₹ UNION BUDGET 2026-27

38 करोड़ है आबादी

1997-2012 के बीच जन्म लेने वालों को Gen Z कहा जाता है। आबादी करीब 38 करोड़ है।

कारोबार आसान बनाने और मुकदमेबाज़ी कम करने पर वित्त मंत्री का फोकस

इनकम टैक्स स्लैब जस का तस, नया ऐक्ट 1 अप्रैल से ही, नियम-फॉर्म जल्द

सवाल-जवाब से जानें, क्या-क्या बदल जाएगा

सीए अनिल जैन, इनकम टैक्स एक्सपर्ट

टैक्स स्लैब में भले ही राहत न दी गई हो लेकिन वित्त मंत्री ने बजट में कई ऐसे प्रस्ताव रखे हैं जिनसे आम आदमी को आसानी होगी और उसका फायदा होगा।

AI Image

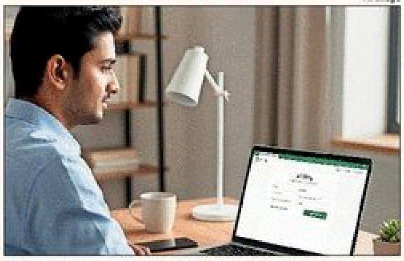

रिटर्न फाइल करने के प्रॉसेस को कैसे आसान बनाया?

सरकार ने टैक्स रिटर्न प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए कई प्रस्ताव दिए हैं। रिवाइज्ड रिटर्न भरने की अंतिम तारीख 31 दिसंबर से बढ़ाकर 31 मार्च करने का प्रस्ताव है। अतिरिक्त तीन महीनों का लाभ लेने पर फीस देनी होगी- पांच लाख से अधिक आय पर 5,000 रुपये और पांच लाख या उससे कम आय पर 1,000 रुपये। नॉन-ऑडिट केस, जैसे छोटे बिजनेस और ट्रस्ट के लिए रिटर्न फाइल करने की ड्यू डेट 31 जुलाई से बढ़ाकर 31 अगस्त की गई है, जबकि सैलरीड वर्ग के लिए आईटीआर-1 और आईटीआर-2 की तारीख 31 जुलाई ही रहेगी।

विदेश टूर पैकेज पर टैक्स कितना कम?

विदेशी यात्रा के टूर पैकेज पर TCS (Tax Collected at Source) में बड़ा बदलाव किया है, जिससे यात्रियों पर खर्च कम होगा। पहले विदेशी टूर पैकेज पर 10 लाख रुपये तक 5% TCS और 10 लाख से अधिक पर 20% TCS लगता था। अब सरकार ने इसे सिर्फ 2% TCS कर दिया है, चाहे पैकेज की कीमत कितनी भी हो। 10 लाख रुपये की थ्रेशोल्ड लिमिट भी हटा दी गई है। यानी अब सभी विदेशी टूर पैकेज पर केवल 2% TCS ही लागू होगा। जमा किया गया TCS रिफंडेबल है और आईटीआर फाइल करते समय रिफंड लिया जा सकता है।

विदेश पैसा भेजने पर कितना टैक्स लगेगा?

पढ़ाई या इलाज के लिए विदेश पैसा भेजने पर अब कम टैक्स लगेगा। अभी जब कोई व्यक्ति पढ़ाई या इलाज के लिए फॉरेन रेमिटेंस करता था तो उस पर 5% टीसीएस लगता था। शिक्षा और मेडिकल के अलावा किसी और काम के लिए पैसा भेजने पर 20% टीसीएस अप्लाई होता है। सरकार ने शिक्षा और मेडिकल के ट्रीटमेंट के लिए टीसीएस रेट को 2% करने का प्रस्ताव किया है। इसके अलावा किसी और मकसद के लिए टीसीएस 20% ही रहेगा। अगर पैसा एजुकेशन के लिए लोन के जरिए भेजा जा रहा है तो इस पर टीसीएस रेट अब भी 0.5% ही रहेगा जैसा पहले था।

फॉरेन असेट घोषित करने के लिए क्या स्कीम आई है?

सरकार ने टैक्सपेयर्स के फायदे के लिए फॉरेन असेट्स ऑफ स्मॉल टैक्सपेयर्स डिस्क्लोजर स्कीम 2026 पेश की है। इसका उद्देश्य उन ईमानदार टैक्सपेयर्स को मौका देना है जिनके पास सीमित मूल्य की विदेश संपत्ति या आय है और जो रिपोर्टिंग में चूक गए। इस स्कीम में 31 मार्च 2026 को एक करोड़ रुपये तक की वैल्यू वाली फॉरेन असेट या इनकम शामिल होगी। अगर असेट का स्रोत साफ है लेकिन रिपोर्ट मिस हुई है, तो लिमिट पांच करोड़ रुपये तक होगी। अनडिस्क्लोज्ड इनकम घोषित करने पर 30% टैक्स और 30% अतिरिक्त देना होगा, यानी कुल 60%।

ऑडिट रिपोर्ट देर से जमा पर क्या नियम बदले?

सरकार ने ऑडिट रिपोर्ट देर से जमा करने पर लगने वाले जुर्माने के नियमों में बदलाव किया है। पहले अधिकतम पेनल्टी 1,50,000 रुपये तक थी, जिसे अब घटाकर 75,000 रुपये कर दिया गया है। नए प्रावधान के अनुसार, यदि ऑडिट रिपोर्ट देरी से लेकिन एक महीने के भीतर जमा कर दी जाती है, तो 75,000 रुपये शुल्क देना होगा। एक महीने के बाद जमा करने पर 1,50,000 रुपये का शुल्क लागू रहेगा। इस राशि को अब 'पेनल्टी' की जगह 'फीस' माना जाएगा, जिससे कारोबारी इसे खर्च के रूप में दिखाकर टैक्स में कटौती का लाभ ले सकेंगे।

कोऑपरेटिव सोसायटी, मेंबर्स के लिए क्या फायदा?

सहकारी समितियां भी कंपनियों या अन्य सहकारी समितियों में निवेश कर डिविडेंड प्राप्त करती हैं। मौजूदा नियमों में कंपनी से मिला डिविडेंड संबंधित सहकारी समिति के हाथ में टैक्सेबल माना जाता है, जबकि दूसरी सहकारी समिति से मिला डिविडेंड विशेष कटौती के लिए पात्र होता है। अब तक यह कटौती केवल ओल्ड टैक्स रेजीम चुनने वाली समितियों को मिलती थी। प्रस्ताव है कि यह लाभ न्यू टैक्स रेजीम में भी मिलेगा, बशर्ते प्राप्त डिविडेंड आगे सदस्यों में वितरित किया जाए। यह बदलाव समितियों और उनके सदस्यों, दोनों के लिए फायदेमंद माना जा रहा है।

टीडीएस को लेकर कौन से बदलाव हुए हैं?

इनकम टैक्स ऐक्ट 2025 के तहत कम या निल टीडीएस सर्टिफिकेट के लिए अब प्रक्रिया आसान होगी। पहले टैक्सपेयर को असेसिंग अफसर के पास आवेदन देना पड़ता था, जो संतुष्टि पर सर्टिफिकेट जारी करता था। अब आवेदन ऑनलाइन किया जा सकेगा और प्राधिकरण डिजिटल जांच कर निर्णय लेगा। पात्रता और प्राधिकरण को सीबीडीटी नोटिफाई करेगी। यह बदलाव 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। इमूवेबल प्रॉपर्टी खरीद में भी राहत है। नॉन-रेजिडेंट विक्रेता के मामले में टीडीएस के लिए TAN की अनिवार्यता हटेगी। अब खरीदार केवल PAN के आधार पर टीडीएस काट सकेगा।

एक्सपर्ट व्यू

सीए सुशील अग्रवाल, इनकम टैक्स एक्सपर्ट

नए इनकम टैक्स ऐक्ट 2025 का उद्देश्य नियम सरल बनाना है। आयकर स्लैब वही रहेंगे, कोई नई छूट नहीं। कानून में सुधार, पेनल्टी सरल, शेयर और TCS नियम बदलकर कारोबार आसान बनाने की कोशिश की गई है।

AI Image

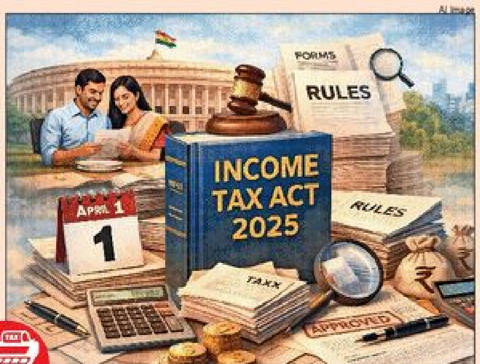

नया इनकम टैक्स ऐक्ट 2025 एक अप्रैल से लागू होगा। अभी यह ऐक्ट पार्लियामेंट से पास हो चुका है और नोटिफाई भी हो चुका है, लेकिन कोई भी ऐक्ट तब तक लागू नहीं हो सकता जब तक उससे जुड़े रूल्स-रेगुलेशन और फॉर्म्स को भी जारी किया नहीं जाता। वित्त मंत्री ने आश्वासन दिया है कि यह रूल्स और फॉर्म्स जल्दी ही जारी कर दिए जाएंगे और नए ऐक्ट के लागू होने की तिथि को नहीं बढ़ाया जाएगा। जहां तक इसके लागू होने से पड़ने वाले फर्क की बात करें तो इससे इनकम टैक्स के प्रावधानों में कोई बदलाव नहीं आएगा।

नए ऐक्ट में सभी प्रावधानों को सलीके से पेश किया गया है। पहले यह कई सेक्शनों में अलग-अलग बिखरे हुए थे, अब एक बात को पूरी तरह से एक जगह पर ही कह दिया गया है। इससे सेक्शन कम हो गए। इसके अलावा भाषा को भी सरल किया गया है। ऐसा अनुमान है कि रूल्स और फॉर्म्स को भी आसान रखा जाएगा ताकि मुकदमेबाजी ना हो।

इस बार के बजट में सामान्य व्यक्ति (साधारण करदाता) को टैक्स छूट के रूप में कोई नई राहत नहीं दी गई है। आयकर के जो स्लैब पिछले वर्ष तक लागू थे, वही आगामी वर्ष में भी लागू रहेंगे। वास्तव में, किसी को अतिरिक्त छूट की विशेष उम्मीद भी नहीं थी, क्योंकि पिछले वर्ष ही नए टैक्स रेजीम में 12 लाख रुपये तक की आय को टैक्स के दायरे से बाहर कर दिया गया था, जो अपने आप में एक बहुत बड़ी राहत थी। इसलिए इस वर्ष किसी और बड़ी राहत की अपेक्षा करना उचित नहीं माना जा सकता।

हालांकि, कई सुझाव और प्रयास किए जा रहे थे, जैसे- नए टैक्स रेजीम में हाउसिंग लोन के ब्याज पर छूट दी जाए, स्टैंडर्ड डिडक्शन की राशि बढ़ाई जाए, शेयरों पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (LTCG) की बेसिक एग्जेम्प्शन लिमिट को 1.25 लाख रुपये से बढ़ाकर 2 लाख रुपये किया जाए, पति और पत्नी की जॉइंट इनकम पर टैक्स लगाने से संबंधित प्रावधान लाए जाएं आदि। लेकिन इस बार के बजट में इनमें से कोई भी प्रावधान शामिल नहीं किया गया।

इस बजट का मुख्य उद्देश्य कोर्ट-कचहरी के मामलों को कम करना और कारोबार करना आसान बनाना है। सरकार कई नियमों को सरल बना रही है। छोटे-मोटे अपराधों को आपराधिक श्रेणी से हटाकर केवल जुर्माना बनाया जाएगा। कुछ पेनल्टी अब फीस की तरह ली जाएंगी। शेयर बाय-बैक के नियम बदले जाएंगे। TCS नियमों में राहत दी गई है, जबकि शेयर बाजार लेनदेन पर STT थोड़ा बढ़ाया गया है। इससे बिजनेस माहौल बेहतर करने की कोशिश है।

वहीं, बजट 2026 में क्रिप्टो एसेट लेनदेन की गलत या अधूरी रिपोर्टिंग पर सख्ती का प्रस्ताव है। एक्सचेंज, मार्केटप्लेस जैसी संस्थाओं को तय विवरण देना होगा। स्टेटमेंट न देने पर 200 प्रतिदिन जुर्माना लगेगा। गलत जानकारी देने और सुधार न करने पर 50,000 की पेनल्टी प्रस्तावित है। इसका मकसद पारदर्शिता बढ़ाना और गैर-अनुपालन रोकना है।

इस तरह होगी टैक्स की गणना

मौजूदा समय में इनकम टैक्स कैलकुलेशन के लिए ओल्ड और न्यू दो टैक्स रेजीम हैं। इनके स्लैब जस के तस रखे गए हैं। आप जिस भी रेजीम को फॉलो कर रहे हैं उसके हिसाब से टैक्स की गणना अब भी पहले की तरह ही होती रहेगी। यहां पेश हैं दोनों रेजीम के टैक्स स्लैब।

न्यू टैक्स रेजीम

नया टैक्स स्लैब	टैक्स रेट
0-4 लाख रुपये	Nil
4-8 लाख रुपये*	5%
8-12 लाख रुपये*	10%
12-16 लाख रुपये	15%
16-20 लाख रुपये	20%
20-24 लाख रुपये	25%
24 लाख रुपये ऊपर	30%

*नोट: *न्यू टैक्स रेजीम में 4-8 लाख पर 5% टैक्स और 8-12 लाख पर लगने वाला 10% सरकार सीधे माफ कर देती है।*

ओल्ड टैक्स रेजीम

टैक्स स्लैब	टैक्स रेट
2.5 लाख तक	Nil
2.5 से 5 लाख तक	5%
5 से 10 लाख तक	20%
10 लाख से अधिक	30%

4 टैक्स स्लैब, 30% तक टैक्स

SITUATIONSHIP सिचुएशनशिप

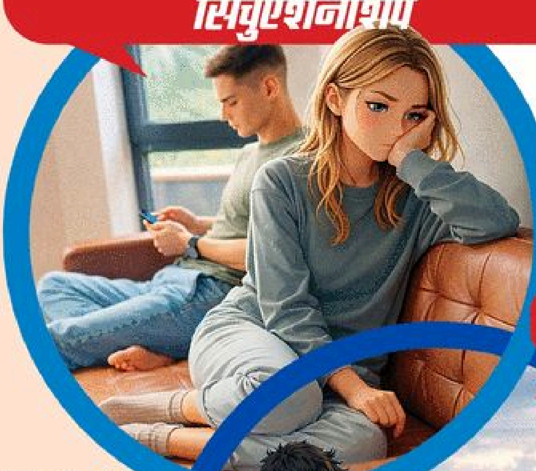

न कमिटमेंट और ना दूरी

सिचुएशनशिप (Situationship) असल में एक अनौपचारिक रिश्ता होता है, ना पूरी तरह कमिटमेंट, ना पूरी तरह दूरी। यानी साथ भी है, लेकिन साफ नहीं कि किस हैसियत से। रिश्तों के संदर्भ में:

- बॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड जैसा व्यवहार, लेकिन कोई स्पष्ट स्टेटस नहीं
- भविष्य को लेकर अनिश्चितता, सुविधा है, पर जिम्मेदारी नहीं।
- फायदे हैं, लेकिन वादे नहीं।

Gen-Z की भाषा

इकॉनमी का 'बीच का खेल'

इकॉनमी में यह शब्द रूपक (metaphor) की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। ग्रोथ और मंदी के बीच की हालत यानी जब इकॉनमी मंदी में भी नहीं, तेज विकास में भी नहीं तो कहा जा सकता है: Economy is in a situationship with growth। इसका अर्थ संभावनाएं हैं, पर भरोसा नहीं। इकॉनमी में situationship का मतलब है ऐसी स्थिति जहां उम्मीद, अनिश्चितता साथ-साथ चल रही हो।

सॉवरेन गोल्ड बॉण्ड पर क्या बदला?

सरकार ने सॉवरेन गोल्ड बॉण्ड (SGB) पर कैपिटल गेन टैक्स छूट के नियम स्पष्ट और सीमित करने का फैसला किया है। यह छूट केवल उन्हीं निवेशकों को मिलेगी जिन्होंने SGB को मूल इश्यू के समय सब्सक्राइब किया और मैच्योरिटी तक होल्ड किया।

फॉर्म 15G और 15H पर नियम

फॉर्म 15G और 15H जमा करने की प्रक्रिया सेंट्रलाइज होगी। अलग-अलग कंपनियों में निवेश रखने वालों को बार-बार फॉर्म नहीं भरना पड़ेगा। NSDL और CDSL डिपॉजिटरी एक ही प्लेटफॉर्म पर ये फॉर्म स्वीकार करेंगी।

BENCHING बेंचिंग

खेल नहीं, रिश्तों की नई भाषा

बेंचिंग शब्द भी आजकल रिश्तों से लेकर इकॉनमी तक एक तेज और अर्थपूर्ण रूपक बन चुका है। चलिए इसे उसी अंदाज में समझते हैं।

*किसी को पूरी तरह छोड़ा नहीं, लेकिन प्राथमिकता भी नहीं। यानी **Backup option** बनाकर रखना*

- ना साथ, ना विदाई = Emotional benching

वैसे Benching की जड़ खेल (क्रिकेट/फुटबॉल) से है। खिलाड़ी टीम में है, मैदान पर नहीं और जरूरत पड़ने पर उतारा जा सकता है। यानी रिजर्व में रखना।

Skill है, Demand नहीं

*मिसाल के तौर पर स्किल्ड मैनपावर उपलब्ध है लेकिन **demand** कमजोर है या टेक्नोलॉजी ट्रांजिशन चल रहा है। यानी **Talent** है, लेकिन उपयोग नहीं = **Benched economy***

- इसी तरह कंपनियों के पास पैसा है, बैलेंस शीट मजबूत है, लेकिन निवेश टाल रही है
- यानी पैसा मैदान में नहीं उतर रहा= Capital on the bench
- वित्त मंत्री ने टैक्स स्लैब में कोई चेंज ना करके यह संदेश देने की कोशिश की है कि ये बदलाव इस साल उनकी प्राथमिकता में नहीं थे।

राहत आयकर कानून में बड़ा सुधार, टैक्सपेयर्स की आसानी मकसद

सज़ा की अवधि में कटौती, कई मामले अपराध की कैटिगरी से बाहर

एक्सपर्ट व्यू

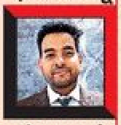

सीए लक्ष्य शर्मा, इनकम टैक्स एक्सपर्ट

■ सरकार ने आयकर कानून के तहत दंड प्रावधानों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं, जिससे करदाताओं को बड़ी राहत मिली है। पहले जहां कुछ मामलों में सात साल तक की कैद का प्रावधान था, उसे अब घटाकर अधिकतम दो साल कर दिया गया है। नए नियमों के अनुसार, अगर टैक्स की राशि 10 लाख रुपये तक है तो किसी प्रकार की कैद नहीं होगी। वहीं 10 लाख से 50 लाख रुपये तक के मामलों में अधिकतम छह महीने की सजा का प्रावधान रखा गया है और इससे अधिक राशि पर दो साल तक की कैद हो सकती है।

इसके अलावा टीडीएस का भुगतान न करने पर भी अब अधिकतम सजा दो साल तक सीमित कर दी गई है। सरकार ने कुछ अपराधों को पूरी तरह से डिक्रिमिनलाइज भी कर दिया है, जैसे ऑनलाइन गेम्स, लॉटरी और क्रॉसवर्ड पजल्स से होने वाली जीत पर टीडीएस काटना भूल जाने पर पहले सात साल तक की सजा थी, जिसे अब समाप्त कर दिया गया है। यह कदम कर व्यवस्था को सरल और व्यावसायिक अनुकूल बनाने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

AI Image

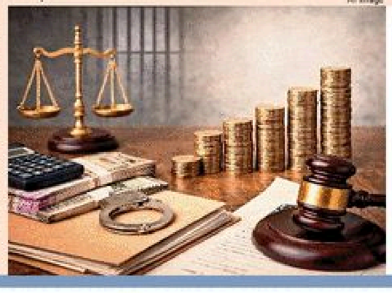

ईपीएफ से जुड़े मामलों में मुकदमेबाज़ी पर क्या असर होगा?

कर्मचारियों से काटा गया ईपीएफ एम्प्लॉयर को ईपीएफ खाते में जमा करना होता है। अगर वह समय पर जमा नहीं करता तो वह इनकम में जोड़ना पड़ता है। जमा करने की ड्यू डेट ईपीएफ के प्रावधानों से ली जाती थी। अगर जमा करने में एक दिन की भी देरी होती थी तो टैक्स देना पड़ता था। इनकम टैक्स के दूसरे प्रावधानों में किसी भी सरकारी ड्यू को रिटर्न भरने की डेट से पहले जमा कर देने पर उसे इनकम में नहीं जोड़ा जाता था। इस विषय को लेकर काफी मुकदमेबाजी होती थी। अब यह फैसला लिया गया है कि ड्यू डेट रिटर्न भरने की डेट मानी जाएगी। इससे मुकदमेबाजी खत्म होगी।

एक्सिडेंट क्लेम मुआवज़े पर ब्याज भी टैक्स फ्री

बजट में मोटर एक्सिडेंट क्लेम्स ट्रिब्यूनल (MACT) से जुड़े पीड़ितों को इनकम टैक्स में राहत दी गई है। ट्रिब्यूनल के ऑर्डर से मिलने वाली मूल मुआवजा राशि पहले से ही टैक्स फ्री थी, लेकिन जब राशि देर से मिलती थी और उस पर कुछ ब्याज मिलता था तो उस ब्याज को अन्य स्रोतों से आय मानकर टैक्स लगाया जाता था। उस ब्याज पर टीडीएस भी काटा जाता था। नए प्रावधान के तहत सरकार ने इस ब्याज को पूरी तरह आयकर से मुक्त कर दिया है। इस पर टीडीएस भी नहीं काटा जाएगा। MACT द्वारा दिए गए मुआवजे के ब्याज पर टीडीएस लागू हो या नहीं? यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट में भी पेंडिंग है। 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने मोटर दुर्घटना दावों में 50,000 से अधिक मुआवजे के ब्याज पर टीडीएस लागू करने के मामले में केंद्र सरकार से विचार मांगे थे।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 02-02-2026 Zone: Noida Edition: 2 Page: NBTNDJK3 User: rajesh.mishra@timesofindia.com Time: 02-01-2026 23:45 Color:

फिल्म की कमाई...

Gen Z के दौर की पहली सुपरहिट बॉलिवुड फिल्म सैयारा की कमाई करीब 500 करोड़ रुपये।

UNION BUDGET 2026-27

860 बिलियन डॉलर

2025 में देश में वस्तुओं के कंजम्पशन में Gen Z का हिस्सा 860 बिलियन डॉलर।

फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट्स पर STT 0.02% से बढ़ाकर 0.05% करने का प्रस्ताव

F&O पर लगने वाला टैक्स दोगुने से भी ज्यादा, सेंसेक्स में भारी गिरावट

हम चुप नही रह सकते

बढ़ोतरी सट्टेबाजी को कम करने और लोगों को दूर रखने के लिए की गई है। हम F&O ट्रेड के खिलाफ नहीं हैं। छोटे निवेशकों को नुकसान हो रहा है, तो हम चुप कैसे रह सकते हैं? *–सीतारमण, वित्त मंत्री*

फ्यूचर्स एक रिस्क मैनेज करने वाला प्रोडक्ट है, यह सट्टेबाजी का मुख्य जरिया नहीं है। ऐसे में टैक्स बढ़ाने से सट्टा रुकेगा या सिर्फ बाजार में लोगों की भागीदारी कम हो जाएगी, यह बड़ा सवाल है। *–प्रणव हरिदासन, एक्सिस सिक्योरिटीज, CEO*

STT में इजाफा!

कितना इजाफा

F&O सेगमेंट में सट्टेबाजी को कम करने के लिए STT (टैक्स) में भारी इजाफा।

फ्यूचर्स STT:	ऑप्शंस STT:	बायबैक पर टैक्स:
0.02% से बढ़ाकर 0.05% किया गया (150% की वृद्धि)।	0.1% / 0.125% से बढ़ाकर 0.15% किया गया (करीब 50% की वृद्धि)।	अब बायबैक से होने वाले मुनाफे को 'कैपिटल गेन्स' माना जाएगा।

असर: F&O में ट्रेड करना पहले से महंगा होगा।

शेयर बाजार पर असर

सेंसेक्स की गिरावट 1.88% 1,546.84 अंक

निफ्टी की गिरावट 1.96% 495.20 अंक

₹11 लाख करोड़ करीब मार्केट कैप लॉस

■ **2014** में नरेंद्र मोदी सरकार के आने के बाद से अब तक कुल 15 बार बजट पेश किया जा चुका है। 15 बजट वाले दिनों में से 8 बार सेंसेक्स गिरावट के साथ बंद हुआ है।

एक्सपर्ट व्यू

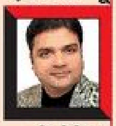

सीए निखिल गुप्ता, टैक्स एक्सपर्ट

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को डेरिवेटिव्स (F&O) पर सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (STT) बढ़ाने का प्रस्ताव रखा है। इस कदम का मकसद फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस सेगमेंट में होने वाली हद से ज्यादा सट्टेबाजी पर लगाम लगाना है।

■ **वित्त मंत्री** निर्मला सीतारमण द्वारा डेरिवेटिव्स (F&O) पर सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (STT) बढ़ाने के प्रस्ताव के बाद रविवार को शेयर बाजार के प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में करीब 2 प्रतिशत की भारी गिरावट आई। शुरुआती बढ़त को गंवाते हुए सेंसेक्स दोपहर के कारोबार में 2,370.36 अंक (2.88%) तक टूट गया। वित्त मंत्री द्वारा फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट्स पर STT को 0.02 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.05 प्रतिशत करने के ऐलान के बाद सेंसेक्स 80,000 के स्तर से नीचे गिरकर 79,899.42 पर आ गया। बाजार बंद होने तक सेंसेक्स 1,546.84 अंक (1.88%) की गिरावट के साथ 80,722.94 पर रहा।

अपने बजट भाषण में सीतारमण ने कहा कि फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट्स पर STT को 0.02 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.05 प्रतिशत किया जाएगा। उन्होंने कहा, ऑप्शंस प्रीमियम और ऑप्शंस एक्सरसाइज पर लगने वाले टैक्स को भी मौजूदा 0.1 प्रतिशत और 0.125 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.15 प्रतिशत करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा, सीतारमण ने घोषणा की कि अब सभी तरह के शेयरधारकों के लिए 'शेयर बायबैक' से मिलने वाले पैसे पर "कैपिटल गेन्स" के तौर पर टैक्स लगेगा।

शेयर बाजारों में रविवार को 'बजट डे' का विशेष ट्रेडिंग सेशन रखा गया था। इस घोषणा के बाद शेयर बाजार बुरी तरह हिल गया। सेंसेक्स 1,546.84 अंक (1.88%) की गिरावट के साथ 80,722.94 पर आ गया। वहीं, निफ्टी 495.20 अंक (1.96%) गिरकर 24,825.45 पर बंद हुआ।

रिटेल निवेशकों के लिए कदम: FM

■ वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि F&O पर सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (STT) बढ़ाने का मकसद जोखिम भरी सट्टेबाजी को रोकना है। उन्होंने कहा कि सरकार उन भोले-भाले निवेशकों को बचाना चाहती है, जो डेरिवेटिव मार्केट (F&O) में भारी पैसा गंवा रहे हैं। बजट के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सीतारमण ने कहा कि सरकार डेरिवेटिव कारोबार के खिलाफ नहीं है। लेकिन वह चाहती है कि बड़ा घाटा उठाने वाले छोटे निवेशक सट्टेबाजी वाले F&O बाजार से दूर रहें। सीतारमण ने कहा, टैक्स में यह मामूली बढ़ोतरी सिर्फ सट्टेबाजी को कम करने और लोगों को इससे दूर रखने के लिए की गई है।

■ **निवेशकों की सुरक्षा:** सेबी की रिपोर्ट के मुताबिक 90% से ज्यादा रिटेल निवेशकों को F&O में घाटा होता है, सरकार उन्हें इससे बचाना चाहती है।

■ **कैश मार्केट पर नहीं:** टैक्स यह की बढ़त केवल F&O पर है। सीधे शेयर खरीदने-बेचने (कैश मार्केट) पर इसका कोई असर नहीं होगा।

बढ़ोतरी से ब्रोकरेज कंपनियों की बढ़ी टेंशन

■ बाजार के दिग्गजों ने चेतावनी दी है कि STT बढ़ाने का कदम उल्टा पड़ सकता है। इससे बाजार में नकदी की कमी हो सकती है और विदेशी निवेशक भारत छोड़कर एशिया के दूसरे बाजारों की तरफ भाग सकते हैं।

जानकारों का कहना है कि जब डेरिवेटिव्स (F&O) पर टैक्स बढ़ता है, तो वहां ट्रेडिंग कम हो जाती है। इसका सीधा असर कैश मार्केट (शेयरों की खरीद-बिक्री) पर भी पड़ता है। जब बाजार में पैसा कम घूमता है, तो विदेशी निवेशक (FIIs) ज्यादा रिस्क नहीं लेना चाहते और अपना पैसा दूसरे देशों में ले जाते हैं।

SAMCO ग्रुप के फाउंडर और सीईओ निमेश मेहता ने कहा कि जब भारत को विदेशी पैसा चाहिए, तब ट्रेडिंग की लागत बढ़ाना गलत संदेश देता है। डेरिवेटिव मार्केट सिर्फ सट्टा लगाने की जगह नहीं है, यह बाजार का इंजन है जो कीमतों को सही रखने में मदद करता है।

ब्रोकरेज शेयरों में हड़कंप: टैक्स बढ़ने की खबर से ब्रोकरेज और एक्सचेंज कंपनियों (BSE, Angel One) के शेयर 9% तक टूट गए।

लिक्विडिटी का संकट: टैक्स बढ़ने से बाजार में ट्रेडिंग वॉल्यूम घटेगा, जिससे नकदी की कमी हो सकती है।

बदलाव का प्रस्ताव

शेयर बायबैक पर 'कैपिटल गेन्स' टैक्स

■ **छोटे निवेशकों** के हितों की रक्षा करने और प्रमोटर्स द्वारा टैक्स बचाने के खेल (टैक्स आर्बिट्राज) को रोकने के लिए, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को शेयर बायबैक के टैक्स नियमों में बड़े बदलाव का प्रस्ताव रखा है। बजट पेश करते हुए सीतारमण ने कहा कि अब सभी तरह के शेयरधारकों के लिए बायबैक से होने वाली कमाई पर 'कैपिटल गेन्स' के तौर पर टैक्स लगेगा। टैक्स चोरी या हेराफेरी को रोकने के लिए प्रमोटर्स पर अलग से 'बायबैक टैक्स' लगाने का सुझाव दिया गया है। इसके बाद, कॉर्पोरेट्स प्रमोटर्स (कंपनियां) के लिए प्रभावी टैक्स दर बढ़कर 22 प्रतिशत और नॉन-कॉर्पोरेट प्रमोटर्स के लिए 30 प्रतिशत हो जाएगी। सीतारमण ने कहा, बायबैक टैक्स के नियमों में यह बदलाव इसलिए किया गया है ताकि प्रमोटर्स बायबैक के रास्ते का गलत इस्तेमाल न कर सकें। जानकारों का कहना है कि जब कोई कंपनी अपने ही शेयर शेयरधारकों से वापस खरीदती है, इसे Buy Back of Shares कहते हैं।

(प्रस्तुति : सान्या मिश्रा)

अमेरिका के साथ ट्रेड डील पर रहेगी नजर

शेयर मार्केट में अब कहां से बनेगा पैसा?

■ मृत्युंजय राय

नई दिल्ली : पिछले डेढ़ साल से भारतीय शेयर बाजार विदेशी निवेशकों की बिकवाली की वजह से दबाव में है। जब तक कोई बड़ा ट्रिगर नहीं मिलता, तब तक इसकी यही हालत रहेगी। बजट में अगर विदेशी निवेशकों के लिए खास ऐलान किए गए होते तो वह एक ट्रिगर का काम कर सकता था। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब नया ट्रिगर अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के ऐलान की शक्ल में आ सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप इसका संकेत कई बार दे चुके हैं, लेकिन बीच-बीच में कई नकारात्मक बातें भी उनकी सरकार की ओर से होती रही हैं, जिनसे इस समझौते को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

मार्केट के लिए बजट में सबसे बड़ा नेगेटिव फ्यूचर्स ऐंड ऑप्शंस पर STT में 150% की बढ़ोतरी है। इससे हाई फ्रीक्वेंसी ट्रेड में कमी आएगी, जिसका बाजार के वॉल्यूम पर बुरा असर पड़ेगा। छोटे निवेशकों के लिए राहत की एक खबर बायबैक पर कैपिटल गेन टैक्स लगाने का ऐलान है, लेकिन उसमें भी इंडिविजुल प्रमोटर्स और प्रमोटर एंटिटी के लिए टैक्स दरें अलग रखी गई हैं। इससे कंपनियों के प्रमोटरों में निराशा है।

बाजार के लिए अच्छी बात मजबूत मैक्रो-इकॉनमी है। वित्त वर्ष 2027 में सरकार ने ग्रोथ के 7% रहने का अनुमान लगाया है। फिस्कल डेफिसिट में कमी का वादा भी उन्होंने पूरा किया है। साथ ही, सरकार ने वित्त वर्ष 2027 में इसे GDP के 4.3% तक रखने की बात कही है। हालांकि, रुपये की हालत कमजोर बनी हुई है। भारतीय इकॉनमी की एक बड़ी दिक्कत काफी समय से प्राइवेट इन्वेस्टमेंट में कमी रही है। इसलिए ग्रोथ की जिम्मेदारी सरकारी खर्च बढ़ाकर ही की जा सकती थी। सरकार ने बजट में इसका ख्याल रखा है। कैपिटल एक्सपेंडिचर की रकम को करीब 10% बढ़ाया गया है। लेकिन सवाल यह है कि क्या इस पर अमल होगा? इस पर संदेह बना हुआ है। भारतीय इकॉनमी की ताकत कंजम्पशन है, लेकिन इसकी ग्रोथ बड़े पैमाने पर रोजगार के मौके बनने से जुड़ी है। कंजम्पशन में बढ़ोतरी हो तो प्राइवेट इन्वेस्टमेंट में भी इजाफा होगा। इधर, मेक इन इंडिया को बढ़ाने के लिए कई सेक्टर्स में परफॉर्मेंस लिंक्ड इन्सेंटिव जैसी योजनाओं पर सरकार का जोर रहा है, जिसे इस बजट में भी बढ़ाया गया है। कई देशों से व्यापार समझौते से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में मजबूती के अनुमान लगाए जा रहे हैं।

150% *की बढ़ोतरी है मार्केट के लिए बजट में सबसे बड़ा नेगेटिव फ्यूचर्स ऐंड ऑप्शंस पर STT में*

DELULU IS THE SOLULU ख़याली दुनिया

हकीकत नहीं, तो कल्पना सहारा

■ Delulu = Delusional (खयाली दुनिया) और Solulu = Solution (हल)। मतलब अगर हकीकत मदद नहीं कर रही, तो कल्पना सहारा है।

यह जुमला कहता है:

- ■ खुद पर अति-विश्वास
- ■ पॉजिटिव भ्रम
- ■ Manifest कर लो, हो जाएगा

Reality से भागना नहीं, Reality को ignore करके motivate होना।

इकॉनमी के संदर्भ में

जब जमीनी आंकड़े कमजोर हों, लेकिन नैरेटिव कहे सब ठीक है। उम्मीद के सहारे भरोसा बनाए रखना = Delulu-driven confidence.

■ पब्लिक पॉलिसी के लिहाज से ऐसे देख सकते हैं कि सुधारों के नतीजे समय लेते हैं, जनता को धैर्य चाहिए। यानी Optimism sell किया जाता है = Narrative management

लेकिन यह तब खतरनाक हो जाता है जब: ■ Delulu, data को replace कर दे, Narrative, reality से कट जाए तब Solulu illusion बन जाता है।

GHOSTING गोस्टिंग

न संकेत, न उम्मीद, बस सन्नाटा

यह इस सीरीज का सबसे सबसे सख्त और सबसे खामोश शब्द है—जहां न संकेत, न उम्मीद, बस सन्नाटा।

- ■ Ghosting = भूत बन जाना
- ■ अचानक जवाब बंद
- ■ कॉल, मैसेज, सब गायब
- ■ यानी ना हां, ना ना – सीधा अदृश्य

डिमांड गायब हो जाए

उपभोक्ता और बाजार के संदर्भ में अगर अचानक डिमांड गायब हो जाए, सेंटिमेंट पलट जाए और फुटफॉल सूख जाए तो यह किसी कंपनी के लिए कंस्यूमर घोस्टिंग वाले हालात हो जाएंगे।

■ इसी तरह सरकार और योजनाएं के संदर्भ में देखें तो अगर योजना की घोषणा हो और शुरुआती चर्चा के बाद फिर जिक्र तक नहीं हो तो लगेगा कि योजना तो सिर्फ कागजों पर ही मौजूद है, इसे पॉलिसी घोस्टिंग कहेंगे।

जहाज खरीदने पर छूट की अवधि में इजाफा

■ भारतीयों को जहाज खरीदने और उनका रजिस्ट्रेशन भारत में ही कराने के लिए, सीतारमण ने गिफ्ट सिटी (IFSC) की इकाइयों के लिए टैक्स छूट की अवधि 10 साल से बढ़ाकर 20 साल कर दी है। इसके बाद इन पर 15 प्रतिशत टैक्स लगेगा।

ऑरेंज इकॉनमी इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नॉलजी (मुंबई) करेगा मदद

20 लाख जॉब का टारगेट

Bhupender.Sharma@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण में ऑरेंज इकोनॉमी का जिक्र करते हुए कहा कि भारत का एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (AVGC) क्षेत्र एक तेजी से बढ़ता हुआ उद्योग है, जिसमें वर्ष 2030 तक लगभग 20 लाख पेशेवरों की आवश्यकता होने का अनुमान है। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजी (मुंबई) देश में 15 हजार हाई स्कूल और 500 कॉलेजों में एवीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब (सीसीएल) स्थापित करने में सहयोग करने में मदद करेगा।

इस प्रोजेक्ट का मकसद AVGC सेक्टर के लिए दो मिलियन प्रोफेशनल्स तैयार करना है।

बजट 2026 में वित्त मंत्री के बजट भाषण से यह स्पष्ट है कि 'ऑरेंज इकोनॉमी' को भारत की नई आर्थिक शक्ति के रूप में पहचान दी है।

15 हजार हाई स्कूल, 500 कॉलेजों में सीसीएल स्थापित करने में मदद

सेमीकंडक्टर में ऊंची छलांग | **दक्षिण भारत में बनेगा रेयर अर्थ कॉरिडोर**

40 हजार करोड़ का बूस्टर और सेमीकंडक्टर मिशन से बदलेगी देश की सूरत

Alpyu.Singh@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** भारत सेमीकंडक्टर के सेक्टर में दुनिया के चार टॉप देशों में आने के लिए कई कोशिशें कर रहा है। इस बजट में सरकार का ये रोडमैप दिखता है। रविवार को वित्तमंत्री ने सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 (ISM) के लॉन्च की घोषणा की है। 2021 में लॉन्च की गई इलेक्ट्रोनिक मैन्युफैक्चरिंग स्कीम को भी बड़ा प्रोत्साहन देने की घोषणा की गई। अपने संबोधन में वित्तमंत्री ने कहा कि ISM 1.0 की कामयाबी के आधार पर ही ISM 2.0 शुरू किया जा रहा है। सेमीकंडक्टर सेक्टर में दो बड़े ऐलान हुए हैं जो इंडिया स्टैक और IP से जुड़े मामलों को बेहतर बनाएंगे।

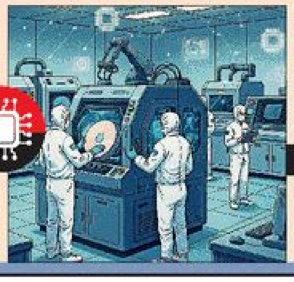

दक्षिणी राज्यों पर फोकस

इलेक्ट्रॉनिक्स और रिन्यूएबल एनर्जी में इस्तेमाल होने वाले रेयर अर्थ के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के दिशा में आगे बढ़ने के लिए सरकार ने बजट में अहम कदम बढ़ाया है। सरकार ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु जैसे खनिजों से भरपूर राज्यों में रेयर अर्थ कॉरिडोर बनाने में मदद करेगी। इसमें खनन, प्रोसेसिंग, रिसर्च और मैन्युफैक्चरिंग का काम शामिल होगा।

आईटी सर्विसेज, टैक्स हॉलिडे

■ बजट में IT इंडस्ट्री के लिए वित्तमंत्री सीतारमण ने उन कंपनियों के लिए साल 2047 तक टैक्स हॉलिडे का प्रस्ताव रखा है, जो क्लाउड सेवाएं देती हैं। सरकार का मानना है कि लंबी अवधि में टैक्स में राहत देने से निवेश में मदद मिलेगी।

AI से बड़े बदलाव की तैयारी

Hemwati.Rajaura1@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** बजट में नई तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए AI मिशन और नैशनल क्वांटम मिशन का जिक्र किया गया। सरकार ने इसके लिए साझा कंप्यूटर प्लैटफॉर्म तैयार किया है। इसके तहत सस्ते जीपीयू (कंप्यूटर ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट) लोगों को सिर्फ 65 प्रति घंटे में उपलब्ध कराए जा रहे हैं। बजट में भारत-विस्तार नामक मल्टीलिंगुअल एआई टूल का जिक्र किया गया। इसका मकसद है कि एआई सेवाओं का फायदा हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं में आम लोगों तक पहुंचे। एआई को एग्री स्टैक पोर्टल और इंडियन काउंसिल फॉर एग्रीकल्चर रिसर्च के कृषि पैकेज से जोड़ा जाएगा। एआई से इसके जोड़ने पर किसानों को सरकारी सलाह, मौसम, मिट्टी और फसल की सही जानकारी कस्टमाइज तरीके से मिल सकेगी, पैदावार बढ़ेगी और खेती और स्मार्ट बनेगी। एआई आधारित डिजाइन और थ्री डी तकनीकें दिव्यांगों के लिए कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण को ज्यादा सटीक, आरामदायक और व्यक्तिगत बनाएंगी।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 02-02-2026 Zone: Noida Edition: 1 Page: NBTNDJK4 User: cci Time: 02-01-2026 23:29 Color:

Gen Z की शॉपिंग

फैशन कैटिगरी में Gen Z का आधा कंजम्पशन, 65% Gen Z खरीदारी ऑनलाइन कर रहे हैं।

UNION BUDGET 2026-27

निवेश में भी आगे

शेयर बाजार में 39% Gen Z निवेशक, नए निवेशकों में 56% Gen Z इनवेस्टर।

हेल्थ बजट पहली बार एक लाख करोड़ के पार, सस्ते इलाज पर ज़ोर

बायोफार्मा शक्ति से बूस्ट होगी सेहत

Hemwati.Rajaura1
@timesofindia.com

नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने हेल्थ सेक्टर का बजट पहली बार एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा किया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के लिए 1,06,530.42 करोड़ रुपये (कुल बजट का करीब 2%) का प्रावधान किया गया है। इसमें से 1,01,709.21 करोड़ रुपये डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर और 4,821.21 करोड़ रुपये रिसर्च के लिए है। पिछले साल हेल्थ बजट 99,858 करोड़ रुपये था। इस बार 6.68 फीसदी का इजाफा है। सस्ती दवाओं, बेहतर सुविधाएं और रिसर्च पर फोकस किया है।

विदेश पर निर्भरता घटेगी

बजट की सबसे अहम घोषणा बायोफार्मा शक्ति योजना है। इसके तहत पांच साल में दस हजार करोड़ रुपये खर्च कर आधुनिक दवाओं का मजबूत घरेलू ईकोसिस्टम तैयार होगा, ताकि कैंसर, डायबिटीज, ऑटोइम्यून जैसी गंभीर बीमारियों की महंगी दवाएं देश में ही बनें। अभी ये विदेश से आती हैं।

कैंसर की 17 दवाएं सस्ती

कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए भी अच्छी खबर है। सरकार ने कैंसर की 17 दवाओं पर बेसिक कस्टम ड्यूटी पूरी तरह माफ कर दी है। इसके अलावा 7 अन्य गंभीर बीमारियों की दवाओं के निजी आयात पर भी शुल्क से छूट दी गई है।

50% बढ़ेंगी ज़िला अस्पतालों में इमरजेंसी

देशभर के जिला अस्पतालों में इमरजेंसी और ट्रॉमा केयर सुविधाओं को 50 फीसदी तक बढ़ाने का ऐलान किया है। मतलब, सड़क हादसों, दिल के दौरे या अन्य आपात स्थितियों में मरीजों को बेहतर और तेजी से इलाज मिलेगा।

फार्मा शिक्षा, रिसर्च को मजबूती

बायोफार्मा मिशन के तहत देश में तीन नए राष्ट्रीय फार्मास्युटिकल शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (NIPER) खोले जाएंगे। मकसद है कि छात्र और वैज्ञानिक नई दवाओं की खोज में दुनिया के साथ कदम से कदम मिला सकें।

आयुर्वेद : 3 बड़े संस्थान खुलेंगे

सरकार ने आयुष सेक्टर को भी मजबूत करने का फैसला किया है। देश में तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान खुलेंगे। इससे पारंपरिक इलाज पद्धतियों को बढ़ावा मिलेगा और आयुर्वेद से जुड़े शोध व शिक्षा को नई दिशा मिलेगी।

मेंटल हेल्थ के लिए NIMHANS का विस्तार होगा

मानसिक स्वास्थ्य के लिए उत्तर भारत में निम्हंस 2.0 खुलेगा। इससे देश के बड़े हिस्से को बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी। अभी सिर्फ बेंगलुरु में यह संस्थान है। एक हजार क्लिनिकल ट्रायल साइट्स का नेटवर्क बनेगा।

'सिंदूर' के बाद 15% बढ़ा डिफेंस बजट

मॉडर्न होंगी सेनाएं, रिसर्च-डिवेलपमेंट पर फोकस

Poonam.Pandey@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: ऑपरेशन सिंदूर के बाद पेश पहले बजट में भले ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने डिफेंस का अलग से जिक्र नहीं किया, लेकिन इस बार डिफेंस बजट में पिछले साल के मुकाबले करीब 15% की बढ़ोतरी हुई है। कैपिटल खर्च करीब 22% बढ़ा है। कैपिटल खर्च का मतलब वह रकम, जो सैन्य उपकरणों की खरीद, मॉडर्नाइजेशन और इससे जुड़ी चीजों पर खर्च होती है। इस बार भी बजट का सबसे बड़ा हिस्सा रक्षा मंत्रालय को मिला है। डिफेंस बजट GDP का 1.99% और कुल बजट का 14.67% है। 2026-27 के लिए डिफेंस बजट 7.85 लाख करोड़ रुपये रखा गया है, जो पिछले साल 6.81 लाख करोड़ रुपये था। पेंशन के लिए 1.71 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान है। रिसर्च और डिवेलपमेंट के लिए 17,250 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह बजट जनभावनाओं और जनअपेक्षाओं पर खरा उतरता है। उन्होंने बताया कि 7.85 लाख करोड़ रुपये का यह आवंटन ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद देश के डिफेंस सिस्टम को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि तीनों सेनाओं के मॉडर्नाइजेशन के लिए 1.85 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो पिछली बार की तुलना में 24% अधिक है। इससे हमारी सैन्य क्षमता और अधिक सशक्त होगी।

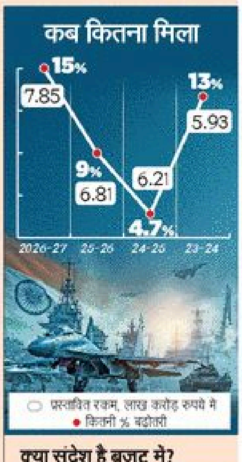

क्या संदेश है बजट में?

दो तरफा खतरों को देखते हुए सैन्य तैयारी और मॉडर्नाइजेशन पर सरकार का फोकस आगे भी बना रहेगा। जो नई चुनौतियों से निपटने की तैयारी को दिखाता है।

निर्मला सीतारमण का यह सबसे कम exciting बजट!

साधारण! इस बार का बजट ऐसा ही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कुल 9 बजट पेश किए हैं। इस बार के बजट को सबसे कम exciting कहा जा सकता है। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' सही रास्ते पर है, लेकिन किसी बड़े सुधार का ऐलान नहीं किया। उदाहरण के तौर पर वह यूरिया पर दी जा रही भारी सब्सिडी में कमी की घोषणा कर सकती थीं। मगर उनका जोर निरंतरता पर रहा। यूं भी वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में ग्रोथ 8% रही है। अगर वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच ग्रोथ मजबूत बनी हुई है, फिर इसे छेड़ा ही क्यों जाए!

बजट के बाद निफ्टी 2% से अधिक फिसला। वजह फ्यूचर्स ऐंड ऑप्शंस पर STT में भारी बढ़ोतरी रही। असल में, सरकार चाहती है कि छोटे निवेशक वायदा बाजार से दूर रहें, जिसमें हाल के वर्षों में काफी तेजी आई है। लेकिन इनमें से 93% को नुकसान हुआ है। मगर दुनिया का तजुर्बा यही सिखाता है कि टैक्स की दरों में बढ़ोतरी कर सट्टेबाजी पर अंकुश नहीं लगाया जा सकता। टैक्स दरों में बढ़ोतरी से ट्रेडिंग कॉस्ट बढ़ती है और इससे छोटे निवेशकों को और नुकसान होता है। STT में बढ़ोतरी के बजाय अगर ऐसे ट्रेड के लिए डिपॉजिट की रकम में इजाफा किया जाता तो छोटे निवेशकों को वायदा बाजार से बाहर रखना कहीं आसान होता।

इस बार के बजट में भी फिस्कल कंसॉलिडेशन यानी राजकोषीय घाटे में कमी का सिलसिला जारी रहा, लेकिन इसकी रफ्तार बहुत धीमी है। वित्त वर्ष 2026 में इसके कुछ कम होकर GDP के 4.4% और अगले साल 4.3% रहने का अनुमान है। केंद्र के debt-GDP रेश्यो के भी 56.1% से घटकर 55.6% रहने का अनुमान वित्त मंत्री ने लगाया है। अगर यही स्पीड रही तो इसे एन. के. सिंह समिति के सुझाव के मुताबिक 40% तक लाने में लंबा वक्त लग सकता है। इसके बावजूद यह मानना होगा कि फिस्कल डेफिसिट की गुणवत्ता बेहतर हो रही है। सरकार ने वित्त वर्ष 2026 में कैपेक्स 11 लाख करोड़ रखा था, जिसे अगले साल 12.2 लाख करोड़ करने की घोषणा की है। इसकी तारीफ की जानी चाहिए। अक्सर, जब कोई सरकार पांच साल के कार्यकाल में पहला बजट पेश करती है, तो उसमें वोटरों को खुश करने की कोशिश होती है। वहीं, कार्यकाल के आखिरी बजट में वोटरों के लिए लोकलुभावन वादे किए जाते हैं। कार्यकाल का तीसरा बजट सख्त सुधारों के लिए मुफीद होता है। इस साल केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में चुनाव हैं और इनमें से कहीं भी मुकाबला करीबी नहीं होगा। इसलिए सख्त उपाय किए भी गए होते तो चुनाव के नतीजों पर उसका बहुत असर नहीं होता।

इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि जरूरत से ज्यादा सब्सिडी के कारण यूरिया की खपत फॉस्फोरिक और पोटैशियम उर्वरकों के मुकाबले अधिक है। बुरी बात यह है कि यूरिया से भूमि की गुणवत्ता बिगड़ती है। भारी सब्सिडी की वजह से यूरिया का डायवर्जन केमिकल इंडस्ट्रीज की ओर होता है या इसे पड़ोसी देशों में स्मगल भी किया जाता है। हालांकि, पहले जब भी यूरिया सब्सिडी में कमी की कोशिश की गई तो किसानों के विरोध के कारण वह नाकाम हो गई। हालांकि, कांग्रेस के वित्त मंत्री के रूप में पी चिदंबरम डीजल पर सब्सिडी, कीमतों में धीरे-धीरे बढ़ोतरी कर खत्म करने में सफल रहे। निर्मला सीतारमण को भी फर्टिलाइजर सब्सिडी खत्म करने के लिए यही रास्ता अपनाना चाहिए था। बजट में अगले साल 10% नॉमिनल (महंगाई दर को जोड़कर) GDP ग्रोथ का अनुमान लगाया गया है। इसमें रियल ग्रोथ 7% और महंगाई दर 3% रहने का अनुमान शामिल है। डॉनल्ड ट्रंप ने दुनिया में जो खलबली मचा रखी है, उसमें यह बहुत मजबूत ग्रोथ कही जाएगी। आज दुनिया की जो स्थिति है, उसमें भारत किसी पर भरोसा नहीं कर सकता। इसलिए रक्षा पर खर्च बढ़ाना मजबूरी है। रक्षा पर खर्च 15.3% बढ़ाया गया है। इसे आगे भी इसी रफ्तार से बढ़ाना होगा, तभी सैन्य क्षमता में भारत किसी तरह चीन के करीब पहुंच पाएगा।

नज़रिया

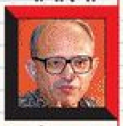

स्वामीनाथन एस. अंकलेसरिया अय्यर

वित्त मंत्री ने अपने भाषण में कहा कि पीएम मोदी की 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' सही रास्ते पर है, लेकिन बड़े सुधार का ऐलान नहीं किया।

वित्त मंत्री ने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) डिवेलपमेंट में भारत को वैश्विक ठिकाना बनाने की पहल की है। इसलिए उन्होंने भारतीय डेटा सेंटर में हर तरह के विदेशी निवेश पर 2047 तक टैक्स छूट का ऐलान किया। यानी वैश्विक इस्तेमाल के लिए जो भी निवेशक भारतीय डेटा सेंटर में निवेश करेंगे, उन्हें इस टैक्स छूट का लाभ मिलेगा। लेकिन क्या इसकी जरूरत थी, जब माइक्रोसॉफ्ट, एमेजॉन और गूगल जैसी दिग्गज कंपनियां भारत में डेटा सेंटर और उसके लिए आवश्यक इन्फ्रास्ट्रक्चर में 67.5 अरब डॉलर लगाने का ऐलान कर चुकी थीं? पश्चिमी देशों में AI डिवेलपमेंट के लिए साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथ्स में शिक्षित लोगों की कमी है। इस क्षेत्र में भारत को बढ़त हासिल है। यह हर साल इन विषयों में 1 करोड़ ग्रेजुएट्स तैयार करता है। इसलिए भारत को इन विषयों में गुणवत्ता सुधारने की जरूरत है।

कंपनियां इस डिविडेंड के बजाय बायबैक का इस्तेमाल शेयरधारकों को रिवॉर्ड करने के लिए कर रही हैं। इसलिए अल्पमत निवेशकों की खातिर बायबैक पर कैपिटल गेन टैक्स लगाने का ऐलान किया गया है। लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट पर 12.54% और शॉर्ट टर्म पर 20%। इसके साथ टैक्स आर्बिट्राज खत्म करने के लिए कॉरपोरेट प्रोमोटर्स पर 22% और नॉन-कॉरपोरेट पर 30% टैक्स लगाने की घोषणा की गई है।

वित्त मंत्री ने मिनिमम अल्टरनेट टैक्स (MAT) को 15% से घटाकर 14% करने की बात कही है। उन्होंने कैरी-फॉरवर्ड प्रोविजन्स को खत्म कर दिया है। जानकारों का कहना है कि इससे 22% कॉरपोरेट टैक्स का आकर्षण बढ़ जाएगा। प्रवासी भारतीयों को मिनिमम अल्टरनेट टैक्स में छूट दी गई है। अगले वित्त वर्ष में सरकारी संपत्तियों की बिक्री से 80 हजार करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है, जबकि मौजूदा वित्त वर्ष में इससे सरकारी खजाने में 33,837 करोड़ रुपये आए हैं। वित्त मंत्री का कहना है कि रियल एस्टेट और इन्फ्रास्ट्रक्चर में इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट का प्रयोग सफल रहा है। और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के पास जो अतिरिक्त जमीनें हैं, उनमें इसी रास्ते से विनिवेश किया जा सकता है। इस पैसे को नए प्रोजेक्ट्स में लगाया जाएगा।

AI Image

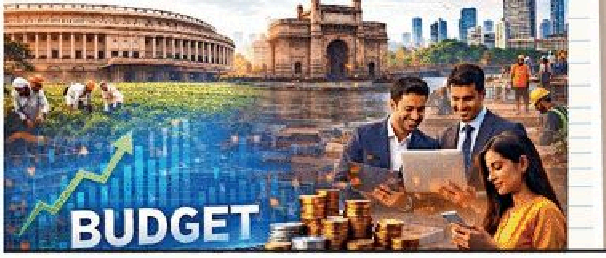

LOVE BOMBING
लव बॉम्बिंग

ये तो मिलते ही पीछे पड़ गया...

जेन-ज़ी के लिए Love Bombing का स्वरूप पूरी तरह डिजिटल है। 'प्यार' में प्राइवेसी और मेंटल हेल्थ महत्वपूर्ण है।

- **डिजिटल ओवरलोड** : किसी के इनबॉक्स को मीम्स, रील्स, मैसेज से भर देना 'डिजिटल लव बॉम्बिंग' है।
- नई पीढ़ी इसे रोमांस नहीं, एक Red Flag मानती है। उनके लिए Too much, too soon (बहुत ज्यादा, बहुत जल्दी) खतरे की घंटी है।

Gen-Z की भाषा

पैसे वाली Love Bombing

अर्थशास्त्र और व्यापार में Love Bombing को Aggressive Market Acquisition के रूप में देखा जा सकता है।

- **स्टार्टअप, कैशबैक इकॉनमी** : कई स्टार्टअप्स पहले फ्रीबीज से ग्राहकों को Love Bomb करते हैं। आदत लगने पर कीमतें बढ़ा देते हैं।
- **स्टॉक मार्केट और Pump and Dump** : बेकार स्टॉक या क्रिप्टो कॉइन को बढ़ाचढ़ाकर पेश करते हैं और ज्यादा पैसे लगते ही अपना हिस्सा बेचकर निकल जाते हैं।

RIZZ रिज़

इस बंदे में गज़ब का चार्म है...

Oxford Word of the Year बनने के बाद Rizz शब्द चर्चा में है। यह Charisma (करिश्मा) का छोटा रूप है। Rizz का मतलब सिर्फ सुंदर होना नहीं, यह आपकी Vibe और Confidence से जुड़ा है।

- **W Rizz** : आसानी से इम्प्रेस कर लेना। (Win)
- **L Rizz** : इम्प्रेस की कोशिश में फेल। (Loss)
- **Unspoken Rizz** : बिना कुछ कहे बस आपकी मौजूदगी ही काफी हो।

इकॉनमी के संदर्भ में...

Rizz को आर्थिक अवधारणा में Market Value और Branding के तौर पर समझा जा सकता है।

- **ब्रैंड इक्विटी** : किसी कंपनी का Rizz उसका ब्रैंड नेम है। Apple के पास Tech Rizz है, वह कोई प्रोडक्ट लॉन्च करे, लोग खरीदने के लिए लाइन लगा देते हैं। यह ग्राहकों को बिना भारी डिस्काउंट के अपनी ओर खींचने की ताकत है
- **Soft Power (सॉफ्ट पावर)** : इकॉनमी में देशों के पास भी Rizz होता है। उदाहरण के लिए, दक्षिण कोरिया का K-Pop Rizz या भारत का Cultural Rizz। यह बिना किसी सैन्य या आर्थिक दबाव के, अपनी संस्कृति के जरिये दुनिया को प्रभावित करने की क्षमता है। अगर कंपनी का नाम सुनकर निवेशक बिना सवाल किए पैसा लगा रहे हैं, तो वह कंपनी का Economic Rizz है।

गाढ़े वक्त में MSME की ओर मित्रता का हाथ

10 हज़ार करोड़ रुपये का SME ग्रोथ फंड, नियमों में मदद करेंगे कॉरपोरेट मित्र

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने टैरिफ और जियोपॉलिटिकल टकरावों से बने हालात से जूझ रहे छोटे और मझोले उद्योगों (MSME) को मजबूत बनाने के लिए 10 हजार करोड़ रुपये के SME ग्रोथ फंड का प्रस्ताव रखा। उन्होंने MSME चैंपियन बनाने की बात करते हुए कहा कि सरकार का जोर रोजगार, उत्पादकता और आर्थिक वृद्धि बढ़ाने पर है। उन्होंने कॉरपोरेट मित्र बनाने का प्रस्ताव भी दिया। सीतारमण ने MSME को ग्रोथ का इंजन बताते हुए इनकी मदद के लिए तीन रणनीतियों का प्रस्ताव दिया। SME ग्रोथ फंड से MSME चैंपियन बनाए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि इसके तहत इन्सेंटिव दी जाएगी। उन्होंने 2021 में बनाए गए सेल्फ रिलायंट इंडिया फंड में 2000 करोड़ रुपये देने का प्रस्ताव रखा, ताकि छोटे उद्योगों को रिस्क कैपिटल मिलती रहे। वित्त मंत्री ने लिक्विडिटी सपोर्ट की बात की और कहा कि ट्रेड रिसीवेबल्स डिस्काउंटिंग सिस्टम्स के जरिये MSME को 7 लाख करोड़ रुपये दिए गए हैं। इसका पूरा फायदा उठाने के लिए TReDS को MSME से केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों की होने वाली सभी खरीदारियों के लिए ट्रांजैक्शन सेटलमेंट प्लैटफॉर्म बनाने की बात की। इस तरह यह दूसरे कॉरपोरेट्स के लिए भी पैमाना बन जाएगा। TReDS प्लैटफॉर्म पर इनवॉइस डिस्काउंटिंग के लिए क्रेडिट गारंटी सपोर्ट मैकेनिज्म की बात की गई। MSME से सरकारी खरीद के बारे में फाइनैंसर्स के साथ जानकारी साझा करने के लिए TReDS को गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस से जोड़ा जाएगा।

कॉरपोरेट मित्र

ICAI, ICSI, ICMAI जैसे प्रोफेशनल इंस्टिट्यूट्स को सरकार सुविधाएं देगी, जिससे वे शॉर्ट टर्म मॉड्यूलर कोर्सेज और प्रैक्टिकल टूल्स डिजाइन कर सकें। इनकी मदद से 'कॉरपोरेट मित्र' बनाए जाएंगे। ये छोटे शहरों में होंगे। सस्ती दरों पर ये MSME को सरकारी नियमों के अनुपालन में दिक्कतों से बचाएंगे।

इनसे भी मदद

रिवाइज्ड और अपडेटेड रिटर्न भरने की टाइमलाइन बढ़ने से भी MSME को आसानी होगी। मैनपावर सप्लाई के लिए TDS के प्रावधानों को सरल करने से मदद मिलेगी। प्रक्रियागत गलतियों के लिए पेनल्टी को फीस में बदलने से मुकदमेबाजी घटेगी। लेदर, सिंथेटिक फुटवियर के ड्यूटी फ्री इंपोर्ट का प्रस्ताव है।

क्या है अहमियत?

MSME सेक्टर का GDP में करीब 30%, मैन्युफैक्चरिंग में 35% और निर्यात में 45% योगदान है। 10 करोड़ से ज्यादा लोग MSME में काम कर रहे हैं। कृषि के बाद रोजगार देने वाला सबसे बड़ा सेगमेंट है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 02-02-2026 Zone: Noida Edition: 1 Page: NBTNDFP User: cci Time: 02-01-2026 23:21 Color:

*मासिक खरीद पर ही लागू

NBT नवभारत टाइम्स

UNION BUDGET 2026-27

सीतारमण का रेकॉर्ड

निर्मला सीतारमण ने लगातार 9वीं बार बजट पेश किया। ये अपने आप में रेकॉर्ड है। पहला बजट 2019 में पेश किया था। तब स्पीच 2 घंटे 8 मिनट की थी। ये भी एक रेकॉर्ड था।

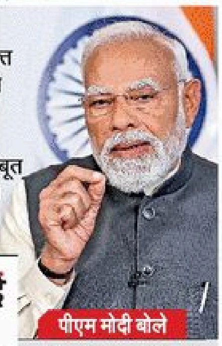

ये बजट गरीब, अन्नदाता, युवाशक्ति और नारीशक्ति को और सशक्त करने वाला बजट है। ये बजट गांव को मजबूत करने का बजट है। -नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

राहुल बोले- संकट पर आंखें बंद वित्त मंत्री ने कहा- फैक्ट दें

बजट पर हॉट डिबेट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए कहा कि बजट समाज के सभी वर्गों की जरूरतों को पूरा करता है। सीतारमण ने कहा, मुझे नहीं पता कि वे (राहुल गांधी) किन चीजों को दुरुस्त करने की बात कर रहे हैं। अर्थव्यवस्था और उसकी बुनियाद मजबूत है। वैश्विक अनिश्चितता हमारे कई सेक्टर्स प्रभावित कर रही है, जिनके लिए हमने लघु-मध्यम उद्यमों, कपड़ा और चमड़ा उद्योग... किसानों और महिला उद्यमियों के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने X पर लिखा, ये ऐसा बजट है, जिसमें चीजों को दुरुस्त करने के बजाय वास्तविक संकटों से आंख मूंद ली गई है। वित्त मंत्री ने कहा, हम आम छोटे लोगों तक पहुंच रहे हैं ताकि सुनिश्चित हो सके कि उन्हें बाहर से आने वाली किसी भी वोलैटिलिटी से जिंदगी में बड़े बदलावों का सामना न करना पड़े।

राहुल गांधी के सवाल पर वित्त मंत्री का पलटवार

युवाओं के पास जॉब नहीं है, मैन्युफैक्चरिंग गिर रही, निवेशक पूंजी निकाल रहे हैं। घरेलू बचत घट रही, किसान संकट में। इकॉनमी को वैश्विक झटका लगा, उसे अनदेखा किया गया। -राहुल गांधी

पॉलिटिकली आप बुराई करना चाहते हैं, प्लीज करें। अगर आप वे फैक्ट्स देना चाहते हैं जिन पर आप अपनी बात रख रहे हैं तो मैं सुनने और जवाब देने को तैयार हूं। -निर्मला सीतारमण

निर्मला सीतारमण का लगातार 9वां बजट, दिखे कई रंग

PTI

निर्मला सीतारमण ने 31 मई 2019 को वित्त मंत्रालय संभाला। उनकी बजट स्पीच की लंबाई से लेकर साड़ी तक की भी हर बार चर्चा होती रही है। पिछले 8 बजट की ये तस्वीरें हैं।

पीएम मोदी बोले

'रिफॉर्म एक्सप्रेस में भारत, बनने जा रहा तीसरी बड़ी इकॉनमी'

बजट को ऐतिहासिक बताते हुए पीएम नरेन्द्र मोदी ने कहा, आज भारत जिस रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार है, इस बजट से उसे नई ऊर्जा और नई गति मिलेगी। इस बजट से यूथ की उड़ान के लिए आसमान खुल गया है। भारत तीसरी सबसे बड़ी इकॉनमी बनने जा रहा है। बजट से भारत की ग्लोबल पोजिशन मजबूत होगी। ये बजट भारत की वैश्विक भूमिका को नए सिरे से सशक्त करता है। उन्होंने कहा कि भविष्य को ध्यान में रखकर इस बजट को पेश किया गया है। इससे छोटे व्यापारियों को काफी फायदा होगा। ये विकसित भारत की गति को तेज करने वाला बजट है। ये बजट अपार अवसरों का राजमार्ग है। ये बजट 2047 के विकसित भारत की हमारी ऊंची उड़ान का मजबूत आधार है। हम जल्द से जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं। ये करोड़ों देशवासियों का संकल्प है।

यूथ की उड़ान के लिए आसमान खुला: PM

फास्ट न्यूज

कमर्शल LPG सिलिंडर ₹49 महंगा

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों की ओर से कीमतें बढ़ाने के बाद रविवार से कमर्शल LGP सिलिंडर के दाम 49 रुपये बढ़ गए। दिल्ली में 19 किलो का यह सिलिंडर अब 1,740.50 रुपये में मिलेगा। हालांकि, 14.2 किलो के घरेलू LPG सिलिंडर की कीमतें नहीं बढ़ी हैं।

सिगरेट और तंबाकू प्रोडक्ट के दाम बढ़े

अडिशनल एक्साइज ड्यूटी लगने के बाद सिगरेट के पैकेट के दाम 22 से 55 रुपये तक बढ़ गए। पान मसाला, खैनी और गुटखा जैसे तंबाकू उत्पादों पर रविवार से 40% GST लागू किया गया। नया स्टॉक सोमवार से मिलना शुरू होगा।

GST कलेक्शन 6.2 पर्सेंट बढ़ा

जनवरी में GST कलेक्शन 6.2% बढ़कर 1.93 लाख करोड़ रुपये के पार निकल गया है। सितंबर में घटाई गई टैक्स दरों के बाद कलेक्शन 3 महीने से लगातार बढ़ रहा है। डोमेस्टिक डिमांड में मजबूती और इंपोर्ट एक्टिविटी में तेजी की वजह से टैक्स कलेक्शन में यह बढ़त देखने को मिली है।

हैपी मॉर्निंग

टिंकू रिजल्ट लेकर घर पहुंचा।
मां: बेटा तू फेल कैसे हो गया?
टिंकू: मम्मी क्या बताऊं, पेपर में प्रश्न ही अच्छे नहीं थे।
मां: अच्छा तो फिर तुमने उत्तर कैसे लिखे? टिंकू: मैंने भी उत्तर बेकार ही लिखे।

अर्थसार

सेंसेक्स	80,722.94 (-1,546.84)
निफ्टी	24,825.45 (-495.20)

मौसम

अधिकतम तापमान 24.6°

12.1° न्यूनतम तापमान

सूर्यास्त रविवार 6:00 | सूर्योदय सोमवार 7:09

मंगलवार तक बारिश का अनुमान। प्रदूषण काफी ज्यादा हो सकता है।

22 साल के अल्काराज ने 38 के जोकोविच को हराया

Agency

■ स्पेन के टेनिस खिलाड़ी अल्काराज ने 24 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन जोकोविच (38) को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीता।

■ अल्काराज ने पहला सेट गंवाया, लेकिन वापसी करते हुए 2-6, 6-2, 6-3, 7-5 से जीत हासिल की। मैच 3 घंटे से ज्यादा चला।

■ मेलबर्न में फाइनल को जीतकर अल्काराज (22) करियर ग्रैंडस्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बने।

पाक सरकार बोली

T20 वर्ल्ड कप में भारत संग नहीं खेलेगा पाकिस्तान

File

■ पीटीआई, लाहौर: पाकिस्तान ने ICC T20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ होने वाले अपने ग्रुप मैच का बहिष्कार करने का रविवार को ऐलान किया। हालांकि, पाकिस्तान की टीम टूर्नामेंट के बाकी मुकाबलों में हिस्सा लेगी। टूर्नामेंट की शुरुआत 7 फरवरी से होनी है और भारत-पाकिस्तान मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो में होना है। पाकिस्तान का यह कदम ICC के उस फैसले के विरोध के तौर पर देखा जा रहा है, जिसमें बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर स्कॉटलैंड को शामिल किया गया है। PCB ने कहा था कि बांग्लादेश के बाहर होने के बाद सरकार टीम की टूर्नामेंट में भागीदारी पर फैसला करेगी।

फिल्म डायरेक्टर रोहित शेट्टी के घर के बाहर फायरिंग, पांच लोग अरेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई

मुंबई के हाई प्रोफाइल इलाके जुहू में फिल्म निर्माता-निर्देशक रोहित शेट्टी के घर के बाहर शनिवार रात गोलीबारी हुई। 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सूत्रों के अनुसार, CCTV फुटेज में ऑटो ड्राइवर से एक संदिग्ध बात करते हुए दिखाई दिया। ऑटो ड्राइवर ने बताया कि संदिग्ध युवक ने उससे पूछा था, क्या तुम कल्याण जाओगे? ड्राइवर ने दूर होने की बात कही तो वह झल्लाकर चला गया।

बिल्डिंग पर 5 गोलियां चलाई गईं।

पुलिस ने इसी बयान के आधार पर जाल बिछाकर गिरफ्तारियां की हैं।

क्या लॉरेंस गैंग ने की फायरिंग, जांच जारी

एक वरिष्ठ IPS अधिकारी ने बताया कि पुलिस पिछले डेढ़ से दो वर्षों में मुंबई में घटी फायरिंग की घटनाओं के एंगल से इस केस को देख रही है जिनमें लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम आया था। क्या ये लोग उसी गैंग से हैं, इसकी जांच जारी है।

ईरान नहीं, वेनेजुएला से तेल लेगा भारत: ट्रंप

■ एपी, न्यू यॉर्क: अमेरिका के राष्ट्रपति **डॉनल्ड ट्रंप** ने दावा किया है कि भारत अब ईरान के बजाय वेनेजुएला से तेल खरीदेगा। ट्रंप ने शनिवार को फ्लोरिडा के पाम बीच जाते समय अपने विमान 'एयर फोर्स वन' में यह कमेंट किया। ट्रंप की इस टिप्पणी पर भारत सरकार की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 02-02-2026 Zone: Noida Edition: 1 Page: NBTNDP2 User: vinay.vashisht@timesofindia.co Time: 02-01-2026 23:10 Color:

क्या है बड़ी फिक्र...

भारत मे Gen Z का करीब 50% हिस्सा मानता है कि बेहतर फाइनैंशल फ्यूचर सबसे बड़ी फिक्र है।

₹ UNION BUDGET 2026-27

बजट विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान मे रखकर पेश किया गया है। यह बजट प्रगतिशील और भविष्योन्मुखी है। देश के विकास की गति तेज करने के लिए केंद्र सरकार ने कई कदम उठाए है। इससे विकसित भारत का विजन हकीकत बनेगा। - नीतीश कुमार, सीएम, बिहार

रेलवे का आवंटन बढ़ा

देश में 7 हाई स्पीड रेल कॉरिडोर बनेंगे

Maneesh.Aggarwal@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** इस आम बजट मे रेलवे को अब तक के सबसे अधिक 2 लाख 78 हजार करोड़ रुपये आवंटित किए गए है। इसमें अकेले रेलवे सेफ्टी के लिए एक लाख 20 हजार करोड़ रुपए रखे गए है, जबकि वित्तीय वर्ष 2025-26 मे रेलवे को 2,52,200 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। इस बजट मे रेलवे के लिए सबसे बड़ी घोषणा अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन हाई स्पीड कॉरिडोर की तरह सात हाई स्पीड रेल कॉरिडोर बनाने की की गई है। इसमे से एक हाई-स्पीड कॉरिडोर दिल्ली से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकसभा क्षेत्र बनारस को भी कनेक्ट करेगा। इसके अलावा पश्चिम बंगाल के दानकुनी से एक डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर अहमदाबाद के सूरत तक के लिए बनाया जाएगा।

■ **अहमदाबाद-मुंबई की तरह कॉरिडोर:** रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि रेलवे के लिए यह ऐतिहासिक बजट है। सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के बारे मे उन्होंने बताया कि यह अहमदाबाद-मुंबई की तरह ही मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-बेंगलुरु, हैदराबाद-चेन्नै, चेन्नै-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी, वाराणसी-सिलीगुड़ी कॉरिडोर होंगे। रेल मंत्री ने कहा कि इन कॉरिडोर से खासतौर से साउथ इंडिया के पांचों राज्यों मे शामिल तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और केरल के लोगों के लिए वरदान साबित होंगे। यह हाई स्पीड डायमंड कॉरिडोर होंगे जो कि दक्षिण भारत के राज्यों को भारत के अन्य हिस्सों से रेल कनेक्टिविटी को और अधिक स्पीड देंगे।

■ **दिल्ली-बनारस मात्र 3 घंटे 50 मिनट मे:** कॉरिडोर बनने के बाद दिल्ली से बनारस के बीच सफर का समय घटकर मात्र 3:50 घंटे का रह जाएगा। इसी तरह से चेन्नै से बेंगलुरु का सफर मात्र 1:13 घंटे मे, बेंगलुरु से हैदराबाद 2 घंटे, चेन्नै से हैदराबाद 2:55 घंटे, मुंबई से पुणे मात्र 48 मिनट और पुणे से हैदराबाद 1:55 घंटे मे जा सकेंगे। वाराणसी से सिलीगुड़ी के बीच का सफर 2:55 घंटे मे तय किया जा सकेगा।

■ **1 लाख 20 हजार करोड़ सेफ्टी पर खर्च होंगे:** रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रेल बजट मे एक बड़ा हिस्सा यात्रियों की सुरक्षा के लिए खर्च किया जाएगा। इसके लिए बजट मे एक लाख 20 हजार करोड़ रुपए आवंटित किए गए है। इसमें जहां कवच लगाना अहम है। वही पुराने रेलवे ट्रैक की जगह नए ट्रैक बिछाना, सिग्नलिंग सिस्टम को और अधिक आधुनिक और अत्यंत बनाने पर पैसा खर्च किया जाएगा।

NEP-2020 को मिलेगी रफ्तार, एजुकेशन से रोजगार पर कमिटी

देश के हर ज़िले में बनेगा गर्ल्स हॉस्टल, यूनिवर्सिटी टाउनशिप का भी प्रस्ताव

इनके बजट में हुई इतनी बढ़ोतरी

11.18% बढ़कर यूजीसी का बजट 3709 करोड़

6.82% बढ़कर आईआईटी का बजट 12123 करोड़

10.07% बढ़कर एनआईटी का बजट 6260 करोड़

7.8% बढ़कर डीम्ड यूनिवर्सिटीज का बजट 650 करोड़

15.0% बढ़कर आईआईएम का बजट 292 करोड़

Bhupender.Sharma@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** सेंट्रल बजट 2026-27 मे एजुकेशन से रोजगार के बड़े मकसदों को ध्यान मे रखा गया है। स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा के बजट मे अच्छी-खासी बढ़ोतरी की गई है। 5 यूनिवर्सिटी टाउनशिप मेडिकल, डिजाइन, टूरिज्म सेक्टर मे नए संस्थान बनाने की घोषणा की गई है। हर जिले मे एक गर्ल्स हॉस्टल बनाने का बड़ा टारगेट भी रखा गया है। इस बजट से आने वाले समय मे विदेश मे पढ़ाई करने वाले युवाओं को भी फायदा मिलने की उम्मीद है। बजट मे सरकार ने एक बड़ा ऐलान करते हुए विदेश मे पढ़ाई के लिए भेजे जाने वाले पैसे पर टैक्स कलेक्टेड एट सोर्स (TCS) 5 से घटाकर 2 % कर दिया है। स्किल मिनिस्ट्री का बजट भी बढ़ाया गया है। सभी मंत्रालयों को देखें तो बजट आवंटन मे एजुकेशन मिनिस्टरी छठे नंबर पर है और कुल बजट का 2.60% है।

■ **हर जिले मे गर्ल्स हॉस्टल:** केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि शिक्षा पर बजट लगातार बढ़ाया जा रहा है और यह कदम सरकार की शिक्षा के प्रति प्राथमिकता को दिखाता है। साइंस टेक्नोलॉजी और मैथ्स एजुकेशन मे इंडियन स्टूडेंट्स की उपलब्धियां दुनिया मे बेस्ट है, इसको और रफ्तार देने के लिए सरकार ने राज्य सरकारों के साथ मिलकर गर्ल्स हॉस्टल बनाने की योजना बनाई है। प्रधान ने कहा कि इसके साथ ही 5 यूनिवर्सिटी टाउनशिप की योजना बहुत बड़ा फैसला है। साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथमैटिक्स कोर्सेज मे स्टूडेंट्स की भागीदारी और बढ़े, इसके लिए यह जरूरी है कि हॉस्टल्स की कमी न रहे।

■ **एक हाई पावर्ड कमिटी:** सरकार ने एजुकेशन से रोजगार और उद्यम को मजबूत करने के लिए एक हाई-पावर्ड स्थाई कमिटी बनाने का प्रस्ताव किया है। यह कमिटी सर्विस सेक्टर को विकसित भारत का मेन ड्राइवर मानते हुए उससे जुड़े उपायों की सिफारिश करेगी। सरकार का मकसद है कि भारत 2047 तक सर्विस सेक्टर मे 10 % वैश्विक हिस्सेदारी हासिल कर एक ग्लोबल लीडर बने। कमिटी विकास, रोजगार और निर्यात की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए काम करेगी। इसके साथ ही आर्टिफिशल इंटेलिजेंस समेत उभरती टेक्नोलॉजी का नौकरियों और जरूरी कौशल पर पड़ने वाले असर का आकलन भी किया जाएगा। कमिटी यह भी बताएगी कि बदलते दौर मे किस तरह की स्किल डिवेलपमेंट की जरूरत है।

■ **नए सेक्टर के लिए बजट:** बजट प्रस्ताव मे कहा गया है कि भारतीय डिजाइन इंडस्ट्री तेजी से बढ़ रही है लेकिन देश मे अभी भी ट्रेंड डिजाइनरों की कमी है। इसे देखते हुए भारत के पूर्वी इलाके मे डिजाइन शिक्षा और विकास को बढ़ावा देने के लिए एक नए राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान की स्थापना का प्रस्ताव रखा गया है। सरकार बड़े औद्योगिक और लॉजिस्टिक कॉरिडोर के आसपास चैलेंज रूट के जरिए 5 यूनिवर्सिटी टाउनशिप बनाने मे राज्यों की मदद करेगी।

रोजगारों में IIM की भूमिका

देश के नामी इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (IIM) रोजगार बढ़ाने मे बड़ी भूमिका निभाएंगे। देश के अलग-अलग IIM मिलकर 10 हजार से ज्यादा पढ़े-लिखे टूरिस्ट गाइड तैयार करेंगे। IIM की देखरेख मे 12 हफ्ते का उच्च गुणवत्ता वाला कोर्स कराया जाएगा। सरकार के मुताबिक यह कोर्स हाइब्रिड मोड मे चलेगा। इसके जरिए भारत और दुनिया के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों की जानकारी दी जाएगी।

कितना रहा बजट

शिक्षा मंत्रालय का बजट 1,28,650 करोड़ से बढ़ाकर 1,39,289 करोड़ कर दिया गया है। इस तरह बजट मे 8.27% की बढ़ोतरी की गई है। स्कूल शिक्षा का बजट 78,572 करोड़ से बढ़कर 83,562 करोड़ हुआ है। उच्च शिक्षा का बढ़कर 55,727 करोड़ हुआ है। स्कूल एजुकेशन बजट मे 6.35%, हायर एजुकेशन के बजट मे 11.28% की बढ़ोतरी हुई है।

तेजी से बदलाव का संकेत

शिक्षा बजट से साफ संकेत मिलता है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत बड़े बदलाव तेजी से लागू किए जा रहे है। अब शिक्षा व्यवस्था पुराने तरीके से नही चलेगी। यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. एम. जगदीश कुमार का कहना है कि इससे भारत मे पढ़ाई पूरी होने के बाद स्टूडेंट्स को रोजगार मिले, इसके लिए युद्धस्तर पर प्रयास होंगे।

ट्रांसपोर्ट मिनिस्ट्री

5 साल में 20 नए वॉटरवेज बनाए जाने का प्लान

आम बजट मे केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को 3,09,875 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। जो की पिछले बजट से 22 हजार 734 करोड़ रुपए अधिक है। इसमे सबसे अधिक आवंटन एनएचएआई को मिला है। इसके अलावा देश मे वॉटर ट्रांसपोर्ट को बढ़ाने के लिए 20 नए वॉटरवेज (जलमार्ग) बनाए जाएंगे। यह अगले पांच सालों मे बनाने का लक्ष्य रखा गया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट 2026-27 मे इसकी घोषणा की है। इसकी शुरुआत ओडिशा मे एनडब्ल्यू-5 से की जाएगी। बजट मे वित्त मंत्री सीतारमण ने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के लिए 3.09 लाख करोड़ रुपये आवंटित करने का प्रस्ताव किया गया है। जो चालू वित्त वर्ष के लिए निर्धारित आवंटन से लगभग 8% अधिक है।

पर्यावरण मंत्रालय

पल्यूशन कंट्रोल के लिए बजट में मामूली इजाफा

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु मंत्रालय के बजट मे लगभग 10.15 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। फाइनेंशल ईयर 2026-27 के लिए मंत्रालय का बजट पिछले साल के बजट के मुकाबले 346.64 करोड़ बढ़ाया गया है। पिछले फाइनेंशल ईयर के लिए पर्यावरण मंत्रालय का बजट 3412.82 करोड़ रुपये था। इस साल इसे बढ़ाकर 3,759.46 करोड़ रुपये कर दिया गया है। पल्यूशन कंट्रोल के लिए भी बजट मे मामूली इजाफा करते हुए इसे 1,307 करोड़ रुपये तय किया गया है।

पिछले 3 साल का बजट...

₹3759.46 करोड़ (2026-27)

₹3412.82 करोड़ (2025-26)

₹2219.7 करोड़ (2024-25)

पर्यटन मंत्रालय

पुरातात्विक महत्व की 15 जगहें कल्चरल डेस्टिनेशन

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट मे पुरातात्विक महत्व की 15 साइट्स को कल्चरल टूरिजम डेस्टिनेशन के तौर पर विकसित करने का ऐलान किया। साथ ही सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व के स्थानों समेत सभी अहम जगहों के बारे मे जानकारी को डिजिटल स्वरूप देने के लिए 'राष्ट्रीय गंतव्य डिजिटल ज्ञान ग्रिड' बनाने का प्रस्ताव रखा। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर मे 'पारिस्थितिकीय तौर पर टिकाऊ' पर्वतीय मार्गों को विकसित करने और एक 'राष्ट्रीय आतिथ्य-सत्कार संस्थान' (नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी) बनाने का भी प्रस्ताव रखा। लोथल और धोलावीरा, राखीगढ़ी, हस्तिनापुर, आदिचनल्लूर, सारनाथ, लेह पैलेस समेत पुरातात्विक महत्व के 15 स्थल कल्चरल टूरिजम डेस्टिनेशन बनेंगे।

इशारों में आगे की बात कहना

Soft Launching भी जेन जी की रिलेशनशिप डिक्शनरी का बहुत दिलचस्प शब्द है। इसका मतलब है कि बिना ऐलान, बिना टैग, बिना घोषणा

रिश्तों मे इसे ऐसे समझिए

- साथ की फोटो, पर चेहरा नहीं
- हाथ, पीछे से ली गई तस्वीर
- कोई नाम नहीं, कोई स्टेटस नहीं यानी रिश्ता शुरू है, पर पब्लिक नहीं

माहौल देखकर काम करना

पॉलिसी और सरकार के मसले मे कुछ ऐसे समझिए कि नई स्कीम की चर्चा शुरू की जाए, पायलट प्रोजेक्ट लाया जाए और सीमित राज्यों/सेक्टर मे इसे लागू करके देखा जाए। यानी पूरी घोषणा से पहले माहौल देखना = Policy soft launch

इकॉनमी मे Soft Launching का मतलब है बिना शोर, बिना जोखिम, किसी बड़े कदम को चुपचाप आजमाना और फीडबैक के आधार पर बदलाव भी करना।

छोटी सी आशा के भरोसे

ब्रेड क्रम्बिंग (Breadcrumbing) यानी ब्रेड के छोटे-छोटे टुकड़े डालते जाना. रिश्तों मे जैसे कभी-कभार मैसेज, हल्का सा इशारा, थोड़ी सी उम्मीद लेकिन:

- कोई ठोस कमिटमेंट नही
- कोई clear direction नहीं
- उम्मीद जिंदा रखना, पर मंजिल तक न पहुंचने देना

फाइनल ऐक्शन में देरी

पॉलिसी संकेत (Policy Signalling)

- सरकार बड़े सुधार का संकेत देती है
- भाषण, कमिटी और ड्राफ्ट बनाने के लिए सिर्फ ऊपरी फैसले लेते रहना, कोई ठोस कदम ना उठाना
- इससे फाइनल ऐक्शन टलता रहता है यानी सिग्नल मिलते है, लेकिन कोई नतीजा देखने को नहीं मिलता
- इस बार के बजट मे सरकार ने नए इनकम टैक्स ऐक्ट मे रूल और फॉर्म जल्द लाने की बात की है लेकिन फिलहाल इनके लिए इंतजार ही किया जा रहा है।

स्पेस साइंस को नई उड़ान

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** बजट मे स्पेस और ऐस्ट्रो साइंस के क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा मे अहम कदम उठाया है। अगले वित्त वर्ष के लिए डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस को 13,705.63 करोड़ रुपये का बजट दिया गया है। यह रकम पिछले साल की तुलना में करीब 289.43 करोड़ रुपये ज्यादा है। सरकार ने इस बजट के जरिए चार बड़े टेलीस्कोप की स्थापना की घोषणा भी की है। इसके अलावा साइंस एंड टेक्नॉलजी मंत्रालय को कुल 38,260 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है। यह रकम पिछले साल के मुकाबले 0.91 फीसदी कम है।

देश के अंदर और बॉर्डर सुरक्षा के लिए बढ़ा बजट

Maneesh.Aggarwal@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** देश की आंतरिक सुरक्षा और सीमाओं की चौकसी को और मजबूत करने के लिए बजट 2026-27 मे गृह मंत्रालय को 2,55,233 करोड़ रुपये दिए गए है। यह रकम पिछले वित्त वर्ष की तुलना मे 22,023 करोड़ रुपये ज्यादा है। सरकार का मकसद आतंकी हमलों पर रोक, सीमा पार से घुसपैठ रोकना और समय पर सटीक खुफिया जानकारी हासिल करना है। इससे सीमाओं पर फेंसिंग, और आधुनिक तकनीक के जरिए निगरानी को और मजबूत किया जाएगा। बीते साल 2025-26 मे गृह मंत्रालय को 2,33,210 करोड़ रुपये मिले थे।

■ **सीएपीएफ को सबसे बड़ा हिस्सा:** गृह मंत्रालय के कुल बजट मे से 1,73,802 करोड़ रुपये पुलिस मद मे दिए गए है। इससे CRPF, BSF और ITBP जैसी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों को मजबूत किया जाएगा। पाकिस्तान, बांग्लादेश, चीन और म्यांमार से लगती सीमाओं पर फेंसिंग, एंटी ड्रोन सिस्टम और आधुनिक निगरानी उपकरण लगाए जाएंगे। नक्सलवाद खत्म करने मे अहम भूमिका निभा रही CRPF को 38,517 करोड़ रुपये मिले है, जो पिछली बार से 3,370 करोड़ रुपये ज्यादा है। बीएसएफ को 29,567 करोड़ रुपये दिए गए है।

■ **आईबी पर खास फोकस:** खुफिया एजेंसी इंटेलिजेंस ब्यूरो को 6,782 करोड़ रुपये दिए गए है, जो पिछले बजट से 2,889 करोड़ रुपये अधिक है।

J&K को ज्यादा पैसा

बजट मे दिल्ली पुलिस को और सशक्त बनाने के लिए अधिक पैसा दिया गया है। दिल्ली पुलिस का बजट 11,931 करोड़ से बढ़ाकर 12,503 करोड़ रुपये किया गया है। वही जम्मू-कश्मीर पुलिस को 9,925 करोड़ रुपये मिले है, जो पिछले साल से 600 करोड़ रुपये ज्यादा है। बजट मे एसपीजी के बजट मे भी 10 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की गई है।

घुसपैठ रोकने की कोशिश

बजट मे गृह मंत्रालय को ज्यादा फंड देकर देश की आंतरिक और बॉर्डर सुरक्षा को मजबूत करने पर जोर दिया गया है। घुसपैठ रोकने और ऑपरेशन सिंदूर के बाद संदिग्ध ड्रोन को गिराने के लिए बॉर्डर पर एंटी ड्रोन सिस्टम लगाए जा रहे है। सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए सरकार गंभीर है।

बैंकिंग पर बनेगी हाई लेवल कमिटी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट मे विकसित भारत के लिए बैंकिंग पर एक हाई लेवल कमिटी बनाने का प्रस्ताव किया। उन्होंने कहा कि यह समिति पूरे फाइनैंशल सेक्टर की समीक्षा करेगी और देश की तरक्की के अगले चरण के हिसाब से इसमे बदलावों का सुझाव देगी। उन्होंने पावर फाइनैंस कॉर्पोरेशन और रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉर्पोरेशन की रिस्ट्रक्चरिंग का प्रस्ताव भी रखा। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य सरकारी क्षेत्र की नॉन-बैंकिंग फाइनैंस कंपनियों की क्षमता मे सुधार करना है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी PFC और REC के विलय का कोई विचार नही है। वित्त मंत्री ने कहा कि आज बैंकों की बैलेंस शीट दमदार है, मुनाफा ऐतिहासिक रूप से ऊंचे स्तर पर है, असेट क्वालिटी मे सुधार हुआ है और देश के 98% गांवों तक बैंकिंग सेवाएं दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इस समिति के कामकाज का दायरा जल्द तय कर लिया जाएगा।

म्यूनिसिपल बॉन्ड्स

वित्त मंत्री ने फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट (नॉन-डेट इंस्ट्रूमेंट्स) रूल्स की समीक्षा का भी प्रस्ताव किया, जिससे देश की आर्थिक प्राथमिकताओं के अनुसार विदेशी निवेश के लिए अनुकूल फ्रेमवर्क बनाया जा सके।

PROI के लिए कदम

वित्त मंत्री ने इंडिविजुअल पर्सन रेजिडेंट आउटसाइड इंडिया (PROI) को लिस्टेड इंडियन कंपनियों के इक्विटी इंस्ट्रूमेंट्स मे निवेश करने की इजाजत का प्रस्ताव भी किया। यह निवेश पोर्टफोलियो इन्वेस्टमेंट स्कीम के जरिए किया जा सकेगा।

महानगर में आज

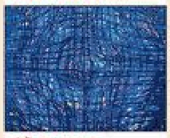

रंगों का खज़ाना
ऑल इंडिया फाइन आर्ट्स एंड क्राफ्ट सोसायटी (AIFCA) में आर्ट एग्जिबिशन 'विंटर म्यूज़', 1 रफी मार्ग, सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक। इस ग्रुप पेंटिंग्स, स्कल्पचर्स, मिक्स्ड मीडिया, फोटोग्राफी एग्जिबिशन में कलाकारा पूजा मुद्गल, आशीष बोस, सरिता, नेहा दुआ, भावना सोनी समेत 32 कलाकारों की कला दर्शकों के बीच होगी। शो की क्यूरेटर ऋतु सक्सेना है, शो 5 फरवरी तक आर्ट लवर्स के बीच होगा।

अहसास-ए-कलाम

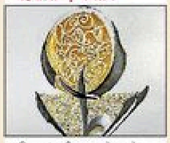

इंडिया इंटरनैशनल सेंटर में सांस्कृतिक प्रस्तुति 'अहसास-ए-कलाम और पश्म', मेन आर्ट गैलरी, सेकेंड फ्लोर, कमला देवी कॉम्प्लेक्स, लोदी रोड, सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक। कमर डागर की सोलो कैलिग्राफी एग्जिबिशन का आनंद आज लिया जा सकता है। कलाकारा मनीषा गावडे इस शो की क्यूरेटर है।

चेतना
बीकानेर गैलरी में आर्ट एग्जिबिशन 'वट रिमेंस अवेक : ड्रीम, डेथ एंड द फोर्थ', कलमकार गैलरी, पहाड़ा रोड, सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक। कलाकारा सोनिका अग्रवाल की इस एग्जिबिशन में उनकी पेंटिंग, स्कल्पचर और इंस्टॉलेशन के साथ चेतना की चार अवस्थाओं के प्राचीन भारतीय ढांचे को देख सकते हैं।

आर्ट मैग्नम गैलरी में एग्जिबिशन 'द पोएटिक्स ऑफ द ऑर्डिनरी', इंडियन ऑयल कॉम्प्लेक्स, यूसुफ सराय, श्री अरबिंदो मार्ग, सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक। शो की क्यूरेटर शुभा मजूमदार और गायत्री माथुर हैं।

सिटी में हो रहे इवेंट्स की जानकारी हमें भेजें nbtreader@timesofindia.com पर

काजल का डेढ़ साल का बेटा नाना-नानी के हवाले

कमांडो मर्डर केस : दिल्ली आने से पहले काजल और अंकुर बेटे को दादा-दादी के पास छोड़कर आए थे

विपिन गार्डन एक्सटेंशन की इसी बिल्डिंग में रहते थे काजल और अंकुर

■ नवीन निश्चल, नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल की SWAT कमांडो रही काजल चौधरी के डेढ़ साल के बेटे को पुलिस के हस्तक्षेप के बाद नाना-नानी को सौंप दिया गया है। पहले वह दादा-दादी के पास हरियाणा के एक गांव में था। 20 जनवरी को जब काजल और अंकुर दिल्ली के मोहन गार्डन आए थे, तब बेटे को दादा-दादी के पास गांव में ही छोड़कर आ गए थे।

वहीं, इस मामले में पुलिस ने 22 जनवरी को हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद 27 जनवरी को हत्या का मामला जोड़ दिया था। अब उसमें दहेज प्रताड़ना और दहेज हत्या की धारा को भी जोड़ दिया गया है। सूत्रों के अनुसार एफआईआर में लिखा गया है कि काजल को अंकुर और अंकुर के परिवार वाले दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे। एसडीएम के सामने काजल के माता-पिता और भाई ने भी यही बयान दिया था कि किस-किस तरह से काजल को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाता था।

FIR में दहेज प्रताड़ना और दहेज हत्या की धाराएं भी जोड़ी गईं

काजल और अंकुर मोहन गार्डन के विपिन गार्डन एक्सटेंशन स्थित वृंदावन अपार्टमेंट की चौथी मंजिल के फ्लैट में रहते थे। उस पर अभी ताला लटका हुआ है। वारदात के बाद फ्लैट को पुलिस ने छानबीन के बाद बंद कर दिया गया था। पूछताछ में पुलिस को यह पता चला कि काजल और अंकुर की यह जॉइंट प्रॉपर्टी थी, जिसे लोन पर लिया गया था। जिसकी EMI काजल भरती थी। मायके वालों ने यही दावा किया था। अब उस प्रॉपर्टी को लेकर आगे क्या होगा, इसे लेकर फिलहाल स्थिति साफ नहीं हो पाई है। डॉक्यूमेंट और दावों के बाद फ्लैट को लेकर आगे का फैसला हो पाएगा।

कानूनी पेच में उलझा कर हड़प ली थी प्रॉपर्टी

प्रॉपर्टी हड़पने वाले गैंग का पुलिस ने किया भंडाफोड़

NBT 3 मिनट में पढ़ें

AI image

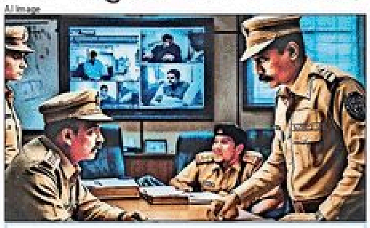

Shanker.Singh@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** फर्जी दस्तावेज और कानूनी प्रक्रिया में उलझाकर खाली पड़ी करोड़ों की प्रॉपर्टी को हड़पने वाले एक ऑर्गनाइज्ड गैंग का भंडाफोड़ हुआ है। पीड़ित बुजुर्ग की शिकायत पर ग्रेटर कैलाश थाने में पिछले साल केस दर्ज हुआ था, जिसे क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर कर दिया गया। एडवोकेट समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनकी पहचान एडवोकेट आशीष चौधरी, उसके दोस्त दिलीप कुमार पांडेय और यूएस नागरिक विनीत सहगल के तौर पर हुई है। पुलिस पता लगा रही है कि इस गैंग ने अब तक ऐसी कितनी वारदात को अंजाम दिया है।

एडवोकेट समेत तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

डीसीपी (क्राइम) आदित्य गौतम के मुताबिक, पिछले साल ग्रेटर कैलाश पार्ट-1 निवासी बुजुर्ग ने 1964 में खरीदी गई करोड़ों की प्रॉपर्टी को फर्जी दस्तावेज के जरिए हड़पने की शिकायत दी थी। थाने में मुकदमा दर्ज करने के बाद जांच क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर कर दी गई। इंस्पेक्टर विजय पाल दहिया ने तफ्तीश में पाया कि प्रॉपर्टी के असली दस्तावेज बुजुर्ग के पास थे। एक गिरोह का पता चला, जो खाली पड़ी प्रॉपर्टी की पहचान करता है। इसके बाद जाली वसीयत, रिलीज डीड और सेल डीड्स समेत झूठी मालिकाना चेन तैयार कर प्रॉपर्टी कब्जा लेता है। मामला उजागर होने पर कोर्ट में सिविल केस दायर कर डॉक्यूमेंट्स को असली साबित करने के लिए पीड़ितों को लंबे वक्त तक कानूनी प्रक्रिया में उलझाता है। ऐसे फर्जी गवाह पेश किए जाते हैं, जो मर चुके है या बताए गए एड्रेस पर रहते ही नहीं हैं।

नीके की प्रॉपर्टी हड़पने के लिए फर्जी दस्तावेजों के दो सेट बना गए थे। ऐसा इसलिए किया जा जाता था, ताकि अगर एक साजिश विफल हुई तो दूसरे तरीके से प्रॉपर्टी बेचकर मोटा मुनाफा कमा सके। एसीपी डीकेपीएस यादव की देखरेख में बनी इंस्पेक्टर विजय पाल दहिया, एसआई अनुशेग, राजेश कुमार और हेड कॉन्स्टेबल विपिन की टीम ने 22 जनवरी को आरोपी विनीत सहगल, दिलीप कुमार पांडेय और आशीष चौधरी को गिरफ्तार कर लिया।

3 लाख रुपये में खरीदने का दावा

पुलिस अफसरों के मुताबिक, पीड़ित बुजुर्ग ने यह प्रॉपर्टी 1964 में खरीदी थी, जहां परिवार सन 2009 तक रहे। इसके बाद से वह खाली पड़ी थी। गैंग ने हड़पने की साजिश रची। साजिश थी कि अगर बेच पाए तो ठीक वरना बुजुर्ग से मोटी रकम वसूल लेंगे। ऐसा नहीं हुआ तो प्रॉपर्टी डिस्प्यूट पैदा कर कोर्ट केस डाल देंगे। कानूनी पेच में फांस कर रकम वसूलते या अगर उनकी मौत हो जाती तो कब्जा लेते।

एडवोकेट ने किया गज़ब का खेल

पुलिस का दावा है कि विनीत ने मोटी फीस का लालच देकर आशीष से प्रॉपर्टी पेपर्स बनवाने में मदद मांगी। आशीष ने रेवेन्यू डिपार्टमेंट से दस्तावेजों की फोटो कॉपी निकलवा कर चेन तैयार की। वकील ने दोस्त के मृतक पिता के नाम पर फर्जी वसीयत बनाई। आशीष ने भी फर्जी दस्तावेज बनवाकर दिलीप से प्रॉपर्टी अपने नाम करवा ली। तीनों क्लेम करने लगे, ताकि प्रॉपर्टी विवादित हो जाए।

पब्लिक नोटिस से साज़िश की खुली पोल

बुजुर्ग को रिश्तेदार से जानकारी मिली कि उनकी 525 गज की प्रॉपर्टी को लेकर एक अखबार में पब्लिक नोटिस निकाला गया है। अनजान शख्स ने मालिक होने का दावा किया है। बुजुर्ग ने नोटिस निकालने वाले विनीत सहगल से संपर्क किया और दस्तावेज मांगे। सहगल ने अपने पिताजी के नाम की एक 'फर्जी' वसीयत दिखाई, लेकिन प्रॉपर्टी डॉक्यूमेंट्स यूएस के मिशिगन स्थित घर पर होने का दावा किया है। वह यूएस नागरिक पांच महीने तक दस्तावेज पेश नहीं कर पाया।

ऑनलाइन निवेश में मोटे मुनाफे का लालच देकर ठग लिए ₹35 लाख

■ अश्वनी शर्मा, नई दिल्ली

ऑनलाइन निवेश में मोटे मुनाफे और महंगे गिफ्ट का लालच देकर ठगों ने एक व्यक्ति को 35 लाख का चूना लगा दिया। पुलिस ने जांच के बाद शिकायत क्राइम ब्रांच में ट्रांसफर कर दी। अमर कॉलोनी इलाके की पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार अंकुर परिवार के साथ अमर कॉलोनी इलाके में रहते हैं। उनका कारोबार है। पुलिस को शिकायत बताया कि अक्टूबर 2025 में उन्हें एक नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को 'वामाकैप्स' नाम की कंपनी का प्रतिनिधि बताया। ऑनलाइन निवेश पर भारी मुनाफे का भरोसा दिलाया और साथ ही नकद इनाम व महंगे गिफ्ट देने का लालच दिया। लुभावने ऑफर के झांसे में आकर पीड़ित ने आरोपी के बताए गए अकाउंट में अलग-अलग तारीखों पर कई किस्तों में कुल 35 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। पैसे जमा होते ही आरोपी ने और पांच लाख रुपये निवेश करने का दबाव बनाया। जब पीड़ित ने मना किया तो आरोपी ने अब तक जमा रकम वापस न करने की बात कही। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की। वहीं मामले की जांच करने के बाद केस क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर कर दिया गया।

सावधान रहने की अपील
पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अनजान कॉल या मैसेज पर निवेश न करें। गारंटीड रिटर्न और महंगे गिफ्ट के वादों से सतर्क रहें। इसके अलावा किसी भी साइबर ठगी की स्थिति में तुरंत 1930 हेल्पलाइन या cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें।

फोन छीनने का विरोध, चाकू मारा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : गांधी नगर में 29 जनवरी की सुबह मोबाइल छीनने का विरोध करने पर दो बदमाशों ने एक युवक को चाकू मार दिया। युवक को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित युवक की पहचान सागर (25) के तौर पर हुई है।

मेट्रो के आगे जान देने की कोशिश

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: उत्तम नगर ईस्ट मेट्रो स्टेशन पर शनिवार को 80 साल के बुजुर्ग ने ट्रेन के आगे कूदकर खुदकुशी की कोशिश की। ड्राइवर ने इमरजेंसी ब्रेक लगाया। ट्रेन की चपेट में आने से बुजुर्ग मामूली रूप से घायल हो गए। उनका दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में इलाज चल रहा है। पीड़ित की पहचान जोगिंदर पाल के रूप में हुई है।

चाकू दिखा लूटा था फोन, अरेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: आनंद पर्वत इलाके में चाकू के बल पर मोबाइल लूटकर फरार आरोपी को पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से गिरफ्तार कर लिया है। लूटा गया मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद कर लिया गया है। डीसीपी अनंत मित्तल ने बताया कि आरोपी की पहचान नांगलोई के अंकित उर्फ बाकिया (22) के तौर पर हुई है। उस पर कई केस दर्ज हैं।

फरार चल रहा वॉन्टेड पकड़ा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: सीमापुरी में हत्या के बाद 8 साल से फरार चल रहे वॉन्टेड आरोपी को क्राइम ब्रांच ने पकड़ा है। डीसीपी पंकज कुमार के मुताबिक, 2018 में न्यू सीमापुरी में एक रात आरोपी अपने साथियों के साथ एक घर में चोरी करने घुसा था। मालिक जाग गया और बदमाशों से भिड़ गया। इस पर उनकी गला घोंट हत्या कर दी थी। बाकी आरोपी पकड़ लिए गए थे।

चोरी करने के दौरान गला घोंटकर कर दी थी हत्या

ट्रैफिक पुलिसकर्मियों से वसूली मामले में एक और गिरफ्तार

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने ट्रैफिक पुलिसकर्मियों का वीडियो रिकॉर्ड कर ब्लैकमेल कर उगाही करने वाले वसूली गैंग के एक और बदमाश को गिरफ्तार किया है। इसका नाम आमिर चौधरी उर्फ सिकंदर है। इससे पहले संजय गुप्ता नाम के कालीबाज को पकड़ा किया गया है। दोनों पहले से गिरफ्तार मास्टरमाइंड जीशान अली और राजकुमार उर्फ राजू मीना के खास थे। अब तक इस सिंडिकेट के कुल 10 बदमाश गिरफ्तार हो चुके हैं।

अब तक इस सिंडिकेट के कुल 10 बदमाश पकड़े गए हैं

पुलिस के अनुसार, करावल नगर का आमिर कैब ड्राइवर है। उसे एक सरकारी अफसर से उगाही करते पकड़ा गया। इसके पास से 60 हजार रुपये कैश और दो मोबाइल बरामद हुए। यह जीशान अली वाले मामले में सातवीं गिरफ्तारी है। डीसीपी क्राइम ब्रांच संजीव कुमार यादव के मुताबिक यह सिंडिकेट दो अलग-अलग गिरोहों के रूप में सक्रिय था। एक गिरोह जीशान अली और दूसरा राजकुमार मीना चला रहा था।

'भारंगम' में दिख रहे ग्लोबल रंग, मेहमानों के लिए 7 देशों से ट्रीट

Katyayani.Upreti@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** थिएटर का ग्लोबल अंदाज 'भारत रंग महोत्सव' में नजर आ रहा है। इस बार नैशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) के 'भारंगम' के मंच पर भारत के अलावा 7 देशों से नाटक हैं। 25वां इंटरनैशनल थिएटर फेस्टिवल रंगमंच ही नहीं, कला के हर संस्कृति, भाषा और रंगभाषा के बीच संवाद का मंच बनने वाला है। इस साल यह थिएटर फेस्टिवल दिल्ली समेत देश के 40 शहरों की यात्रा कर रहा है, जिसमें दिल्ली के दर्शकों के हिस्से 127 नाटक आए हैं।

थिएटर प्रेमियों की पहली ग्लोबल मुलाकात इटली से आए सोलो परफॉर्मेंस ' ! ' से हुई। इटली के रंगकर्मी पाओलो अवाजानेओ के लिखे इस नाटक ने संवादहीन रंगमंच की ताकत को बखूबी सामने रखा। सादे मंच और कम से कम प्रॉप्स के साथ कलाकार पाओलो ने हाव-भाव, शारीरिक गति और भावनात्मक अभिव्यक्ति से कहानी को इस तरह बुना कि दर्शक आखिरी पल तक बंधे रहे। शब्दों के बिना भी रंगमंच कितनी गहराई से संवाद कर सकता है, यह नाटक उसका सशक्त उदाहरण बनकर उभरा।

इटली के नाटक '!' ने थिएटर लवर्स का जीता दिल

इंटरनैशनल नाटकों की कड़ी में कई देशों से नाटक पहुंच रहे हैं। एनएसडी डायरेक्टर चितरंजन त्रिपाठी बताते हैं कि पोलैंड, स्पेन, रूस, इटली, नेपाल, श्रीलंका और चेक रिपब्लिक से 12 नाटक पेश हो रहे हैं। इनमें से कुछ नाटक दूसरे शहरों में भी जाएंगे। नेपाल और श्रीलंका से हमें दो-दो नाटक देखने को मिलेंगे।

आवाज़ बताएगी, मन में उदासी तो नहीं छिपी?

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : अब डिप्रेशन की पहचान सिर्फ सवाल-जवाब या टेस्ट तक सीमित नहीं रहेगी। डॉक्टरों का कहना है कि किसी व्यक्ति की आवाज भी उसकी मानसिक सेहत की स्थिति बता सकती है। एम्स दिल्ली की एक रिसर्च में सामने आया है कि स्पीच एनालिसिस यानी बोलने के तरीके का विश्लेषण कर डिप्रेशन के शुरुआती लक्षण पहचाने जा सकते हैं। एम्स के स्पीच हेल्थ लैब में 423 लोगों पर किए गए इस रिसर्च में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं।

एम्स के साइकायट्री विभाग के डॉ. नंद कुमार के अनुसार, एम्स में कोल इंडिया लिमिटेड (CIL) के सीएसआर सहयोग से एक अत्याधुनिक स्पीच हेल्थ लैब विकसित की गई है। यहां आर्टिफिशल इंटेलिजेंस की मदद से आवाज के भावाई और भावनात्मक संकेतों का विश्लेषण कर डिप्रेशन की शुरुआती पहचान पर काम किया जा रहा है। पिछले दो वर्षों में लैब ने 423 प्रतिभागियों के स्पीच सैंपल और मानसिक स्वास्थ्य आकलन को मिलाकर अध्ययन किया। अध्ययन में शामिल प्रतिभागियों में 179 पुरुष 42.3 पर्सेंट और 244 महिलाएं 57.7 पर्सेंट थीं। डिप्रेशन के क्लिनिकली महत्वपूर्ण लक्षणों की पहचान के लिए PHQ 9 स्कोर 10 या उससे अधिक को मानक माना गया। 134 प्रतिभागी 31.7 पर्सेंट डिप्रेशन से ग्रस्त पाए गए, जबकि 289 प्रतिभागी 68.3 पर्सेंट में डिप्रेशन के स्पष्ट लक्षण नहीं मिले।

AIIMS में AI आधारित स्पीच हेल्थ लैब के रिसर्च में चौंकाने वाले आंकड़े मिले

75 लापता लोगों को परिजनों से मिलाया

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : साउथ-वेस्ट डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने जनवरी महीने में 'ऑपरेशन मिलाप' के तहत 75 लापता लोगों को खोजकर परिवार से मिलवाया। इनमें 28 नाबालिग बच्चे हैं। डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि गुमशुदगी की सूचना मिलते ही संबंधित थाने की टीमें सक्रिय हो गईं। स्थानीय स्तर पर पूछताछ के साथ-साथ सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए।

महिलाओं से मोबाइल झपटने वाले 2 अरेस्ट

■ NBT न्यूज, पंजाबी बाग: पंजाबी बाग पुलिस ने महिलाओं से मोबाइल झपटने वाले दो बदमाशों को पकड़ा है। इनकी पहचान आनंद पर्वत के ललित और मुकुल के रूप में हुई है। इनसे लूट में इस्तेमाल चोरी की स्कूटी और लूटा गया मोबाइल बरामद हुआ है। वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के डीसीपी शरद भास्कर के अनुसार एसीपी शिवम की देखरेख में SHO संजय दहिया की टीम ने इन्हें पकड़ा।

लूटपाट का विरोध करने पर चाकू मारा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: गांधी नगर में बाइक सवार चार बदमाश चांदी गलाने वाले कारीगर से लूटपाट करने लगे। विरोध करने पर बदमाशों ने उन्हें चाकू मारकर घायल कर दिया। कारीगर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनके बयान पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपियों का पता लगा रही है।

पहाड़ों से राष्ट्रपति भवन के किचन तक, उत्तराखंडी ज़ायके का शाही सफर

Poonam.Bisht@timesofindia.com

जखिया आलू और बिच्छू घास जैसी पारंपरिक डिशेज का आधुनिक फ्यूजन

■ **नई दिल्ली:** पहाड़ी खानपान और जायका अब राष्ट्रपति भवन के किचन से होकर VIP मेहमानों की प्लेट तक पहुंच चुका है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति की ओर से अपने आवास पर दिए गए 'एट होम' इवेंट में परोसी गई थाली में भी पहाड़ी जायकों की कई वैराइटियां थीं।

इनमें पहाड़ी घरों में आमतौर पर बनने वाला जखिया आलू और हरे टमाटर की चटपटी चटनी थी तो मुंह में मिठास घोलने वाली झंगोरे की खीर से लेकर चावल के साथ खाई जाने वाली चिंचोणी और नींबू सान जैसी रसीली चीजें थीं। राष्ट्रपति भवन के इस मेनू में हिमालयी राज्यों के खानपान को नए फ्यूजन के साथ परोसा गया था, जिसमें झंगोरे की खीर को मेघालय के मिश्री सॉल्ट (मिश्री लूण) और व्हाइट चॉकलेट के साथ परोसा गया था। पहाड़ी रास्तों में जहां-तहां उगी बिच्छू घास (नेटल लीव्स) से बनी डिश 'बिच्छू बूटी पत्ता' भी थी, जिसे हिमालयी सरसों और लौकी के साथ परोसा गया था।

चैंसू, फाणु और पिस्यूं लूण के अलावा एक स्वादिष्ट और पौष्टिक डिश है 'नाल बड़ी' जिसे प्रमोट किए जाने की जरूरत है। असल में यह लुप्त हो रही है। - रशिना

पहाड़ी खानपान को 25 साल से देश-दुनिया में प्रमोट कर रहीं कलिनरी कंसल्टेंट रशिना मनशी घिल्डियाल बताती हैं, पहाड़ी फूड खासकर उत्तराखंडी फूड को इस तरह वीआईपी मेनू में जगह मिलना शानदार है। मैं खुद भी अपनी शादी के बाद से उत्तराखंडी फूड को एक्सप्लोर और प्रमोट करती आ रही हूं। मुझे खुशी है कि 2016 में जिस 'जखिया आलू' की डिश को मैंने यह नाम दिया था, आज वह इसी नाम से मशहूर हो रही है, वरना इसे पहले सिर्फ 'आलू गुटका' कह दिया जाता था।

जिस जखिया आलू को वीआईपी मेनू में जगह मिली है, उसे सबसे खास बनाता है इसका तड़का, जिसमें पड़ता है जखिया। देशभर की चटनियों के 230 प्रकारों पर बुक लिख चुकीं रशिना बताती हैं - जखिया एक समय पहाड़ों पर खेतों में उगता था। इसे कोई उगाता नहीं था बल्कि जंगलों में वीड की तरह उग जाया करता था। भोटिया कम्युनिटी इसे बेचती थी।

देश के बाकी इलाकों में जीरा उगता था तो वहां तड़के में जीरा आया, वहीं पहाड़ों में स्थानीय स्तर पर आसानी से उगने वाले जखिया, भांगजीरा और भांग ने तड़के में जगह बनाई।

रशिना बताती हैं, उत्तराखंडी खानपान स्वाद और पौष्टिकता से भरपूर है और कोविड के बाद लोगों ने इस बात को और भी गहराई से समझा है। इस सवाल पर कि कौन सी उत्तराखंडी डिशेज हैं जिनका स्वाद दुनिया के सामने अभी सही से आना बाकी है, रशिना कहती हैं - चैंसू, फाणु और पिस्यूं लूण के अलावा एक स्वादिष्ट और पौष्टिक डिश है 'नाल बड़ी' जिसे प्रमोट किए जाने की जरूरत है। असल में यह लुप्त हो रही है। नाल बड़ी के बारे में रशिना बताती हैं - यह अरबी के तने से बनती है। तने के ऊपर उड़द का लेप लगाते हैं, उसे सुखाते हैं और काटकर छोटे-छोटे पीस बनाए जाते हैं। इस बड़ी को दाल में भी डाला जा सकता है और करी में भी बनाया जाता है।

इसे बनाने की विधि बहुत मजेदार है। जिस तरह कपड़े सुखाने के लिए उन्हें रस्सी पर लटकाया जाता है, उसी तरह नाल बड़ी को भी रस्सी पर लटकाया जाता है। जिस तरह कबाब को सींख के चारों ओर लगाना होता है, वैसा ही कुछ इसमें होता है।

धूप में सुखाने से उड़द की परत सूख जाती है और अरबी की डंठी सूखकर पाइप जैसा स्पेस बना देती है। यह उत्तराखंड की 'डाइंग आर्ट' है जिसे बचाने की जरूरत है। हम अपने घर पर इसे हर साल बनाते हैं। बस इसके लिए चाहिए अरबी की अच्छी स्टिक और बनाने की स्किल। मार्केट में नाल बड़ी मिलती है मगर उसमें वह बात नहीं होती। हाई प्रोटीन और फाइबर से भरपूर यह नाल बड़ी बहुत हेल्दी होती है।

किराड़ी में विद्यापति पर्व समारोह आयोजित

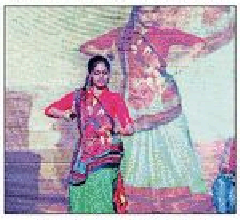

मैथिली गीतों की प्रस्तुतियां दी गईं

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** मैथिली संस्कृति सेवा समिति ने किराड़ी में बाबा विद्यापति समारोह का आयोजन धूमधाम से किया। इस अवसर पर मिथिला के प्रसिद्ध कलाकारों संगम झा, अमोद झा, निखिल आनंद, कुमकुम मिश्र और अन्य ने विद्यापति की रचनाओं पर आधारित मैथिली गीतों की प्रस्तुतियां दीं, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व सांसद महाबल मिश्र उपस्थित रहे।

संस्था के सदस्य दीपक झा ने बताया कि यह पहली बार है जब किराड़ी के युवा अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने की ओर आगे बढ़ रहे हैं और मिथिला और मैथिली भाषा-संस्कृति को समझने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने का काम करते हैं। कार्यक्रम में अमित झा, पंकज झा, मुरारी मोहन, कमलेश मिश्रा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

दिखी हिमाचली संस्कृति की झलक

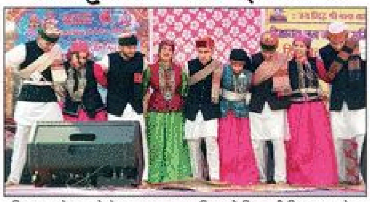

हिमाचल स्टेटहुड डे के अवसर पर पुष्प विहार में हिमाचली मिलन समारोह

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली**

दिल्ली में रह रहे हिमाचलियों की अग्रम सामाजिक संस्था 'हिमाचल जन जागृति समिति' की ओर से हिमाचल स्टेटहुड डे के अवसर पर पुष्प विहार में हिमाचली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। हिमाचल के जाने-माने लोक गायक मोहित गर्ग, विनोद डोगरा और संजीव शर्मा ने अपने चिर-परिचित अंदाज में पहाड़ी गानों से ऐसा समां बांधा कि हर कोई झूमने लगा।

सभा के अध्यक्ष राज ठाकुर ने बताया कि सामाजिक क्षेत्र, कला, संस्कृति में विशेष योगदान के लिए प्रमुख लोगों को हिमाचली टोपी, शॉल और प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। वीर् स्टूडेंट्स की संस्था 'दिल्ली हिमाचल स्टूडेंट एसोसिएशन' की ओर से कार्यक्रम पेश किए। पालमपुर सुधार सभा के अध्यक्ष विनय डोगरा, ज्वालामुखी विकास सभा के महासचिव राकेश चंद्र, हिमाचल प्रकोष्ठ के संयोजक संजय राणा, राजेश चौधरी, राहुल राणा, योगेंद्र शर्मा, सुभाष ठाकुर, राजेंद्र ठाकुर भी उपस्थित रहे। इस समारोह में विशेष रूप से हिमाचल से आए रसोइयों की ओर से तैयार स्वादिष्ट 'कांगड़ी धाम' का मेहमानों ने आनंद लिया। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष सी.एस. राणा, अमर नाथ शर्मा, संजय ठाकुर और सुनील शर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

गढ़वाल सदन में गौरवपूर्ण सम्मान समारोह

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** गढ़देशीय भ्रातृ मंडल पूर्वी दिल्ली की ओर से रविवार दोपहर कड़कड़डूमा में स्थित गढ़वाल सदन में वरिष्ठ आजीवन सदस्य सम्मान दिए गए। इस अवसर पर नब्बे प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं की रंगारंग प्रस्तुति ने समां बांध दिया। मंडल के पूर्व अध्यक्षों का भी इस अवसर पर स्वागत किया गया।

मंडल के अध्यक्ष विनोद कुमार नौटियाल और महासचिव कमल सिंह रावत ने बताया कि इस अवसर पर पार्षद वीर सिंह पंवार, पार्षद यशपाल कैंतुरा, गढ़वाल हितैषिणी सभा के महासचिव पवन कुमार मैठाणी, शैलेंद्र नेगी आदि उपस्थित थे।

आस्था का कठिन मार्ग

मलयेशिया के सेलांगोर में रविवार को थाईपुसम उत्सव के दौरान बाटू केव्स स्थित श्री सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर की ओर बढ़ते हुए एक हिंदू भक्त कावड़ी के साथ विश्राम करता हुआ। यह वार्षिक पर्व उस क्षण की याद में मनाया जाता है, जब भगवान मुरुगन को देवी पार्वती से पवित्र शक्ति (वेल) प्राप्त हुई थी, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। इस तीर्थयात्रा के दौरान श्रद्धालु उपहार के रूप में कावड़ी और दूध के पात्र ले जाते हैं, जबकि कई भक्त कठिन प्रायश्चित और आध्यात्मिक भक्ति के रूप में शरीर वेधन (piercing) जैसे अनुष्ठान भी करते हैं।

गूंजी उत्तराखंड के पहले लोक गायक की यादें

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली**

उत्तराखंड के लोक संस्कृति के युगपुरुष जीत सिंह नेगी की उनकी 99वीं जयंती की पूर्व संध्या पर रविवार को उत्तराखंड लोक-भाषा साहित्य मंच की ओर से न्यू अशोक नगर में आयोजित एक समारोह में नेगी के गीतों और संस्मरणों से लोगों ने याद किया। इस अवसर पर भाषा क्लास के केंद्र प्रमुखों और सहयोगियों का सम्मान भी किया गया।

उत्तराखंड लोक-भाषा साहित्य मंच के संयोजक दिनेश ध्यानी ने बताया कि नेगी हमारी लोक संस्कृति के वट वृक्ष हैं। अगले साल 2 फरवरी, 2027 को नेगी जी की 100वीं जयंती पर विराट आयोजन होगा। ध्यानी ने कहा कि गढ़वाली और कुमाऊंनी भाषाओं के संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल होने से जीत सिंह नेगी का भी एक सपना पूरा होगा। इस अवसर पर उत्तराखंड लोक-भाषा साहित्य मंच के संरक्षक डॉ. विनोद बछेती ने कहा कि नई पीढ़ी को जीत सिंह नेगी के काम को समझना चाहिए।

न्यू अशोक नगर में आयोजित एक समारोह में नेगी के गीतों और संस्मरणों से लोगों ने याद किया

युगपुरुष जीत सिंह नेगी की 99वीं जयंती का भव्य आयोजन

नेगी उस दौर में उत्तराखंड के ऐसे पहले लोक गायक थे, जिनका एलपी रिकॉर्ड (ग्रामोफोन) 1949 में बन गया था। उनके नाटक भी लोकप्रिय हुए। उन्होंने कई मशहूर किताबें भी लिखीं। नेगी को संगीत नाटक अकादमी सम्मान भी मिला।

कार्यक्रम में पूर्वी दिल्ली के डीएम कुलानंद जोशी, दिल्ली टीचर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष और प्रोफेसर वीरेंद्र सिंह नेगी, प्रोफेसर हरेंद्र असवाल, कवि जयपाल सिंह रावत, दर्शन सिंह रावत, रमेश चंद्र घिल्डियाल 'सरस', दिनेश ध्यानी, डॉ. रुचि राणा, बृजमोहन वेदवाल, निर्मला नेगी, दयाल नेगी, रेखा चौहान, नेत्र सिंह असवाल, दीनदयाल बंदूणी, चंदन प्रेमी, दिग्पाल कैंतुरा, सुशील बुड़ाकोटी, दीवान सिंह नेगी 'रिंगुण', जगमोहन सिंह रावत 'जगमोरा', अनूप रावत, सागर पहाड़ी, द्वारिका चमोली, भगवती प्रसाद जुयाल, सुशील बुड़ाकोटी, रामेश्वरी नादान, अनिल कुमार पंत, जबर सिंह कैंतुरा, संदीप गढ़वाली, **गोविंद** राम पोखरियाल 'साथी', वीरेंद्र जुयाल 'उपरी' आदि लोग उपस्थित थे।

TIMES TRIBUTE
PAYING HOMAGE TO THE DEPARTED SOUL

To book your ad | Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) | Scan QR Code

श्रद्धापूर्वक स्मरण में
स्व. श्री महेश्वरनाथ रहेजा
(11.01.1918- 02.02.1976)

श्रद्धावनत
रहेजा परिवार
कृष्णा-महेश रामती संस्थान
RAHEJA™
सम्पर्क: 99710 91907
www.raheja.com

REMEMBRANCE
SHARING MEMORIES

Happy Birthday
In Loving Memory of
OM KUMAR BAHRY
S/o Late Bhim Sain Bahry
and Kamla Rani
2nd February
"Dad, your absence is deeply felt, but your love continues to guide us every day. Your memory is a source of strength, and we honor you by living the values you instilled in us. The lessons you taught us are the pillars upon which we stand, unwavering and strong. Your absence reminds us to cherish every moment and live as you did - with love and purpose.. Lovingly Remembered by Rohit, Pooja & Rohan. Bahry (9810083440) All family members and staff of B.SEN BARRY & CO .

"HONOUR. COURAGE. BRAVERY. Three words that you taught us. Three words that help us cope with your loss".

The silent joy of remembering a loved one.
The moments you shared together.
Little moments that make life beautiful.
Share them. With Friends. Relatives. Neighbours. Colleagues. With all those whose lives the departed Soul has touched. Because while life goes on, when you share memories, they stay on forever.

Publications	Total Outlay
The Times of India Delhi/NCR	5,600
TOI+NBT (Delhi/NCR)	8,800
TOI+ET (Delhi/NCR)	6,600

REMEMBRANCE
SHARING MEMORIES
For any information call
Vinod : 9958992088
Pankaj : 8130604727

TIMES TRIBUTES
RATE CARD

Publications	Rates per sq. cms
TOID Capital + NBT (Delhi+NCR)	1295
TOID Full Run ## + NBT (Delhi+NCR)	1360
THE TIMES OF INDIA (Delhi+NCR)	780
THE TIMES OF INDIA (Delhi) Full Run##	900
NAVBHARAT TIMES (Delhi+NCR)	595
THE ECONOMIC TIMES (Delhi+NCR)	715
SANDHYA TIMES (Delhi)	100

Rates effective 5th June 2019

▸ *Placement on specified obit pages only. ▸ This rate benefit is extended up till the size of 320 sq. cm only. ▸ ## Full run includes Delhi City + NCR (Including Gurgaon + Noida) + Chandigarh + Western U.P. + Uttarakhand ▸ TOI Capital (Delhi & NCR) includes TOI Gurgaon & TOI Noida.

To place an Obituary announcement or Remembrance message please call
Vinod: 9958992088
Pankaj : 8130604727

TO BOOK AN OBITUARY AD PLEASE CONTACT
VINOD : 99589 92088
PANKAJ : 81306 04727
TO BOOK ONLINE LOG ON TO
Ads.timesofindia.com

दिल्ली-NCR

जू ने अपनी जांच में बताया, नहीं हुई थी सियार की हत्या

■ **राम त्रिपाठी, चिड़ियाघर**

दिल्ली जू में सियार की हत्या होने के आरोप की जांच के लिए बनी कमिटी की रिपोर्ट सामने आ गई है। रिपोर्ट में साफ किया गया है कि किसी सियार की हत्या नहीं हुई। हालांकि प्रशासनिक स्तर पर कुछ कमियां जरूर पाई गई हैं, जिनकी अलग से जांच चल रही है। 3 तारीख के बाद संबंधित कर्मचारियों पर एक्शन लिया जा सकता है।

चिड़ियाघर वर्कर्स यूनियन ने 12 जनवरी को लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया था कि पिछले साल 17 और 18 दिसंबर को एक सियार को जिंदा जला कर मार दिया गया। आरोप था कि आग में मिर्च और नमक भी फेंका गया। बताया गया कि सियार बीट नं. 4 में भालू की मांद में घुस गया था और उसी मांद में उसे जलाकर मार डाला गया। शिकायत पत्र केंद्रीय मंत्रालय तक भेजा गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए चिड़ियाघर प्रशासन ने ज्वाइंट डायरेक्टर को तुरंत जांच की जिम्मेदारी सौंपी थी। यूनियन के आरोपों के बाद जू डायरेक्टर डॉ. संजीत कुमार ने कहा था कि सियार को जिंदा जलाकर मारने जैसी किसी घटना की जानकारी नहीं है। जू में मौजूद सियारों की संख्या रिकॉर्ड के मुताबिक है। 21 मार्च तक 4 नर, 2 मादा और 3 बच्चों का रिकॉर्ड दर्ज है। किसी सियार की मौत नहीं हुई। केवल एक बूढ़े सियार की मौत 23 जनवरी को हुई थी।

जांच कमिटी को कोई चश्मदीद गवाह नहीं मिला। जांच में इतना जरूर सामने आया कि एक सियार जू में आया था, जो अजीमगंज सराय के जंगल की तरफ से घुसा था। इसके बाद वह कहां गया और कैसे निकला, इसकी जानकारी समय पर प्रशासन को नहीं दी गई। इसे लापरवाही माना गया है। रिपोर्ट के आधार पर व्यवस्था सुधारने के लिए एक्शन लिया जा सकता है।

आखिर सियार गया कहां, किसी को नहीं पता: कमिटी ने दर्जन से ज्यादा स्थायी कर्मचारियों और DOL पर काम कर रहे प्राइवेट कर्मचारियों के बयान दर्ज किए। किसी भी बयान में हत्या के आरोप की पुष्टि नहीं हुई। कर्मचारियों ने इतना जरूर बताया कि सियार बीट नं. 4 में भालू की मांद में देखा गया था।

सार्वजनिक सूचना

यह सार्वजनिक सूचना आम जनता की जानकारी के लिए है कि हमारे मुवक्किल **न्यू मोती नगर, शिवाजी मार्ग/नजफगढ़ रोड, दिल्ली में स्थित Plot No-32, जिसका क्षेत्रफल 2.16 एकड़ है और जो उत्तर में शिवाजी मार्ग/नजफगढ़ रोड, दक्षिण में Plot No-33, पूर्व में Plot No-31 और पश्चिम में रामा रोड से घिरा है ("उक्त भूमि")** के मालिक श्री अनिल कुमार जैन दत्तक पुत्र स्वर्गीय श्री मंगल सैन जैन ("उक्त स्वामी") से उक्त भूमि को प्राप्त करने के इच्छुक है।

यदि कोई व्यक्ति या उक्त स्वामी के कानूनी उत्तराधिकारी का उक्त भूमि या उसके किसी भाग के विरुद्ध या उसके संबंध में किसी भी तरीके से कोई दावा, हित, अधिकार, हक, शीर्षक, मांग, संपदा हित का दावा करना या रखना, जिसमें बिक्री, उपहार, विनिमय, विक्रय अनुबंध, उक्त भूमि में हिस्सेदारी सहित अधिकार या हित, बंधक, गिरवी, किराये पर देना, पट्टा, किरायेदारी, ग्रहणाधिकार, प्रभार, दृष्टिबंधक, रखरखाव, लाइसेंस, कब्जा, आंशिक कब्जा, सुखभोग/अधिकार शामिल है या उक्त भूमि या उसके किसी भाग को हस्तांतरित करने या उक्त भूमि में लाभकारी हित के हस्तांतरण या किसी अन्य समझौते या व्यवस्था के संबंध में मूल अधिकार विलेख, ट्रस्ट, वसीयत, असाइनमेंट या प्रतिकूल दावा रखने वाले, उक्त भूमि या उसके किसी भाग को हस्तांतरित करने या उक्त भूमि में लाभकारी हित के हस्तांतरण या किसी अन्य समझौते या व्यवस्था के संबंध में, जिसका प्रभाव उनके पक्ष में या पूर्वोक्त में से किसी या किसी अन्य निपटान या किसी डिक्री, आदेश या पंचाट के तहत अधिकार प्रदान करने या निहित करने का हो, या किसी भी तरह से दावा करने वाले से अपेक्षित है कि वे अपने दावों, हितों, अधिकारों, हकों, शीर्षक या मांगों का समर्थन करने वाले सभी दस्तावेजों के साथ इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तारीख से 14 (चौदह) दिनों के भीतर नीचे हस्ताक्षरकर्ता को सूचित करें। ऐसा न करने पर यह माना जाएगा कि ऐसे दावेदारों ने उक्त भूमि में और उक्त मालिक के खिलाफ अपने दावों और मांगों को त्याग दिया है या माफ कर दिया है और इस पर कोई दावा या मांग मौजूद नहीं है और उक्त मालिक उक्त भूमि और उसके प्रत्येक भाग के साथ उस तरीके से व्यवहार करने के लिए स्वतंत्र है, जैसा वे उचित समझें।

आशीष कक्ष
KkL PARTNERS
P-3, South Extension - 2, New Delhi – 110049, India
M: +91-9899282553 E: aashish@kklpartners.in

कम टाइम में हेल्दी और टेस्टी स्नैक्स बनाना सीखें

एनबीटी रंगमंच क्लब आपके लिए लेकर आया है ट्रेडिशनल किचन रेसिपीज वर्कशॉप जिसमें फूड बिजनेस चलाने वाली शेफ शिवानी बहुगुणा आपको सिखाएंगी कि कैसे आप घर पर कम समय में हेल्दी इंडियन स्नैक्स और टेस्टी फूड तैयार कर सकते हैं। इसके साथ ही वह आपको चॉकलेट बनाने और केक मेकिंग के टिप्स भी देंगी। इसमें हिस्सा लेने के लिए आपको करवाना है बस रजिस्ट्रेशन।

NBT रंगमंच Club

शिवानी बहुगुणा (शेफ)

तारीख: 3 फरवरी 2026
दिन: मंगलवार
समय: 3 से 4 बजे तक
फीस: निशुल्क

रजिस्ट्रेशन के लिए 7003850071 पर कॉल या वट्सऐप करें।

सुबह बूंदाबांदी, दोपहर में गर्मी

■ **NBT न्यूज, नूंह :** संडे सुबह की शुरुआत हल्की बूंदाबांदी से हुई। इसके बाद दोपहर के समय लोगों को गर्मी महसूस हुई। बारिश अनुमान के हिसाब से कम रही, जबकि पूरे दिन बारिश के दो तीन स्पैल का पूर्वानुमान किया गया था। अब अगले 6-7 दिनों तक बारिश की संभावना नहीं है। ऐसे में मौसम आरामदायक बना रहेगा। रविवार को सुबह के समय तेज ठंडी हवाएं चलीं।

इसके साथ ही कुछ इलाकों में बूंदाबांदी हुई। मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली (सफदरजंग), पालम में बूंदाबांदी हुई। लोदी रोड में 0.2 एमएम और रिज में 0.6 एमएम बारिश हुई। न्यूनतम तापमान 12.1 डिग्री रहा। यह सामान्य से 3.7 डिग्री अधिक रहा। वहीं, न्यूनतम तापमान 24.6 डिग्री रहा। यह सामान्य से 2.3 डिग्री अधिक रहा। पूर्वानुमान के अनुसार सोमवार को आंशिक रूप से बादल रहेंगे। हल्के से मध्यम कोहरा रह सकता है। हवाओं की गति 10 से 20 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है। अधिकतम तापमान 21 डिग्री और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री तक रह सकता है। 3 से 7 फरवरी के बीच आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। हल्के से मध्यम कोहरा रह सकता है। अधिकतम तापमान 18 से 21 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7 से 12 डिग्री तक रह सकता है।

दो पक्षों में विवाद के बाद कई राउंड फायरिंग, केस दर्ज

■ **NBT रिपोर्ट, नोएडा**

सेक्टर 104 हाजीपुर गांव में शनिवार रात कुछ दबंग लोग एक शख्स के घर के बाहर फायरिंग कर फरार हो गए। रविवार को घटना की जानकारी मिलने पर सेक्टर-39 थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और खोखे बरामद किए। घटना से संबंधित कई विडियो भी पुलिस को मिले हैं। पुलिस का कहना है कि शनिवार रात हाजीपुर गांव में दो पक्षों में किसी बात पर विवाद हो गया था। दोनों पक्ष पूर्व से आपस में परिचित हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस दौरान कई राउंड फायरिंग भी हुई है। पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। घटना से संबंधित दो विडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। दस सेकंड के पहले विडियो में घटनास्थल पर कारतूस सड़क पर पड़ा हुआ दिखाई दे रहा है।

वहीं करीब तीन मिनट के एक अन्य विडियो में एक कार घटनास्थल की तरफ आती और जाती हुई दिख रही है। विडियो के अंत में कई राउंड फायरिंग होने की आवाज भी सुनाई पड़ रही है। वायरल विडियो में यूजर ने नोएडा पुलिस को टैग कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 02-02-2026 Zone: Noida Edition: 1 Page: NBTNDP5 User: brahmansh.yadav@timesofindia.c Time: 02-01-2026 23:16 Color:

भविष्य पर किसका असर

एक सर्वे मे 80% से ज्यादा Gen Z मानते है कि जलवायु परिवर्तन का उनके भविष्य पर असर होगा।

UNION BUDGET 2026-27

मै मानता हू कि बजट केवल वार्षिक राजस्व और व्यय का बयान भर नही होता। मौजूदा परिस्थितियो मे बजट भाषण को उन प्रमुख चुनौतियो पर एक स्पष्ट दृष्टिकोण पेश करना चाहिए, जिनका जिक्र कुछ दिन पहले जारी किए गए आर्थिक सर्वे मे किया गया था।- पी. चिदंबरम, कांग्रेस

बजट देखा-पढ़ा, समझा और दे दिए नंबर

कुछ Wow, कुछ Why? GenZ का बजट पर Reply

दुनिया भर मे इस वक्त GenZ की बात सुनी और समझी जा रही है। इसी सिलसिले मे इस बार एनबीटी ने भी इस जेनरेशन के युवाओ को बजट पर चर्चा मे शामिल किया था। अब जब बजट सामने आ चुकी है तो इस पर युवाओ का क्या कहना है और वो इसे कितने मार्क्स दे रहे है। भविष्य की इन आंखो ने बजट की बारीकियो को कैसे परखा, कात्यायनी उप्रेती की रिपोर्ट मे पढ़िए विस्तार से।

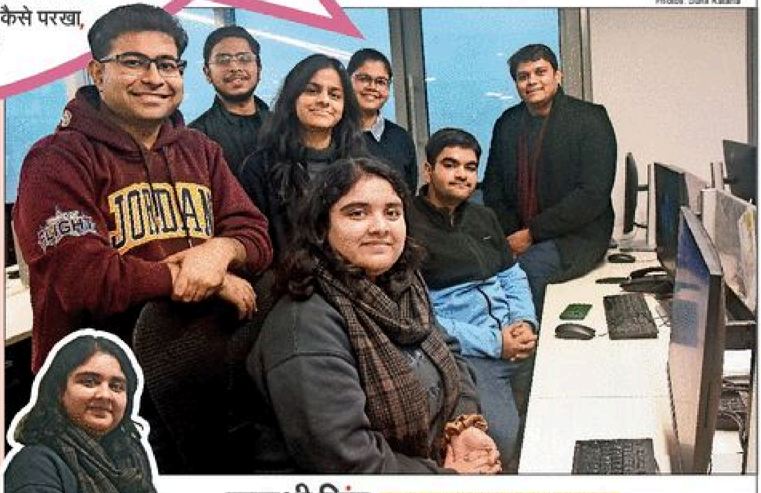

अवियुष सोढी

स्टूडेंट, ARSD कॉलेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी

मेरी उम्मीदो के हिसाब से यह बजट नही है। शिक्षा, चाहे हायर हो या प्राइमरी, दोनो पर ही फोकस कम ही लगा। जॉब्स पर भी ज्यादा कुछ नही है। मैन्युफैक्चरिंग, ऑर्गेनिक फार्मिंग, रिन्यूएबल एनर्जी और सस्टेनेबिलिटी पर भी उतनी बात नही हुई जितनी उम्मीद थी। लेकिन फिर भी कुछ अच्छी बाते जरूर है। जैसे, जिसकी बिल्कुल उम्मीद नही थी, वो थी मेंटल हेल्थ पर चर्चा, तेजपुर और रांची मे नए NIMHANS (नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंसेज) खोलने का प्रस्ताव अच्छा कदम है। बायो-फार्मास्यूटिकल्स पर फोकस, खासकर डायबिटीज और कैंसर जैसी बीमारियो पर रिसर्च की बात एक पॉजिटिव कदम है। यह भी अच्छा है कि टेक्सटाइल सेक्टर मे बुनकरो और कारीगरो के लिए टार्गेटेड स्कीम्स रखी गई है।

7/10

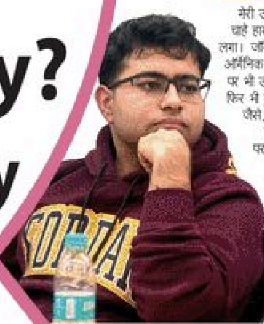

Photos: Sunil Kataria

गति लोहिया

स्टूडेंट, SRCC, दिल्ली यूनिवर्सिटी

पिछले कुछ सालो के बजट को देखते हुए मुझे इस बार कोई बहुत ज्यादा उम्मीदे नही थी। फिर भी बजट की एक अच्छी बात यह लगी कि कैपिटल एक्सपेंडिचर बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ कर दिया गया है। इससे आने वाले समय मे रोजगार के मौके बढ़ेगे और देश की इकॉनमी को सपोर्ट मिलेगा। लेकिन इनकम टैक्स स्लैब वही के वही है, यानी टैक्स का बोझ कम नही हुआ। इसके अलावा F&O (फ्यूचर एंड ऑप्शंस) पर STT (सिक्योरिटी ट्रांसजेक्शन टैक्स) बढ़ा दी गई है, जिससे इस सेक्टर मे निवेश करना पहले जितना आकर्षक नही रहा।

6.5/10

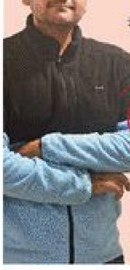

कृष्ण कार्तिक दारा

स्टूडेंट,SRCC,दिल्लीयूनिवर्सिटी

मै यही कहूंगा कि बजट सही दिशा मे है। युवा शक्ति पर फोकस किया गया है। हालांकि, एजुकेशन के लिए ज्यादा बजट नही रखा गया मगर फॉरेन एजुकेशन को लेकर मदद, स्किल इंडिया प्रोग्राम, खेलो इंडिया प्रोग्राम को विस्तार, वोकेशनल कोर्सो पर फोकस है, जो जरूरी है। इस बजट मे मेंटल हेल्थ का ध्यान रखा गया है, यह जानना दिलचस्प रहा। रोजगार के लिए बजट मे ज्यादा कुछ नजर नही है, भारत मे जो जरूरत है, उस हिसाब से बजट पीछे रह जाता है मगर फिर भी दिशा सही है।

7/10

केसब झुनझुनवाला

स्टूडेंट, दिल्ली स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स, डीयू

बजट मे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) को शामिल करने पर जोर दिया गया है, जो अच्छी बात है। वित्तीय घाटा कम होने की बात कही गई है और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर मे विकास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा दिखती है। इसके साथ ही इंडस्ट्री मे कार्बन कैप्चर,स्टोरेज की शुरुआत भी पॉजिटिव कदम है। लेकिन कई अहम कमियां भी नजर आती है। बजट मे आउटकम आधारित बजटिंग की कमी है, जिससे यह साफ नही होता कि खर्च किया गया पैसा जमीनी स्तर पर कितना असर डाल रहा है। मिडिल क्लास और खासकर पारंपरिक किसानो के लिए कोई ठोस राहत नही दिखती। हर जगह AI की बात करना फैंसी तो है, मगर इसकी ट्रेनिंग के लिए कुछ किया नही जा रहा। बजट मे आम लोगो और स्टूडेंट्स के लिए AI स्किल ट्रेनिंग पर निवेश बेहद कम है। साथ ही, कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग मैकेनिज्म का कोई जिक्र नही किया गया। मुझे जमीनी विकास की उम्मीद थी, लेकिन बजट कम जवाबदेही वाला लगा।

4.5/10

शताक्षी सिंह

स्टूडेंट, ARSD कॉलेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी

यह बजट मेरी उम्मीदो को काफी हद तक पूरा करता है। सबसे पॉजिटिव बात यह लगी कि सरकार ने ग्रोथ और जॉब क्रिएशन को प्राथमिकता दी है, खासकर इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर्स और MSMEs पर फोकस के जरिए। इससे लॉन्ग टर्म मे रोजगार के मौके बन सकते है, जो Gen Z के लिए काफी अहम है। एजुकेशन के नजरिए से इंटेंट तो साफ दिखता है कि स्किल्स और ह्यूमन कैपिटल पर ध्यान दिया जा रहा है, लेकिन मुझे लगा कि स्पष्टता थोड़ी और मजबूत हो सकती थी। साथ ही, लागू करने पर फोकस जरूरी है क्योंकि स्किल्स पर पहले भी स्कीम्स आई मगर उतनी असरदार नही रही। हायर एजुकेशन, पब्लिक यूनिवर्सिटीज और इंडस्ट्री से जुड़े स्किल प्रोग्राम्स पर ज्यादा टार्गेटेड कदम होने चाहिए थे।

7/10

नंदिनी नागपाल

स्टूडेंट, दिल्ली स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स, डीयू

फाइनेंस मिनिस्टर ने बजट को युवा शक्ति का बजट बताया है, कोशिश की गई है कि यह युवाओ की महत्वाकांक्षाओ और उनकी कैपेसिटी बिल्डिंग को बढ़ावा दे। दुनिया मे जो अनिश्चित हालात है, उन्हे देखते हुए बजट मे बहुत बड़े या चौंकाने वाले ऐलान नही किए गए, लेकिन फैसले सोच-समझकर लिए गए है। पिछले साल जो बड़े सुधार हुए थे जैसे GST, लेबर कोड, उसी दिशा को आगे बढ़ाया गया है। अच्छा लगा कि सरकार ने 2047 तक विकसित भारत के गोल को ध्यान मे रखते हुए सेमीकंडक्टर, AI, इलेक्ट्रॉनिक्स, MSME, इंफ्रास्ट्रक्चर और एक्सपोर्ट पर फोकस रखा। लेकिन जो कमी लगी, वो है प्रदूषण और स्वास्थ्य समस्याओ पर साफ चर्चा ना होना।

7.5/10

दिल्ली के परिवारों की मार्कशीट में बजट पास हुआ या फेल?

किसी को दिखा विज़न, कोई ढूंढता रहा राहत का रीज़न

सुभाष गौड़ और उनका परिवार

'बुजुर्गों की दवाएं हुईं सस्ती, टैक्स में राहत की कमी'

बजट पूरी तरह 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर तैयार किया गया है। जबकि हाल फिलहाल मे कोई बड़ी राहत नही मिली है। इसलिए हमे तो बजट से जो उम्मीदे थी वह पूरी नही हुई है। महंगाई को कम करने के लिए कुछ नही दिख रहा है। सीनियर सिटिजंस की दवाएं सस्ती हुई है, लेकिन सभी दवाएं सस्ती नही हुई है। इसलिए इसका लाभ भी हम लोगो को नही मिला। महावीर एन्क्लेव के रहने वाले सुभाष गौड़ ने बताया कि टैक्स मे कोई छूट नही मिली है। विदेश मे शिक्षा लेने वालो थोड़ा लाभ मिला है, लेकिन जो लोग देश मे पढ़ रहे है उनके लिए महंगी एजुकेशन को सस्ता करने का कदम नही उठाया गया।

4/10

म्यूचअल फंड बेहतर

सबसे पहले तो न्यूक्लर फैमिली के इस दौर मे जॉइंट फैमिली को बरकरार रखने के लिए आप बधाई के पात्र है। आपका कंसर्न है कि जॉब करने वाले न्यू टैक्स रिजिम की वजह से सेविंग नही कर रहे है। आपकी फैमिली के बच्चे अभी जॉब के लिए नए है, उनमे धीरे धीरे जॉइंट फैमिली की सेविंग की आदत बढ़ेगी। दूसरा आप समझिए की सरकारी स्कीमो मे आप सरकार की पसंद से इनवेस्ट करते है। लेकिन आम मार्केट और म्यूचअल फंड मे पैसा इनवेस्ट कर उससे कहीं अच्छी रिटर्न पा सकते है।

वर्किंग कपल: 'भारी टैक्स भरने वालों के हाथ खाली'

'Proud Taxpayer' होने का दम भरने वाले अवधेश त्रिपाठी और उनकी पत्नी गीतांजलि त्रिपाठी को बजट से निराशा हाथ लगी। यह कपल ईस्ट दिल्ली के हरि नगर इलाके मे रहता है और प्राइवेट सेक्टर की बड़ी-बड़ी कंपनियो मे ऊंचे पदो पर कार्यरत है। उन्हे उम्मीद थी कि सरकार नियमित रूप से भारी टैक्स भरने वालो के लिए किसी तरह का सपोर्ट सिस्टम लेकर आएगी, पर रविवार को जब इस साल का बजट पेश हुआ, तो इससे उनकी उम्मीदो पर पानी फिर गया। जो लोग नियमित टैक्स भरते है, उनके लिए कोई स्पेशल स्कीम जैसे मेडिकल इंश्योरेंस या बच्चो की पढ़ाई मे किसी तरह का लाभ मिलने की हमे उम्मीद थी, पर अफसोस ऐसी कोई घोषणा नही हुई।

6/10

गीतांजलि त्रिपाठी और अवधेश त्रिपाठी

लॉन्ग टर्म की योजना: एक्सपर्ट

आपकी ये बात भी सराहनीय है और गौर करने लायक है कि आपके इतना टैक्स देने के बाद भी ऐसा कोई सिस्टम नही है जो आपके योगदान को पहचान सके। इन सब चीजो के बीच, खास बात यह है कि सरकार एजुकेशन सिस्टम को लेकर बहुत बड़े कदम उठा रही है और आने वाले समय मे शायद हमे अपने बच्चो को विदेश भेजकर वहीं उनको सेटल ना करना पड़े।

सरकार के बजट मे 'फ्यूचर' की फ्लाइट तो हाई है, लेकिन 'प्रेजेंट' मे आम आदमी की जेब थोड़ी टाइट है। दिल्लीवालो ने इस बजट को अपने तराजू मे तोला है। पढ़िए, उनकी मार्कशीट मे बजट पास हुआ या फेल? कात्यायनी उप्रेती, प्राची यादव, पूनम गौड़ की रिपोर्ट...

हमारे एक्सपर्ट ने बताया इस साल के बजट मे किस वर्ग को क्या मिला।

सुशील अग्रवाल CA

स्टूडेंट: 'युवाओं को समर्पित बजट'

अमित कुमार, DU

सरकार ने भारत को आर्थिक गति देने के लिए युवा शक्ति को समर्पित बजट पेश किया है, जो अच्छी बात है। आर्थिक विकास को स्पीड देने के लिए की कोशिश है। इक्विटी सपोर्ट, पैरोकार मदद, ट्रेड्स के माध्यम से फाइनेंशल सपोर्ट और सर्विस सेक्शन पर जोर देना प्राथमिकता लगता है। मगर एजुकेशन के लिहाज से मुझे बजट कुछ खास नही लगा क्योंकि क्वॉलिटी एजुकेशन के लिए इसे 10% तक दिया जाना चाहिए था क्योंकि अच्छी शिक्षा होगी तो लॉन्ग टर्म मे देश की इकनॉमी को ही फायदा होगा। 15 हजार माध्यमिक विद्यालय और 500 कॉलेजो मे एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग एंड कॉमिक्स (एवीजीसी) कंटेंट क्रिएटर लैब्स, 800 गर्ल्स हॉस्टल, 5 यूनिवर्सिटी टाउनशिप के विकास पहल अच्छी है।

7/10

कुछ सेक्टर मे जॉब बढ़ेगी

एजुकेशन का बजट 10% तो नही रखा गया है मगर इसमे करीब 1% की बढ़ोतरी है, जो कि अच्छा इजाफा है। किराए को लेकर स्टूडेंट्स के लिए ऐसी कोई स्कीम नही है, इसलिए राहत नही है क्योंकि प्रॉपर्टी के रेट के साथ-साथ किराया भी बढ़ रहा है। रोजगार को लेकर कुछ सेक्टर मे प्रावधान रखा गया है जैसे टेक्सटाइल, टूरिज्म।

'इंडिपेंडेंट महिलाओं को मिलेगा सपोर्ट'

खुशी प्रजापति

इस बजट मे यह बात अच्छी लगी कि महिलाओ के लिए जो पहले से चल रही योजनाएं है, उन्हे जारी रखा गया है जैसे महिलाओ के लिए फ्री बस सुविधा, जो कि हम जैसी अनमैरिड, इंडिपेंडेंट वर्किंग महिलाओ के लिए बड़ा सपोर्ट है। इसी तरह पावर और पानी की सब्सिडी भी इनडायरेक्ट तरीके से राहत देती है। लेकिन थोड़ी निराशा इस बात की रही कि वर्किंग महिलाओ के लिए कोई अलग स्टेट-लेवल सपोर्ट नही आया। जैसे वर्किंग वुमन अलाउंस, किराए मे मदद या हाउसिंग सपोर्ट जैसी स्कीम लाई जा सकती थी। इसके अलावा, प्राइवेट सेक्टर मे काम करने वाली महिलाओ के लिए हेल्थकेयर सपोर्ट पर भी कुछ ठोस कदम नही दिखे।

6.5/10

खुद का मकान लें

गर्ल्स हॉस्टल की बात की गई है, मगर वर्किंग वुमन के लिए नही है तो इनको फायदा नही है। महंगा किराया जायज चिंता है मगर वर्किंग वुमन के लिए कोई रेजिडेंशल स्कीम भी नही है। आपकी कोशिश यह होनी चाहिए कि जितनी जल्दी हो सके, उतनी जल्द खुद का मकान ले, क्योंकि प्रॉपर्टी रेट तेजी से बढ़ रहे है। दूसरा, इनका मुद्दा है कि स्टॉक्स या SIP मे इन्वेस्टमेंट पर टैक्स। मगर इनमे टैक्स तभी लगता है जब ये बेचे जाते है, फायदा हो।

'पैनल में इलाज नहीं हुआ आसान'

आम बजट से काफी हद तक मायूस ही किया है। सीनियर सिटिजंस का कुछ ख्याल नही रखा गया है। कैंसर और कुछ अन्य दवाएं सस्ती होंगी। इससे हम जैसे परिवारो को बहुत अधिक राहत नही मिलेगी। सीनियर सिटिजंस के लिए कोई टैक्स रिबेट नही दिया गया है। इन्फ्रास्ट्रक्चर, सरकारी अस्पतालो के इन्फ्रास्ट्रक्चर और सरकारी पैनल मे इलाज की प्रक्रिया को आसान करने की बात नही की गई है। खाने पीने की चीजो पर महंगाई कंट्रोल करने की कोशिश नही दिखी। इसके साथ ही पब्लिक ट्रांसपोर्ट पर भी बजट निराशाजनक ही रहा। टीडीएस से कुछ राहत दी गई है।

5/10

सुरेश मखीजा और उनकी पत्नी मीना मखीजा

आपका पैसा कमाएगा

आम बजट मे एम्स और आयुर्वेदिक पर काफी फोकस किया गया है। दूसरा आपकी चिंता टीडीएस की है। टीडीएस मे आपका पैसा छह महीने या कुछ समय के लिए ब्लॉक हो रहा है। लेकिन वह आप रिटर्न भरकर वापस ले रहे होंगे। यह खराब स्थिति नही है। लेकिन सलाह है कि आप स्कीम मे इनवेस्ट करने की बजाय मार्केट मे कुछ पैसा लगाए। इसके लिए फाइनेंशियल कंसलटेंट की मदद ले, निश्चित तौर पर आपका पैसा भी आपके लिए पैसा कमाएगा।

'बेहतर भविष्य की झलक दिख रही'

बजट को लेकर अपनी निराशा आलोक कुमार अग्रवाल ने भी जताई, जो तीन सदस्यीय परिवार मे अकेले कमाने वाले है और एक नामी प्राइवेट कंपनी मे बतौर डिप्टी मैनेजर(एकाउंट्स) काम करते है। पत्नी और बेटे संग शाहदरा मे किराए के घर मे रहने वाले अग्रवाल ने कहा, केंद्रीय वित्त मंत्री ने जो बजट पेश किया, वो आगे की सोचकर और विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान मे रखते हुए दिया, उस लिहाज से तो यह काफी अच्छा बजट है। लेकिन, वर्तमान को देखे तो परिवार मे अकेले कमाने वाले लोगो की तो इस बजट मे उन्होने बात तक नही की। ऐसे लोग जो परिवार मे अकेले कमाने वाले है, नियमित टैक्स भरते है, उनके बारे उनके हित मे तो सरकार की ओर से एक पॉइंट नही आया।

7.5/10

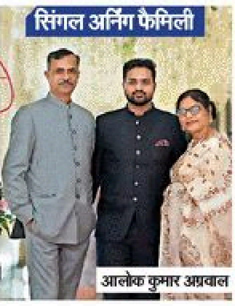

आलोक कुमार अग्रवाल

नए रिजीम में जाएं

आपका सवाल जायज है कि ओल्ड रिजीम के अंदर मिलने वाली डिडक्शन्स न्यू रिजीम मे नही मिल रही है और धीरे धीरे हम नए रिजीम की तरफ ही आ जाएंगे। आप टैक्स बचाने के लिए इन्वेस्टमेंट करते थे। लेकिन नए रिजीम के अंदर आप इन्वेस्टमेंट अपनी मर्जी की कर सकते है। आपका जो टोटल टैक्स है, वह ओल्ड रिजीम से कम बन रहा है। तो आपको सरकार यह कहती है कि आप इनवेस्टमेंट वगैरह को भूल जाइए। आप अपना टैक्स, जो सीधा-सीधा कम वाले रेट पर बनता है, वो टैक्स दीजिए। इससे आपके पास ज्यादा पैसा बचेगा।

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in